जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 27 संख्याः 31 प्रभात अजमेर, मंगलवार 30 अगस्त, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

दशकों से खानाबदोश बजाओ समुदाय के लोग मलेशिया, फिलीपीन्स और इण्डोनेशिया के समुद्र में रहते आए हैं, परंतु प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अंधाधुंध फिशिंग और अन्य हानिकारक गतिविधियों के कारण इनकी जीवनशैली खतरे में आ गई है। इण्डोनेशिया में साउथईस्ट सुलावेसी प्रांत के पास वाकाटोबी द्वीप श्रृंखला में रहने वाले बजाओ समुदाय के अंदार हलीम ने कहा, ''बजाओ लोगों की आबादी बढ़ रही है पर दिन पर दिन संसाधन घट रहे हैं। महासागर के लिए अच्छे नियम कायदे नहीं बनाए गए तो मैं दावे से कह सकता हूं कि भविष्य में मेरा बेटा हलीम अपने दादा की तरह मछुआरा नहीं होगा।'' यू.एस के एक फिल्म निर्माता टेलर मैक्नल्टी ने बजाओ समुदाय पर 15 मिनट की डॉक्युमैंटरी फिल्म बनाई है जिसमें बताया है कि, किस प्रकार बजाओ लोगों का जीवन बदला है। बजाओ समुदाय के लोग पहले पारम्परिक लैंपा बोट्स में रहते थे, जिनमें वो एक से दूसरे फिशिंग एरिया आते-जाते थे, परंतु अब वो ''फ्लोटिंग हाउसेज़'' में रहते हैं। बांस तथा बेंत की दीवारों वाले ये घर, समुद्र तल में गाड़े गए लट्ठों पर टिके होते हैं। समुद्र पर रहने वाले अन्य समुदायों की तरह बजाओ समुदाय की पारम्परिक जीवनशैली महासागरों व इसके संसाधनों पर बढ़ते दबाव की वजह से खतरे में है। शोधकर्ता एलैक्स जॉन ने कहा कि, आज समुद्र से संबंधित कई परम्पराएं, खासकर मछली पकड़ने के तरीके और समुद्री संसाधनों के उपयोग के तरीकों का क्षरण हो रहा है क्योंकि मशीनों व टैक्नॉलजी का प्रयोग ज्यादा हो रहा है। उन्होंने कहा कि, इण्डोनेशिया के सैनीहे आइलैण्ड्स पर स्थानीय मछुआरे मछली पकड़ने के लिए पारम्परिक फिशिंग गिअर ''साके'' के बजाय नैट फिशिंग गिअर जैसे आधुनिक उपकरणों का प्रयोग करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि, सैनीहे द्वीप के लोगों की मछली पकड़ने की परम्पराएं खतरे में हैं खासकर माकालेही द्वीप की। एलैक्स जॉन ने अपनी किताब में माकालेही को फिशिंग परम्परा का अंतिम गढ़ करार दिया है। उन्होंने कहा कि, वर्ष 2010 के तूफान में पारम्परिक फिशिंग गिअर का आखिरी सैट नष्ट हो गया था, उसका दोबारा निर्माण नहीं हुआ। इसका एक कारण यह है कि, अच्छा बांस उपलब्ध नहीं है जो इसका प्रमुख रॉ मटीरियल है। समुद्र में रहने वाले समुदायों की आजीविका को जो भी खतरा हो पर इसका जवाब उन्हीं में निहित है। अंदार हलीम ने कहा, ''हम अनुकूलन कर सकते हैं। जरुरत पड़ी तो हम इन समस्याओं पर विजय पा सकते हैं। सैंकड़ों वर्षों से हमने यही किया है।''

''भेड़िया आया, भेड़िया आया'' की स्थिति नहीं रही, क्लाइमेट चेंज का तांडव साफ दिख रहा है पाकिस्तान व चीन में

बेइन्तहा बारिश ने पाकिस्तान की एक तिहाई भूमि को, स्थानीय बाशिन्दों के शब्दों में, समुद्र बना दिया है

- सरकार ने पाकिस्तान की नौसेना को काम पर लगाया है, क्योंकि डूबे हुए क्षेत्र में न तो सड़क मार्ग से और न ही हैलीकॉप्टर से पहुंचा जा सकता है। क्योंकि इन्फ्रास्ट्रक्चर काफी तहस-नहस हो गया है और कई पुल बह गये हैं।
- पाकिस्तान का ''मेजर इकोनॉमिक एसैट'' पशुधन काफी नष्ट हो गया है, क्योंकि लोग जान बचाने के लिए खेत-खलियान व मकान छोड़ कर भागे, किसी भी ऊंचे स्थान पर। स्वाभाविक ही है, पशुधन पीछे छूटा और डूब गया, खत्म हो गया।
- सबसे नज़दीक देश राहत पहुंचाने को तैयार हैं, पर लोगों के हाथ में राहत देने के लिये भारत के सहायता कर्मियों को पाकिस्तान के भीतरी इलाकों में जाना पड़ेगा और यह पाकिस्तान की सेना को मंजूर नहीं है। अतः सहायता कर्मी, पाकिस्तान के प्रशासन को राहत का सामान सौंप कर वापस आ रहे हैं, इस आशा से कि, सामान सही जगह, जरूरतमंदों के पास पहुंच जायेगा।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। प्रत्येक दिन के गुजरने के साथ ही यह स्पष्ट होता जा रहा है कि संभावित जलवायु परिवर्तन से हम पहले ही घिर चुके हैं।

पहले, चीन जबरदस्त गर्मी से त्रस्त था, जिससे वहां की ज़मीन में दरारें पड़ गईं और देश के अधिकांश हिस्सों में बिजली की भारी कमी आ गई।

और अब, पड़ोसी पाकिस्तान इसकी विपरीत स्थिति का सामना कर रहा है। मूसलाधार बारिश और मानसून ने देश के करीब एक तिहाई हिस्से को जलमग्न कर दिया है तथा स्थानीय लोग इसे महासमुद्र की संज्ञा दे रहे हैं। पाकिस्तान वैसे तो अल्प वर्षा वाले क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, लेकिन फिलहाल वह मानसून के अभूतपूर्व खौफ को झेल रहा है।

ज़मीनी स्थिति से मिलीं कुछ खबरें बताती हैं कि बारिश ने एक प्रमुख आर्थिक सम्पत्ति ''पशुधन'' को नष्ट कर दिया है। बाढ़ के कारण लोग बमुश्किल बचकर भाग सके तथा उन्हें अपने पशुधन को मरने के लिए छोड़ने पर विवश होना पड़ा। घर भी तबाह हो गए हैं और इनकी रिकवरी होना मुश्किल है।

बाढ़ के कारण देश की बड़ी नदियों से लगते विशाल इलाकों में हजारों लोग मारे गए हैं और 30 लाख से अधिक विस्थापित हुए हैं। आशंका है कि अब और लोग विस्थापित होंगे तथा बढ़ते जलस्तर से और मौतें हो सकती हैं।

पाकिस्तान सरकार ने अपनी नौ सेना को राहत कार्यों में लगाया है क्योंकि बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में सड़क मार्ग या हैलिकॉप्टर्स तक से पहुंचना मुनासिब नहीं हो पा रहा था। बाढ़ में फंसे लोगों को राहत सामग्री पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पाकिस्तान ने अब अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय से सहायता और पुनर्वास की अपील की है। बाढ़ के पानी ने अपने रास्ते में आयीं इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं को भी तबाह कर दिया है। इन क्षेत्रों के कई पुल टूटकर बह गए। इसके कारण लोगों के पास संचार या सुरक्षित बचकर भागने का साधन नहीं रह गया।

सैटेलाइट डेटा से सिंधु नदी के पास जबरदस्त बाढ़ का पता चलता है, जिसने कृषि फार्मों और जुती हुई कृषि भूमि को जलमग्न कर दिया है। देश की खाद्य सुरक्षा पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडू में मंदिरों के मैनेजमैंट पर काबिज होने की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची

भाजपा मंदिरों के मैनेजमैंट पर सरकार के कब्जे के खिलाफ

- दूसरी ओर डी.एम.के. यह ही नहीं चाहती, बल्कि यह लागू करना चाहती है कि, गैर ब्राह्मण पुजारी नियुक्त हों।
- पर, क्या इस ब्राह्मण समर्थक, धार्मिक अभियान का लाभ मिलेगा भाजपा को तमिलनाडू में, क्योंकि जनसंख्या की दृष्टि से ब्राह्मणों की जनसंख्या नगण्य सी है तमिलनाडू में।

-लक्ष्मण वैंकेट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। तमिलनाडु तथा दक्षिण भारत में अन्य स्थानों पर भी मंदिरों के नियन्त्रण को लेकर लड़ाई और तेज हो गईहै। राज्य के मंदिरों पर अपने नियन्त्रण से सम्बन्धित तमिलनाडु सरकार के एक निर्णय के खिलाफ वरिष्ठ भाजपा नेता सुब्रमन्यम स्वामी सर्वोच्च न्यायालय पहुँच गये हैं। उन्होंने सरकार द्वारा की गईनियुक्ति पर ''स्टे'' भी माँगा है। ज्ञातव्य है कि सरकार ने 208 गैर-ब्राहमण व्यक्तियों को ''अर्चक'' (पुजारी) पद के नियुक्ति पत्र जारी कर दिये हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने नियुक्तियों अन्तरिम ''स्टे'' की माँग स्वीकार नहीं की हैं, किन्तु इस पर तथा मन्दिर पर सरकार के नियन्त्रण के सरकार के आदेश पर तमिलनाडु सरकार से जवाब माँगा है। लेकिन राजनैतिक पर्यवेक्षक ऐसा मान रहे हैं कि यह सब तमिलनाडु में धार्मिक तापमान को और अधिक बढ़ाने की शुद्ध राजनैतिक योजना है क्योंकि भाजपा वहाँ अपनी जड़ें जमाना चाहती हैं।

भाजपा ने, डेढ़ साल पहले, पूरे राज्य में एक धार्मिक यात्रा निकालने की योजना बनाई थी तथा उसके मित्र दल तथा राज्य में उस समय के सत्तारूढ़ दल ए.आई.ए.डी.एम.के. ने भी भाजपा को इसकी अनुमति नहीं दी थी। धार्मिक ध्रुवीकरण की कोशिशें तमिलनाडु में बहुत कारगर सिद्ध नहीं हुईं। तमिलनाडु ने धर्म और राजनीति को मिलाने से दूर रहने की सतर्कता बरती है, जबकि भाजपा ने अन्य स्थानों पर और राजनीति और धर्म को गड्डमड्ड करने का ही राजनैतिक लाभ लिया है।

लेकिन तमिलनाडु में भी, भाजपा ने अपना खाता खोलने की व्यवस्था बिठा ही ली तथा उसके 4 विधायक निर्वाचित हो ही गये, लेकिन उनकी जीत में भाजपा के गठबन्धन पार्टनर ए.आई.ए.डी.एम.के. का सहयोग था।

अभी हाल ही में, जब ए.आई.ए.डी.एम.के. अपने अंदरूनी झंझटों में उलझी हुई थी, भाजपा ने अपना जनाधार बढ़ाने तथा एक महत्वपूर्ण विपक्षी दल के रूप में उभरने के लिये आक्रामक तरीका अपनाया है। भाजपा के बेहद चर्चित तथा आक्रामक प्रदेश प्रमुख के. एन.अन्नामलाई फोकस एवं लाइम लाइट में रहने का कोई अवसर हाथ से नहीं जाने देते।

चन्द माह पूर्व, जब भगवान नटराज का चिदम्बरम मन्दिर सुर्खियों में आया था क्योंकि मन्दिर के व्यवस्थापकों ने मंदिर के खातों तथा प्रक्रियाओं की सरकार द्वारा ऑडिट किये जाने की अनुमति नहीं दी थी तथा सरकारी ऑडिट को मन्दिर के संभावित सरकारी अधिग्रहण के कदम के रूप में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ऑपरेशन उपलब्ध'

- रेल्वे पुलिस फोर्स ने ''ऑपरेशन उपलब्ध'' के तहत ऐसे अवैध सॉफ्टवेयर का भंड़ाफोड़ किया है, जिनमें दलाल बड़े पैमाने पर रेल्वे टिकटों की दलाली कर रहे थे। इस ऑपरेशन के तहत आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। ''ऑपरेशन उपलब्ध'' मिशन मोड़ के अन्तर्गत, रेलवे पुलिस फोर्स (आर.पी.एफ.) ने गहन एवं निरन्तर मुहिम चलाकर, पिछले दो माह में देश के विभिन्न भागों से आधा दर्जन दलाल गिरफ्तार किये हैं। आर.पी.एफ. ने रेलवे टिकटों के गैर कानूनी व्यवसाय के लिये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या गुलाम नबी, कैप्टन अमरिन्दर सिंह की राह चलेंगे?

एक फर्क जरूर है, अमरिन्दर सिंह ने अपनी पार्टी बनाकर, भाजपा से गठबंधन किया और आज़ाद भाजपा से खुल्लम खुल्ला नहीं जुड़ेंगे

- भाजपा नये ''डीलिमिटेशन'' के बाद जम्मू में काफी सुखद स्थिति में है, अतः भाजपा को आज़ाद की जरूरत कश्मीर घाटी में है।
- घाटी में फारूख अब्दुल्ला की पार्टी के पक्ष में एकतरफा वोट नहीं पड़ें, इसमें आज़ाद की पार्टी भाजपा की मदद कर सकती है।
- अगर आज़ाद नैशनल कॉन्फ्रैंस के वोट काटने में सफल हुए तो, भाजपा एक आध छोटी पार्टी का समर्थन लेकर एक हिन्दू मुख्यमंत्री ला सकेगी कश्मीर में।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आज़ाद स्वयं को पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह की भूमिका में पाते हैं। अमरिन्दर सिंह ने पिछले विधानसभा चुनावों से पूर्व अपनी क्षेत्रीय पार्टी शुरू करने के लिए कांग्रेस छोड़ी थी और भाजपा के साथ गठबंधन भी किया था।

तथापि, कैप्टन के विपरीत आज़ाद के भाजपा के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन करने की उम्मीद नहीं है, लेकिन आकलन यह है कि आज़ाद एक नई पार्टी शुरू करने के निर्णय के साथ ही कश्मीर घाटी में नैशनल कॉन्फ्रैंस के वोट बैंक में सेंधमारी कर भाजपा का हित साधेंगे।

यद्यपि चुनाव तिथियों की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन जम्मू और कश्मीर के चुनावों के अगले वर्ष के शुरूआत में होने की संभावना है। यहां परिसीमन और कश्मीर के मानचित्र का खाका पुनः खींचने के बाद होने वाले चुनावों में भाजपा और नैशनल कॉन्फ्रैंस को मुख्य प्रतिद्वंदियों के रूप में देखा जा रहा है। परिसीमन के बाद हिन्दू बाहुल्य जम्मू क्षेत्र की विधानसभा सीटें 37 से बढ़ाकर 43 कर दी गई हैं, जबकि कश्मीर घाटी की सीटें 46 से बढ़कर 47 हो गई हैं। इस स्थिति में भाजपा के रणनीतिकारों की राय में राज्य में किसी हिन्दू मुख्यमंत्री को आसीन करने का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राफेल डील

- राफेल विमान सौदे में बिचौलिए की भूमिका की जांच कराने संबंधी याचिका सुप्रीम कोर्ट ने अस्वीकार कर दी। यह याचिका दिल्ली के वकील मनोहर लाल शर्मा ने दायर की थी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार दिल्ली के वकील मनोहर लाल शर्मा की उस याचिका को स्वीकार करने से मना कर दिया जिसमें मांग की गई थी राफेल विमान सौदे में बिचौलिए को डील कराने पर दसॉल्ट एविएशन द्वारा एक मिलियन यूरो दिए जाने की स्वतंत्र जांच हो। यह खबर फ्रैंच मीडिया रिपोर्ट पर आधारित थी।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सी.जे.आई.) उदय उमेश ललित एवं जस्टिस एस. रवीन्द्र भट की बैंच ने शर्मा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुलाम नबी ने राहुल गांधी की धज्जियां उड़ाने का क्रम जारी रखा

उन्होंने एन.डी. टी.वी. को दिये इन्टरव्यू में कहा कि, उन्होंने अपनी राजनीति इंदिरा गांधी के चरणों में बैठकर सीखी है और वरिष्ठ राजनीतिज्ञों का आदर करना उनके खून में इस ट्रेनिंग की वजह से है

- क्या इस संदर्भ में राहुल गांधी की पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ शिकायत जायज है कि, वे उन्हें, राहुल को, काम नहीं करने दे रहे। यह बात उन्होंने सी.डब्ल्यु.सी. की धुआंधार बैठक में अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने से पहले कही थी।
- साथ ही, जहां तक वरिष्ठ नेताओं को सम्मान देने की बात है, क्या, यह सच नहीं है कि, संजय गांधी जब कांग्रेस के सर्वेसर्वा थे, तब उनका व्यवहार काफी आक्रामक था, बुजुर्ग व वरिष्ठ नेताओं के प्रति गुलान नबी उनके प्रबल पंक्ति व्यक्ति वाले समर्थक थे।
- ''जनरेशनल चेंज'' (पीढ़ी का बदलाव) हर पार्टी में हुआ है। भाजपा ने अडवानी, मुरली मनोहर जोशी, यशवंत सिन्हा को रिटायर कर दिया था, मोदी युग के आरंभ होने पर। लेकिन कांग्रेस में विशेषकर, वरिष्ठ नेता शालीनता से रिटायर नहीं हुए और इस्तीफा देने तक पार्टी की ओर से विपक्ष के नेता बने रहे राज्यसभा में।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। अपने नेता राहुल गांधी अपमानित करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, गुलाम नबी आज़ाद ने आज फिर जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ 2019 में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा छेड़े गये ''चौकीदार चोर है'' नारे से कई पुराने पार्टी नेता असहज हो गये थे।

एन.डी.टी.वी. समाचार चैनल को दिये एक इन्टरव्यू में, आज़ाद जिन्होंने पाँच दशक से अधिक समय तक कांग्रेस में रहने तथा पार्टी एवं सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर रहने के बाद कांग्रेस छोड़ दी, ने भाजपा के केन्द्र की सत्ता में दोबारा आने तथा कांग्रेस के बुरी तरह पराजित होने के बाद हुई सी.डब्ल्यु.सी. की एक मीटिंग की याद दिलाई तथा इस मीटिंग में राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ दिया था।

कांग्रेस की इस लम्बी चली उत्तेजक मीटिंग, जिसमें उन्होंने इस्तीफा दिया था, में राहुल गांधी ने कहा था कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के प्रतिरोध के कारण उनके लिये काम करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने ''चौकीदार चोर है'' नारे का हवाला दिया था तथा कहा कि किसी ने इस नारे का समर्थन नहीं किया था। आज़ाद ने इस बात की पुष्टि भी की कि कांग्रेस में एक पीढ़ीगत अलगाव पैदा हो गया है।

यह पीढ़ीगत अलगाव एवं मनमुटाव आज सभी पार्टियों को कष्ट दे रहा है तथा सत्तारूढ़ भाजपा भी इससे अछूती नहीं रही है। भाजपा में एल.के. अडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी तथा यशवन्त सिन्हा जैसे वरिष्ठ नेता या पूरी तरह उपेक्षित कर दिये गये या फिर वे अलग-थलग कर दिये गये। वहीं आज़ाद पार्टी में बने रहे तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता पद पर भी बने रहे। लेकिन अब ऐसे समय, जब कांग्रेस स्वयं के पुनरुद्धार के लिए संघर्षरत है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गुलाम नबी को किसका डर है'

- कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने ट्वीट किया कि, गुलाम नबी को किसका डर है जो वे हर पल अपने विश्वासघात को सही ठहराने में लगे हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अगस्त। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता, जयराम रमेश ने सोमवार को ट्वीट किया कि, गुलाम नबी आज़ाद हर मिनट अपने विश्वासघात को उचित ठहरा रहे हैं, उन्हें किस बात का डर है।

जयराम ने कहा, ''बहुत आसानी से उन्हें बेनकाब किया जा सकता है, लेकिन हम अपना स्तर गिराना नहीं चाहते।''

उन्होंने आगे कहा, ''केवल कांग्रेस की बदौलत, इतने लंबे करियर के बाद,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अपनी नम्रता का गर्व करने से अधिक निंदनीय और कुछ नहीं है। –मारकस औरेलियस

ऐसी पढ़ाई किस काम की?

हाल ही में मुझे राजस्थान के सरकारी विद्यालयों में कक्षा 8 में पढाई जानी वाली अंग्रेज़ी की पाठ्य पुस्तक देखने का अवसर मिला। इसे पढने के बाद जो आश्चर्य-मिश्रित दु:ख मुझे हुआ, वह मैं पाठकों के साथ साझा करना चाहता हूँ। ऐसा मैं इस आशा के साथ कर रहा हूँ कि कोई शिक्षा प्रशासक या शिक्षाविद् इस ओर ध्यान देकर आवश्यक कार्यवाही करेंगे, ताकि राजस्थान के राजकीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले बच्चों का बचपन और भविष्य दोनों को खराब होने से बचाया जा सके।

इस विषय पर विवेचन करने से पूर्व इस पुस्तक के एक अध्याय का एक अंश उद्धत करना उपयुक्त होगा। यह निम्न प्रकार है:–

"He was afraid that it might kick and bleat at right and smell of its mother ~ He skirted the clearing and pushed his way into the thicket~ It was difficult to fight through with his burden~The fawn's legs caught in the bushes and he could not lift his own with freedom~ He tried to shield its face from prickling vines~ Its head bobbed with his stride ~ his heart thumped with the marvel of its acceptance of him ~ He reached the trail and walked as fast as he could until he came to the intersection with the road home~ He stopped to rest and set the fawn down on its dangling legs~It wavered on them~ It looked that him and bleated"

उपरोक्त पेरा इस किताब की पेज संख्या 91 से लिया गया है। कई वर्ष शिक्षा विभाग में बिताने के बाद और लगभग 10 वर्षों से शिक्षा से संबंधित मंचों के माध्यम से स्वैच्छिक कार्यकर्ता के रूप में अनेक शिक्षकों और विद्यार्थियों से निरंतर संवाद के आधार पर, मैं विश्वास के साथ यह कह सकता हूं कि बच्चों की बात तो छोड़ दीजिए, शिक्षक भी इस प्रकार के एक पैराग्राफ का न तो अनुवाद कर सकते हैं, न इसका अर्थ समझ सकते हैं। इसी कारण मजबूरन उन्हें कई प्रकार की पासबुक का सहारा लेना पड़ता है।

इन परिस्थितियों में एक प्रश्न उठना स्वाभाविक है। हम इस प्रकार की पुस्तकों के माध्यम से राजकीय विद्यालयों के बच्चों को क्या सिखाना और पढना चाहते हैं? अंग्रेजी भाषा पढ़ाने का प्रमुख उद्देश्य बच्चों में यह क्षमता उत्पन्न करना है कि वे सही अंग्रेजी लिखना और बोलना सीखें और उसे समझ भी सके। इस प्रकार की किताबों से उनका अंग्रेजी भाषा के प्रति लगाव होना असंभव है। जिस सामाजिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि से राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थी आते हैं, वे सामान्यतया निर्धन और वंचित वर्ग के होते हैं। उनके लिए सही हिन्दी लिखना-पढना भी सरल नहीं होता। उनके लिए इस प्रकार की अंग्रेजी की किताबें चलाना पता नहीं किस प्रकार की सोच की उपज है? संभवतया ये पुस्तकें बड़े शहरों में रहने वाले तथा विश्वविद्यालयों के लब्ध प्रतिष्ठित प्राध्यापकों द्वारा लिखी जाती हैं जो राज्य की धरातल की स्थितियों से अनभिज्ञ होते हैं।

होना तो यह चाहिए कि प्रारंभिक कक्षा के विद्यार्थियों के लिए जो भी पाठ्य पुस्तकें बनाई जाएं वे उनके संदर्भ से जुड़ी हों। तब ही ये उनके लिए उपयुक्त हो सकती हैं। कहा भी गया है कि प्रारंभिक शिक्षा 'जाने से अनजाने' (known to unknown) की ओर ले जाने वाली होनी चाहियें।

उपरोक्त उल्लिखित पुस्तक के अधिकांश पात्र दूसरे देशों के हैं जिनके नाम और घटनाएँ भी हमारे यहां के विद्यार्थियों के लिए नितांत अपरिचित हैं। हम प्रारंभ से ही ऐसी अनजानी परिस्थितियों और घटनाओं से बच्चों को परिचित कराना चाहते हैं जिनके बारे में कल्पना करना भी राजकीय विद्यालयों के प्रारंभिक कक्षा के विद्यार्थियों के लिए असंभव है।

कोई पाठक चाहे तो अपने आसपास के किसी भी सरकारी विद्यालय के बालक-बालिकाओं के स्तर की तुलना उनकी पुस्तकों से करें तो पाएंगे कि दोनों में किसी भी प्रकार की कोई समानता नहीं है। न केवल बच्चे, अपितु शिक्षक भी जिस प्रकार की पृष्ठभूमि से आते हैं, उन्होंने भी इस प्रकार की किताबें न तो पढ़ी होंगी ना समझी होंगी।

क्या भारतीय संस्कृति, त्यौहार, रीति रिवाज, रहन-सहन, खेती-बाड़ी, वेशभूषा के सन्दर्भ पर सरल किताबें सरल भाषा में नहीं बनाई जा सकतीं? जब बच्चों को पुस्तकें अपनी सी लगेंगी तो उनकी रुचि इनमें उत्पन्न होगी। तत्पश्चात धीरे-धीरे उनके स्तर को बढ़ाया जा सकता है। पहला प्रयास यही होना चाहिए कि बच्चों में पढने के प्रति रुचि उत्पन्न हो। वह तब ही हो पाएगी जब पुस्तक अध्याय एवं उसकी भाषा सरल ,सहज एवं रुचि के अनुरूप होगी। इन तीनों ही दृष्टि से इस प्रकार की अंग्रेजी की पुस्तक नितांत अनुपयुक्त हैं। आश्चर्य का विषय है कि शिक्षक भी इस प्रकार की पुस्तकों का विरोध नहीं करते और वे इन्हीं पुस्तकों के आधार पर बच्चों को पढाने का काम करते हैं। इससे भी अधिक आश्चर्यजनक यह है कि सभी बच्चे परीक्षा में अच्छे अंक लाकर अगली कक्षा में प्रवेश पा ले लेते हैं। यह वास्तव में चमत्कार ही है।

कोई पाठक चाहे तो अपने आसपास के किसी भी सरकारी विद्यालय के बालक-बालिकाओं के स्तर की तुलना उनकी पुस्तकों से करें तो पाएंगे कि दोनों में किसी भी प्रकार की कोई समानता नहीं है। न केवल बच्चे, अपितु शिक्षक भी जिस प्रकार की पृष्ठभूमि से आते हैं, उन्होंने भी इस प्रकार की किताबें न तो पढ़ी होंगी ना समझी होंगी। परिणामस्वरुप, शिक्षक और विद्यार्थी दोनों केवल पास बुक को सहारा बनाकर बच्चों को परीक्षाओं में अच्छे अंकों से पास करा देते हैं। यदि किसी को वास्तविकता पता करनी हो तो गत वर्ष के आठवीं उत्तीर्ण बच्चों की एक निष्पक्ष परीक्षा इस पुस्तक के आधार पर करा ली जाए। निश्चित रूप से लगभग सब अनुत्तीर्ण होंगे। संभवतया अधिकांश बच्चे 20 प्रतिशत अंक भी नहीं ला पायें। इस सारी व्यवस्था से हम आगामी पीढ़ी के साथ घोर अन्याय कर रहे हैं। यही कारण है कि तथाकथित शिक्षित व्यक्ति किसी भी रोज़गार के लिए नियोक्ताओं द्वारा अनुपयुक्त पाए जाते हैं। इस प्रकार की अनुपयुक्त, अप्रासंगिक पुस्तकों के ही कारण बच्चे 'ड्रॉप आउट' भी होते हैं। क्या कारण है कि हम अभी तक अपनी शिक्षा को बाल केंद्रित नहीं बना पाए, जबकि इस दिशा में बड़े-बड़े प्रयोग और अनुसंधान का गढ़ राजस्थान रहा है। इस बारे में दिल्ली सरकार ने जो प्रयास किए हैं वह न केवल सराहनीय हैं अपितु अनुकरणीय भी हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह पुस्तक अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों की नहीं अपितु हिंदी माध्यम के राजकीय विद्यालय की है।

इसी परिप्रेक्ष्य में हमें सरकारी अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों के खोलने के औचित्य पर भी विचार करना चाहिए। सरकार ने केवल वाहवाही और सस्ती लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए अंग्रेज़ी माध्यम के स्कूल खोल तो दिए। इस अदूरदर्शी निर्णय से उन विद्यालयों में पढने वाले बालकों की स्थिति कितनी विकट हो गई है, उस ओर सरकार का कतई ध्यान नहीं है। वास्तविकता यह है कि अंग्रेज़ी माध्यम के नए विद्यालय खोलने के स्थान पर सरकार ने पूर्व में संचालित उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों को ही अंग्रेजी माध्यम का घोषित कर दिया। परिणाम स्वरूप उस विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को विद्यालय से निकाल दिया गया और उनके लिए किसी अन्य विद्यालय की व्यवस्था तक नहीं की। ये बालक-बालिका वर्तमान में इधर से उधर भटक रहे हैं और उनकी शिक्षा के बारे में कोई चिंता शिक्षा विभाग अथवा समाज को नहीं है। इसके विपरीत जो बालक-बालिका निजी विद्यालयों में पढ़ रहे थे उन्होंने वहां से छोड़कर इन विद्यालयों में प्रवेश लिया है। कुल मिलाकर इसका प्रभाव यह हुआ कि राजकीय विद्यालयों में पढने वाले निर्धन परिवारों के बच्चों को मजबूरन किसी निजी विद्यालय में प्रवेश लेना पड़ रहा है। इस प्रकार जो विद्यार्थी नि:शुल्क शिक्षा राजकीय विद्यालयों में प्राप्त कर रहे थे, उन्हें बड़ी धनराशि फीस के रूप में निजी विद्यालयों में प्रवेश हेतु देने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

एक और समस्या जो सरकारी विद्यालयों में प्रवेश के लिए आ रही है, वह पुराने विद्यालय से टीसी प्राप्त करने की है। बिना निजी विद्यालयों से टी.सी. लाए उन्हें राजकीय विद्यालयों में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। जो विद्यार्थी निजी विद्यालयों में पढ़ रहे थे वहां कोरोना के कारण दो वर्ष में कोई पढ़ाई नहीं हुई। अभिभावकों की आय भी इतनी कम हो गई कि वे अब निजी विद्यालयों में नहीं पढ़ा सकते हैं। उन्हें पुराने निजी विद्यालय से टी.सी. भी नहीं मिल पा रही है क्योंकि उनकी अर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वे कोरोना काल की बकाया फीस जमा करा सकें।

शिक्षा विभाग को तत्काल इस दिशा में ध्यान देकर आदेश जारी करने चाहिए कि सरकारी विद्यालयों में कोई भी प्रधानाध्यापक किसी भी विद्यार्थी को आयु के आधार पर किसी कक्षा में प्रवेश देने से मना ना करे। यही मंशा शिक्षा का अधिकार कानून के अंतर्गत स्पष्ट रूप से व्यक्त की गई है। सरकारी विद्यालयों द्वारा प्रवेश के लिए टीसी की अनिवार्यता समाप्त करने की तत्काल आवश्यकता है। ऐसा नहीं होने पर लाखों बच्चे विद्यालय से बाहर ही भटकते रहेंगे।

सरकार के शिक्षा संबंधी नीति निर्धारकों एवं शिक्षाविदों से विनम्र अनुरोध है कि राजस्थान के लगभग 50 प्रतिशत बच्चों के बचपन एवं उनके भविष्य को ध्यान में रखते हुए तत्काल अपनी व्यवस्था में उपरोक्त सुझाव के परिप्रेक्ष्य में उपयुक्त बदलाव करें। पुस्तकों को प्रारंभिक कक्षा के विद्यार्थियों के लिए बहुत सरल, सहज एवं प्रासंगिक बनाएँ। उनके लिए प्रतिदिन काम आने वाले विषयों से संबंधित पुस्तकें बनवाएँ, ताकि ना केवल भाषा एवं गणित पर अपनी पकड़ बना सकें अपितु उनके काम आने वाली जानकारियां इनके माध्यम से प्राप्त कर सकें। इससे वे विश्वास के साथ अच्छे नागरिक के रूप में अपना जीवन यापन करने में सक्षम हो सकेंगे।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

मैनेजमैंट के सर्वश्रेष्ठ आदि गुरु विघ्नहर्ता देवों के देव विनायक

सनातनी हिन्दू भगवान गणेश को अनेक नामों से पुकारते हैं कोई इन्हें विघ्नहर्ता कहता है तो कोई इन्हें सिद्धि विनायक। असंख्य हिन्दू चाहे दुनिया के किसी भी भाग में निवास करते हों कोई भी नया काम शुरू करते हों। सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा आराधना करते हैं। गणेशजी दुनिया में तिब्बत-सिंध-जापान-श्रीलंका सहित समस्त भारत की संस्क्रती के अन्दर समाये है। सच्चाई तो यही है कि गणेशजी जैन धर्म में ज्ञान-बुद्धि-सम्पन्नता का संकलन करने वाले गणों के प्रमुख के रूप में स्थापित है। बोद्ध धर्म की वज्रयान शाखा का मानना है कि गणेशजी की स्तुति-आराधना के बिना मन्त्र सिद्धि मुमकिन नहीं है। तिब्बत और नेपाल के वज्रयानी सम्प्रदाय के बोद्ध अपने आराध्यदेव भगवान बुद्ध की मूर्ति के समीप गणेशजी की मूर्ति भी स्थापित करते हैं।

शिव-पार्वती के पुत्र के रूप में भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को गणेशजी का जन्म हुआ था। गणेशजी के जन्म के समय समस्त देवी-देवता उन्हें आशीर्वाद देने को आये थे। भगवान विष्णु ने उन्हें ज्ञान का वहीं ब्रह्माजी ने उनको यश और पूजन का आशीर्वाद दिया। धर्मराज ने गणेशजी को धर्म एवं दया का आशीर्वाद दिया। भगवान शिव ने उन्हें उदारता, बुद्धि, शक्ति और आत्म संयम का आशीर्वाद दिया। माता लक्ष्मी ने कहा जहाँ गणेश रहेगें वहीं मै रहूगीं। माता सरस्वती ने उन्हें स्मृति, वाकपटुता-वक्तव्य शक्ति और वाणी का आशीर्वाद दिया। सावित्री ने गणेशजी को बुद्धी दी। ब्रम्हा-विष्णु-महेश ने गणेश को अग्र पूज्य, प्रथम देव और रिद्धि-सिद्धि प्रदाता का वरदान दिया। विभिन्न देवी-देवताओं के आशीर्वचन और वरदान से ही गणेशजी सार्वभोमिक, सार्वकालिक, सात्विक और सार्वदेशिक लोकप्रिय देव है।

गणेश में गण का अर्थ है वर्ग और समूह और ईश का अर्थ है स्वामी अर्थात जो समस्त जीव जगत के ईश हैं वहीं देवों के देव भगवान गणेश ही है। इसलिए उन्हें गणाध्यक्ष, लोकनायक गणपति के नाम से भी जाना जाता है। गणेशजी की चार भुजाएं चारों दिशाओं में सर्वव्यापकता की प्रतीक हैं। शिव मानस पूजा में श्री गणेश को प्रणव (ॐ) कहा गया है। इस एकाक्षर (ॐ) ब्रह्म में ऊपर वाला भाग गणेश का मस्तक, नीचे का भाग उदर, चंद्रबिंदु लड्डू और मात्रा सूँड है)। विघ्नहर्ता गणेशजी की व्याख्या करने से स्पष्ट होता है कि गज दो व्यंजनों से यानि ग एवं ज से बना हैं, यहाँ अक्षर ज जन्म और उद्गम का परिचायक है वहीं ग गति और गन्तव्य का प्रतीक है।

गणेशजी की मूर्ति का विसर्जन क्यों किया जाता है?

भाद्र शुक्ल चतुर्थी को गणेशजी की मूर्ति की स्थापना ढोल नगाड़े के साथ घरों में जाती है। भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी से अगले 10 दिन के बाद देश के विभिन्न प्रान्तों में गणपति बप्पा मोरिया, मंगल मूर्ति मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आना के नारों के साथ गणपति की मूर्ति का विसर्जन हर्षोल्लास के साथ सरोवरों में किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी से अगले 10 दिन तक गणपति को वेद व्यास जी ने भागवत कथा सुनाई थी। गणेश जी की शर्त थी कि महर्षि एक क्षण के लिए भी कथावाचन में विश्राम ना लेंगे। यदि वे एक क्षण भी रूके, तो गणेश जी वहीं लिखना छोड़ देंगे। महर्षि ने उनकी बात मान ली और साथ में अपनी भी एक शर्त रख दी कि गणेश जी बिना समझे कुछ ना लिखेंगे। हर पंक्ति लिखने से पहले उन्हें उसका मर्म समझना होगा। गणेश जी ने उनकी बात मान ली। इस कथा को गणपति जी ने अपने दाँत से लिखा था। दस दिन तक लगातार कथा सुनाने के बाद वेद व्यास जी ने जब आंखें खोली तो पाया कि लगातार लिखते-लिखते गणेश जी के शरीर का तापमान काफी बढ़ गया है। महर्षि वेद व्यास जी ने गणेश जी को आदेश दिया कि वो तुरंत पास के कुंड में डुबकी लगा कर अपने आप को ले ठंडा कर लें। अत: इसी मान्यता के अनुसार गणेशजी की मूर्ति का विसर्जन किया जाता है।

हाथ में अंकुश: गणेशजी का अंकुश हमें अपने लक्ष्य की और केन्द्रित रहते हुए हमेशा आगे बड़ने का पाट पढ़ाता है। मनुष्य को अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिये सतत प्रयास करते हुवे निरंतर आगे बढ़ना ही होगा। गणेशजी के हाथ में अंकुश हम सभी को भोतिकता से आध्यात्मिकता की तरफ चलने की शिक्केषा भी देता है।

आशीर्वाद की मुद्रा में हाथ : निर्सविवाद रूप से जीवन में हमेशा जीत उन व्यक्तियों की होती है जो परिस्थितियों के अनुसार अपने आप को परिवर्तित करके आगे बड़ते हैं।

चूहे की सवारी: सभी देवी-देवता गणेशजी की बुद्धिमता के कायल हैं, तर्क-वितर्क में हर देवी-देवता गणेशजी से हार जाते थे। प्रत्येक समस्या के मूल में जाकर उसकी मीमांसा एवं विवेचना कर उसका तर्कसंगत हल खोजना उनकी विशेषता है इसलिए हर एक के मन में यह सवाल उठना लाजमी है कि भगवान गणेशजी ने निकृष्ट माने जाने वाले चूहे (मूषक) को ही अपना वाहन क्यों चुना? इसी सन्दर्भ में यह भी

डॉ. जे.के. गर्ग

उल्लेखनीय है कि चूहा भी तर्क-वितर्क में किसी से पिछे नहीं रहता है, चूहे का काम हर किसी भी वस्तु को कुतर डालना है। जो भी वस्तु या चीज चूहे को दिखाई देती है, चूहे महाराज उसकी चीर फाड़ करके उसके प्रत्येक अंगो का विस्तृत विश्लेष्ण सा कर देते है, अत: संभवत गणेशजी ने चूहे के इन्हीं गुणों को देख कर चूहे को अपना वाहन चुना होगा। गणेशजी की चूहे की सवारी के बारे में यह भी कहा जाता है कि जैसे चूहे की इच्छा कभी पुरी नहीं होती,उसे कितना मिले हमेशा खाता रहता है वैसे ही मनुष्य की इच्छायें भी कितना भी मिले कभी पूरी नहीं होती क्योंकि लोभी आदमी का लालच कभी भी नहीं खत्म होता है।

खड़े होने का भाव: गणेशजी की यह अवस्था बताती है कि दुनिया में रहते हुए मनुष्य को सांसारिक कर्म भी करने जरूरी है। वस्तुत: इन सबमें एक संतुलन बनाये रखते हुए उसे अपने सभी अनुभवों को परे रखते हुए अपनी आत्मा से जुड़े रखना चाहिए और अपने जीवन को आध्यात्मिकता सेजोड़ कर अंतर मुखी बनना चाहिए। हाथी का सिर : इस कहावत से हम सभी परिचित हैं कि बड़ा सिर सरदार और बड़ा पांव गवांर का गणपति का बड़ा सिर खुशहाल जीवन जीने के लिये इंसान के अन्दर मौजूद असीमित बुद्धिमत्ता का प्रतीक है, वहीं विनायक के बड़े कान अधिक ग्राह्यशक्ति के प्रतीक हैं। गजानन लंबोदर हैं क्योंकि समस्त चराचर सृष्टि उनके उदर में ही विचरती है। हम लोगों यह भी जानना चाहिए कि गणपति के बड़े कान उनकी सर्वाधिक ग्राह्य शक्ति को दर्शाती है गजकर्णक की लंबी नाक (सूंड) महा बुद्धित्व का प्रतीक है।

विनायक का एक दंत: यह बतलाता है कि अच्छाई और अच्छों को अपने पास रक्खो वहीं बुराई और बुरों का साथ तुरंत छोड़ दो। गणेशजी के बाई तरफ का दांत टूटा है। इसका एक अर्थ यह भी है कि मनुष्य का दिल बाई और होता है, इसलिए बाई और भावनओं का उफान अधिक होता है, जबकि दाई और बुद्धिपरक होता है। बाई और का टूटा दांत इस बात का प्रतीक है कि मनुष्य को हमेशा अपनी भावनओं पर बुद्धि और विवेक से नियन्त्रण रखना चाहिए।

छोटी आँखें: गणेशजी की छोटी-पैनी आँखें हमें सिखाती है कि हमें सूक्ष्म एवं तीक्ष्ण दृष्टि वाला बनना चाहिये। सफलता प्राप्ति के लिये आदमी को एकाग्र चित्त बन कर अपना ध्यान हमेशा अपने लक्ष्य पर केंद्रित रखते हुए अपने मन पर नियंत्रण रखना चाहिए और मन को इधर-उधर भटकने से रोकना चाहिये। बड़ा पेट: विघ्ननाशक गणेश जी का बड़ा पेट हमें सिखाता है कि मनुष्य को अच्छी बुरी सभी बातों-भावों को समान भाव से ग्रहण करना चाहिए, उन्हें समान भाव से लेना चाहिये । दूसरे शब्दों में गणेशजी का बड़ा पेट मनुष्य को उदार आदतों का धनी बनने की सीख देता है। जीवन में कुछ बातों को पेट में पचा लेना चाहिये। धीर और गम्भीर पुरुषों का समाज में सम्मान होता है।

क्यों सिर्फ माता-पिता के चरणों में ही बसता है समस्त संसार?

एक बार देवता अनेकों आपदाओं में घिरे हुए थे, तब वे मदद मांगने भगवान शिव के पास आए। देवताओं की बात सुनकर शिवजी के दोनों पुत्रों कार्तिकेय व गणेशजी ने शिवजी से देवताओं की मदद करने आज्ञा मांगी तब भगवान शिव ने दोनों की परीक्षा लेते हुए कहा कि तुम दोनों में से जो सबसे पहले पृथ्वी की परिक्रमा करके आएगा वही देवताओं की मदद करने जा सकेगा। भगवान शिव के मुख से यह वचन सुनते ही कार्तिकेय तो अपने वाहन मोर पर बैठकर पृथ्वी की परिक्रमा के लिए निकल गए। किन्तु गणेशजी सोच में पड़ गए कि वह चूहे के ऊपर चढ़कर सारी पृथ्वी की परिक्रमा करेंगे तो इस कार्य में उन्हें बहुत समय लग जाएगा। तभी गणेशजी को एक उपाय सूझा। गणेश अपने स्थान से उठें और अपने माता-पिता की सात बार परिक्रमा करके वापस बैठ गए। परिक्रमा करके लौटने पर कार्तिकेय स्वयं को विजेता बताने लगे। तब शिवजी ने श्रीगणेश से पृथ्वी की परिक्रमा ना करने का कारण पूछा। तब गणेश ने कहा– माता-पिता के चरणों में ही समस्त लोक हैं। भगवान शिव ने गणेश को विजेता घोषित करके कहा कि वास्तविकता में माता-पिता के चरणों में ही समस्त लोक वास करते हैं।

भगवान गणेशजी के 12 स्वरूप

महागणेश (श्रीगणेश के इस स्वरूप की पूजा करने से जीवन में आने वाली हर परेशानी का समाधान होता है।

द्विज गणपति (गणेश के स्वरूप की व्याख्या की जाए तो उनके दो सिर और चार हाथ होते हैं। एक हाथ में उन्होंने माला, एक में मटकी, एक में किताब और एक में छड़ी पकड़ी है इस स्वरूप में पूजा करने से उत्तम स्वास्थ्य सुखद भविष्य मिलता है)

हेरंब गणपति (इस स्वरूप में गणेशजी शेर पर सवार रहते हैं और इनके पांच सिर और दस हाथ होते हेरंब गणपति आपके धन और संपत्ति की रक्षा करते हैं)

वीर गणपति (यह गणेश जी के पराक्रमी स्वरूप का नाम है, इस स्वरूप में उनकी सोलह भुजाओं में सोलह भिन्न-भिन्न प्रकार के हथियार होते हैं,वीर गणपति महिलाओं को बीमारियों से बचाते हैं)।

करपग विनायगर (अर्ध पद्मासन में बैठे दो हाथ वाले ये गणपति हमारी हर मनोकामना पूर्ण करते हैं और हम पर धन की वर्षा करते हैं)

गणेशनी (गणेशनी अधि-विनायक, भगवान गणेश का प्राचीनतम स्वरूप हैं। इनका सिर हाथी का नहीं वरन एक मनुष्य का ही है ये हमारी मार्ग में आने वाली हर बाधा, हर परेशानी को खत्म करते हैं)

सिद्धि-बुद्धि गणपति (भगवान गणेश अपने इस स्वरूप में अपनी दोनों पत्नियों के साथ विराजमान हैं। सिद्धि हमें सहजज्ञान प्रदान करती हैं और बुद्धि हमें व्यवहारिक ज्ञान की प्राप्ति करवाती हैं)।

नृत्य गणपति (मनोकामना पूर्ति करने वाले वृक्ष के नीचे नृत्य करते भगवान गणेश जी हमें खुशहाली और पूर्वजों का आशीर्वाद प्रदान करते हैं)।

विघ्नहर्ता (आठ हाथों वाले गणेश जी के इस स्वरूप की पूजा करने से आपकी हर समस्या और हर रुकावट का समाधान होता है

अलिंग नर्तन गणपति (अपने इस स्वरूप में भगवान गणेश कलिंग नामक सांप के फन के ऊपर नृत्य कर रहे हैं। यह बुराई पर अच्छाई की जीत दर्शाता हैं।

समस्या (अपने इस स्वरूप में भगवान गणेश कलियुग के उन लोगों की सहायता करते हैं जो अपने अच्छे कर्मों के बावजूद, समस्याओं को झेल रहे हैं), और अलिंग नर्तन गणपति (अपने इस स्वरूप में भगवान गणेश कलिंग नामक सांप के फन के ऊपर नृत्य कर रहे हैं। यह बुराई पर अच्छाई की विजय को दर्शाता हैं)

31 अगस्त 2022 को देश प्रथम पूज्य भगवान विनायक का जन्मोत्सव हर्ष उल्लास के साथ मना रहा है। बुद्धि-ऋद्धि-सिद्धि सुख सुस्वास्थ्य सम्पन्नता को देने वाले देव देवों गणपति भगवान के श्री चरणों मे कोटि-कोटि प्रणाम।

–डॉ. जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक
कालेज शिक्षा जयपुर

मंगला आरती के साथ 638वां जग विख्यात बाबा रामदेवरा मेला शुरू

रामदेवरा, (कासं)। रामदेवरा में पश्चिमी राजस्थान के सुप्रसिद्ध लोकदेवता बाबा रामदेव की अवतरण तिथि भादवा-शुक्ला द्वितीया के उपलक्ष्य में सोमवार को अलसुबह मंगला आरती के साथ 638 वें रामदेवरा मेले का विधिवत रूप से शुभारम्भ हो गया।

इस अवसर पर बाबा की समाधि के मस्तक पर स्वर्ण मुकुट प्रतिष्ठापन किया गया। जिला कलैक्टर टीना डाबी ने साम्प्रदायिक सदभाव का संदेश देते हुए बाबा की समाधि की विधि विधान से पूजा-अर्चना की एवं यहां आने वाले श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं प्रेषित की। मंगला आरती के अवसर पर पुजारी पं. कमल किशोर छंगाणी ने अतिथियों से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बाबा रामदेव की समाधि के दूध, दही, शहद, इत्र एवं पंचामृत से अभिषेक करवाया। बाबा को मेवा मिष्ठान एवं मिश्री का भोग लगाया गया। बाबा की समाधि पर नई चादर चढाई गयी एवं बाबा की भोग आरती की गई। अतिथियों ने बाबा की समाधि पर इत्र एवं प्रसाद चढाया एवं समाधि पर चंवर ढुलाया तथा बाबा के अखण्ड जोत के दर्शन किए। अतिथियों को बाबा का प्रसाद दिया गया व पवित्र झारी का

रामदेवरा में बाबा रामदेव के मेले के शुभारंभ पर श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। फोटो राष्ट्रदूत

जल आचमन करवाया। मंगला आरती के अवसर पर मंदिर के प्रमुख प्रवेश द्वार के खुलते ही बाबा के भक्तजन बाबा के जयकारे लगाते हुए बड़े उत्साह के साथ निज मंदिर में प्रवेश किया। अनेक श्रृद्धालुओं ने बाबा की बीज के अवसर पर अपने ईष्टदेव के दर्शन कर अपने आप को धन्य महसूस किया। श्रृद्धालुगण बाबा की अवतरण तिथि भादवासुदी बीज के अवसर पर ईष्ट देव के दर्शन करने के लिये रात्रि में ही बैरीकेटिंग के मध्य डेरा जमाए रखा था।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक भंवरसिंह नाथावत, नगर विकास न्यास जैसलमर की सचिव एवं मेला समन्वयक सुनीता चौधरी, उपखंड अधिकारी पोकरण राजेश विश्नोई, बाबा वंषज गादीपति भोमसिंह तंवर, सांकडा पंचायत समिति के प्रधान भगवत सिंह, नगरपालिका पोकरण के अध्यक्ष मनीष पुरोहित, रामेदवरा सरपंच समुन्दरसिंह तंवर ने बाबा रामदेव की समाधि की पूजा-अर्चना की एवं देश व प्रदेश में अमन चैन एवं खुशहाली की मंगल कामना की।

जिला कलैक्टर टीना डाबी, पुलिस अधीक्षक भंवरसिंह नाथावत ने कतार में खडे मेलार्थियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं मेले से जुडे अधिकारियों को निर्देष दिए कि वे बाबा के भक्तों को सुगमतापूर्वक दर्षन कराने की व्यवस्था करें। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मेले के अवसर पर उमड़ी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध रखें एवं सत्त रूप से मॉनेटरिंग करते रहें। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि वे सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें एवं कतार में सफाई कर्मचारियों को तैनात रखकर नियमित रूप से सफाई करते रहें। ताकि लम्बी कतारों के पास किसी प्रकार की गंदगी नहीं रहें। उन्होंने सभी अधिकारियों को टीम भावना से कार्य करने के निर्देश दिए।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 30 अगस्त, 2022

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, तृतीय तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, हस्त नक्षत्र रात्रि 11:49 तक, शुभ योग रात्रि 12:04 तक, गी करण दिन 3:34 तक, चन्द्रमा कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

रवियोग रात्रि 11:49 तक है और रात्रि 3:18 से पुन: आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 3:28 से बुधवार दिन 3:23 तक रहेगी। मघा सिंह में प्रवेश सांय 4:20 पर।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:18 से 10:53 तक, लाभ-अमृत 10:53 से 2:05 तक, शुभ 3:37 से 5:11 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:09, सूर्यास्त 6:47

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कर्क
व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी और व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मकर
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। परिवार में खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सार-समाचार

गीतों से स्वरांजली दी

अजमेर, (कासं)। महान गायक मुकेश की पुण्य स्मृति पर इण्डिया इंटरनेशनल म्यूजिक लवर्स सोसायटी ने नसीराबाद रोड स्थितमुकुंद गार्डन में फिल्म निर्देशक ऋषिकेश मुखर्जी की पुण्यतिथि के साथ साथ सपन चक्रवती और सावनकुमार टाक और आनंदजी को भी उनके संगीत सयोंजन में मुकेश कुमार के गाए गीतों से याद किया। सोसायटी के डॉ लाल थदानी ने बताया कि सदस्यों ने मिले सुर मेरा तुम्हारा की परंपरा को बढ़ाते हुए संगीत की महफ़िल में स्वरांजली देते हुए सभी गायकों की प्रस्तुति अत्यंत सराहनीय, स्तरीय, कर्णप्रीय रही जिनमें शकील खान और कमरजहॉ मेरा प्यार भी तू यह बहार भी तू है, (युगल गीत), रश्मि मिश्रा मुबारक हो सबको समां ये सुहाना फरहान और देवी सिंह कभी कभी मेरे दिल में ख्याल आता है, योगेश गौर झूमती चली हवा याद आ गया कोई, रजनीश मैसी तुम किसी और को चाहोगी तो मुश्किल होगी, कुंजबिहारीलाल ने वंदना मिश्रा के साथ तेरे होठो के दो फूल प्यारे प्यारे और उषा मित्तल के साथ युग युग से ये गीत मिलन के गाते रहेगें, डॉ लाल थदानी मैं ढूंढता हूं जिनको ख्वाबों में डॉ और गीतांजली के साथ क्या खूब लगती हो युगल गीत गाकर प्रभावित किया, वी के पाठक हमने तुझसे प्यार किया है जितना, निर्मल सिंह परिहार डम डम डीगा डीगा, डॉ विकास मनीषा सक्सेना किसी राह में किसी मोड़ पर, और रेखा मित्तल के साथ सुहाना सफर और ये मौसम हसीं युगल गीत गाया। नीरज मिश्रा मेरी तम्मनाओं की तकदीर तुम संवार दो, , राकेश परिहार वक्त करता जो बफा, जॉन जाने कहाँ गये वो दिन कहते थे तेरी ने तालियां बटोरी। अजय कुलश्रेष्ठ, समीर गर्ग विजय शर्मा सरला और भारती नंदी ने सबका स्वागत किया । कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने मुकेश रफी लता का कोरस गीत ''रमैया वस्तावैया'' गाकर कार्यक्रम का समापन किया।

एसडीएम को ज्ञापन दिया

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र की माँगठला पँचायत के माधोपुरा गाँव की सरहद में स्थित चारागाह भूमि पर कच्चा व पक्का निर्माण कर अतिक्रमण किए जाने का मामला सामने आया है।अतिक्रमियों की दबंगई की समस्या को लेकर आक्रोशित ठाामीणों ने उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंप पर तत्काल अतिक्रमण हटाने की माँग की हैं। मांडलगढ़ के माँगठला पँचायत के माधोपुरा निवासी नंदलाल गुर्जर के नेतृत्व में सैकड़ों ठाामीणों द्वारा एसडीएम नेहा छीपा को दिए गए ज्ञापन में बताया कि निकट के गाँव दल सिंह जी का खेडा के बदमाश लोग माधोपुरा की चारागाह पर अतिक्रमण कर रहे है।अतिक्रमियों द्वारा खाई खोद कर,फसल बुवाई कर,तारबंदी लगा कर तथा कई जनों ने पक्के निर्माण भी कर लिए है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 200 बीघा चारागाह भूमि पर अतिक्रमण करने से किसानों व ग्रामीणोंको मवेशीयों की घास चराई एवं विचरण कराने में समस्या उतपन्न हो गई हैं। ग्रामीणो ने एक बार ठााम पंचायत के सहयोग से अतिक्रमण हटाने के लिए पहल की।लेकिन अतिक्रमियों ने हमला करने का प्रयास किया और जान से मारने की धमकी दी।ज्ञापन में बताया कि चारागाह भूमि से प्रशासन द्वारा शीघ्र ही अतिक्रमियों को बेदखल नहीं किया गया तो दोनों गाँवो के ठाामीणों के बीच झगड़ा होने की नोबत आ सकती हैं। उक्त समस्या को लेकर उपखण्ड अधिकारी ने तहसीलदार को जाँच कर कार्रवाई के निर्देश दिए है।

फांसी लगाकर की आत्महत्या

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। सरवाड़ी गेट के पास नायको का मोहल्ला में अज्ञात कारणों के चलते एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया। मृतक नायकों का मोहल्ला निवासी जीवनराम प्रजापत (52) पुत्र छीतरमल है। किशनगढ़ सिटी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम की कार्यवाही के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतक के परिजनों ने दु:खद घड़ी में जरूरतमंद को नेत्र ज्योति उपलब्ध कराने के उदेश्य को लेकर नेत्रदान कराया। भारत विकास परिषद के प्रकल्प प्रभारी जिनेश जैन ने बताया की जीवनराम प्रजापत के निधन पर परिवार के मुकेश, गोपाल लाल, दिनेश, शिवजीराम, कानाराम, रामेश्वर, रजनीश शर्मा, शंकर शर्मा, नंदलाल सरपंच, बालचंद प्रजापत, हिमांशु टाक, कैलाश प्रजापत आदि मौजूद रहे। नेत्रदान की प्रक्रिया आई बैंक सोसाइटी के भरत शर्मा एवं कुलदीप शर्मा ने संपन्न कराई। भाविप की और से राजकुमार जैन, जिनेश जैन, सरस्वती मुंदड़ा ने सहयोग किया।

शिक्षकों की कमी के विरोध में टायर जलाकर किया प्रदर्शन

भीलवाड़ा, (निसं)।। जिले के कोटड़ी क्षेत्र की गेहूली ठााम पंचायत के उच्च माध्यमिक विद्यालय और शाहपुरा पंचायत समिति क्षेत्र की ठााम पंचायत लसाड़िया के हायर सैंकडरी स्कूल में शिक्षकों की कमी सहित मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता को लेकर विद्यार्थियों ने आज सुबह से ही स्कूल के गेट पर तालाबंदी कर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

आज से ही राजीव गांधी ठाामीण ओलंपिक की शुरुआत हो रही है, इससे पूर्व गेहुली में शिक्षक के तबादले से नाराज छात्र-छात्राओं व ठाामीणों ने विद्यालय के मुख्य द्वार ताला जड़कर रास्ता जाम कर दिया तथा टायर जलाकर प्रदर्शन किया। अध्यापक पुर्ण सिंह कानावत का तबादला राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ठोसर (सहाड़ा) में किया गया, जिसकी जानकारी आज छात्र छात्राओं को मिली तो छात्र छात्राओं ने विद्यालय के मुख्य गेट पर तालाबंदी करते हुए, गेहुली चौराहे पर कोटड़ी-काछोला मार्ग को जाम करते हुए, टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके चलते दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई है।

छात्र-छात्राएं अध्यापक कानावत का तबादला निरस्त कराने की बात को लेकर प्रदर्शन किया। तहसीलदार रामजी लाल ने बताया की मौके पर पहुंच अक्रोशित विद्यार्थियों से समझाइश का अध्यापको की कमी दूर करने का आश्वासन दे मामला शांत करवाया।

वही शाहपुरा क्षेत्र के लसाडिया स्कूल के विद्यार्थियों का आरोप है कि 13 शिक्षकों की कमी के कारण अध्ययन तक शुरू नहीं हो पाया है अगले माह परीक्षा कैसे देगें। वर्तमान में प्रधानाचार्य सहित 13 पद रिक्त होने के बाद भी शिक्षा विभाग सुनवायी नहीं कर रहा है। विद्यार्थियों की इस मांग से सरपंच कांता मीणा ने गत दिनों शिक्षा विभाग को भी अवगत कराया था पर समाधान नहीं हो पाया है। विद्यार्थी भोलूराम गोस्वामी ने बताया कि गणित, सामाजिक, विज्ञान सहित कई विषयों में अध्यापक है ही नहीं। पढ़ाई हो नहीं रही। स्कूल की छत बारिश के बाद से लगातार चू रही है। कक्षाओं में बैठना संभव नहीं हो रहा है।

ठाामीण आलिंपक खेलों में बड़े विद्यार्थियों का पंजीयन हीं नहीं कराया है। खेल मैदान ही तैयार नहीं कराये है। वहां पर आज भी बबूल उग रहे है। ठाामीण ओलंपिक खेल भी नहीं हो रहे है। किसी को कोई परवाह नहीं है। बड़े अधिकारी नहीं सुनते है तो सरकार की सभी योजनाएं बेकार साबित हो रही है। पूर्व सरंपच संजय कुमार ने बताया कि तालाबंदी की सूचना शिक्षा विभाग के साथ पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारियों को दी है। ठााम पंचायत से दो पंचायत सहायकों को अतिरिक्त लगाया गया है पर शिक्षकों की कमी के कारण अध्यापन न होने से परेशान ठाामीणों व विद्यार्थियों ने तालाबंदी कर दी है।

अस्पताल की रखी नींव, किया पूजन

नागौर, (निसं)। सैनिक क्षित्रय माली संस्थान, नागौर द्वारा शिक्षा, सामूहिक विवाह व चिकित्सा के क्षेत्र में अनेक वर्षों से कार्य किए जा रहे हैं। समाज बंधुओं द्वारा एक संपूर्ण सुविधा युक्त चिकित्सालय का निर्माण प्रस्तावित है जिसका नींव का मुहूर्त माली समाज के गणमान्य नागरिकों द्वारा सोमवार को किया गया। समाज के अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार ने बताया कि सभी गणमान्य समाज बंधुओं की उपस्थिति में यह कार्यक्रम हुआ। हैदराबाद प्रवासी व ताऊसर निवासी तथा माली समाज हैदराबाद के पूर्व अध्यक्ष बलदेव राम भाटी के मुख्य आतिथ्य में विधि विधान से नींव का मुहूर्त किया गया। इस अवसर पर नागौर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन नरेंद्र कच्छावा, पूर्व उप प्रधान आईदान राम भाटी, जगदीश सांखला, डॉ शंकर लाल परिहार, मोहब्बत राम पंवार, सुरेश सोलंकी, रामकुमार भाटी, अमरपुरा संस्थान के कोषाध्यक्ष कमल भाटी भी उपस्थित थे।

'प्राणदान की प्रक्रिया है सीपीआर'

अजमेर, (कासं)। भारत में एक लाख व्यक्तियों में से चार हजार से ज्यादा लोगों की आकस्मिक मृत्यु समय पर सीपीआर न देने के कारण हो जाती है। विधिवत जानकारी एवं प्रशिक्षण के अभाव में पढ़ा लिखा व्यक्ति भी ऐसी परिस्थिति में अपने आप को असहाय पाता है एवं अपने प्रिय की जान गंवा बैठता है।

कार्डियक अरेस्ट आने के चार मिनट के अंदर यदि सही तरीके से सीपीआर दे दी जाए तो मरीज की जान भी बच जा सकती है , किंतु देरी होने से ब्रेनडेड होने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। उक्त जानकारी जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय के वरिष्ठ आचार्य नि:श्चेतना डॉ अरविन्द खरे ने महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर में छात्रों एवं स्टाफ के लिए आयोजित सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षण देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने छात्रों को हार्ट अटैक एवं कार्डियक अरेस्ट के बीच अंतर को स्पष्ट करते हुए बताया कि यदि प्रारंभिक क्षणों में हम सीपीआर की प्रक्रिया का उपयोग करते हुए किसी को प्राण दान देते हैं , तो यह मानवोचित व्यवहार ईश्वर की सेवा करना होता है।

Name Change

I have changed my name from Gul Munavvar Khan to New name Gul Munawar Khan.I shall be known by my New name in future for all purpose.Gul Munawar Khan S/O Mohammed Yusuf Khan Add. - Gagwana (Ajmer)

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक- न.नि.अ./22-23/एम.बी./581 दिनांक: 29-8-2022

आपति सूचना

श्री प्रदीप जेठानी पुत्र श्री छगोमल जेठानी निवासी 253 साकेत कॉलोनी आनासागर सरक्यूलर रोड, अजमेर द्वारा एक सम्पति/भूखण्ड संख्या ए-94 मान सरोवर कॉलोनी आनासागर सरक्यूलर रोड अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 250.09 व.मी है भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानसार हैं।

पूर्व - भूखण्ड संख्या ए-95 पश्चिम - भूखण्ड संख्या ए 93

उत्तर - भूखण्ड संख्या ए 90 व ए 91 दक्षिण - 100 फिट चौडा रास्ता है।

अत: जरिए इस सूचना के सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर पालिका, आसीन्द जिला—भीलवाड़ा (राज.)

क्रमांक न.पा.आ./भू.शा./2022—23/3574 दि. 27.08.2022

प्रारूप—5 (नियम (2) देखिए)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 69—क के अधीन नीचे वर्णित निम्नांकित आवेदकों ने आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपनी भूमि में अपने अधिकार आवासीय/व्यवसायिक पट्टा प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के उपयोग के लिए पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिए नगरपालिका आसीन्द के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

क्र स	नाम	पता	उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौड़ाई सहित क्षेत्र (वर्गफिट में)
1	श्रीमती इन्द्रा देवी पत्नि प्रकाश खटीक	वार्ड नं. 09 नेगड़िया रोड आसीन्द	कृषि भूमि	रास्ता	सन्तोक खटीक का मकान	अजीज मो. का मकान	1000

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 69—क के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो यह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत अवधि के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जाएगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा/ निस्तारण किया जाएगा।

प्राधिकृत अधिकारी अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका, आसीन्द

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

क्रमांक : अविप्रा/प.3/भू.उ.परि/2021/228/2312 दिनांक 29.8.22

सार्वजनिक सूचना

नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, राजस्थान सरकार के अधिसूचना क्रमांक पं. 11(8) नविवि/2020 दिनांक 24.2.2021 एवं अजमेर विकास प्राधिकरण अधिनियम 2013 के अन्तर्गत निम्नांकित भूमि का आवासीय से सामान्य व्यवसायिक प्रयोजननार्थ भू-उपयोग परिवर्तन हेतु प्रस्तावित किया गया है :-

क्र. सं.	नाम आवेदक	योजना का नाम	प्लॉट नं.	कुल क्षेत्रफल	जोनल डवलपमेंट प्लान 2033 (जोन-1) के अनुसार भू-उपयोग	स्वीकृत भू-उपयोग	चाहा गया भू-उपयोग
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
1.	श्रीमती प्रेमलता गौड पत्नी श्री सुभाष गौड	हरिभाऊ उपाध्याय नगर मुख्य	भूखण्ड संख्या B-06	175.50 वर्गमीटर	मिश्रित	आवासीय	सामान्य व्यवसायिक

उपरोक्त भू-उपयोग परिवर्तन किए जाने पर किसी संस्था/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिवस में अपनी आपत्ति कारण/विवरण सहित अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर में दर्ज करावें अन्यथा अवधि के उपरान्त किसी भी आपत्ति या सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा

सदस्य सचिव, (भू-उपयोग परिवर्तन समिति) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण प्राधिकरण की हरिभाऊ उपाध्याय नगर मुख्य योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या ए-26 क्षेत्रफल 175.50 वर्गमीटर के आवंटी/अन्तरिति श्री स्व. बंशीलाल शर्मा (नवहाल) पुत्र श्री स्व. मांगीलाल जी निवासी 533/40 होलीदड़ा लक्ष्मी चौक अजमेर की मृत्यु दिनांक 14/7/2009 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों क्रमश: (1) शांति देवी (पत्नि) (2) विष्णु कान्ता (पुत्री) (3) गोविन्द शर्मा (4) अशोक शर्मा पुत्र स्व. श्री बंशीलाल शर्मा (5) श्रीमती चन्द्रा शर्मा पत्नि स्व. श्री बृजमोहन शर्मा (पुत्र वधु) स्व. श्री बंशीलाल शर्मा (6) केशव शर्मा (नाबालिग) पोता स्व. श्री बंशीलाल शर्मा निवासी 533/40 होलीदड़ा, लक्ष्मी चौक, अजमेर द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्रीमती शान्ति देवी पत्नि स्व. श्री बंशीलाल शर्मा (नवहाल) निवासी 533/40 होलीदड़ा, लक्ष्मी चौक, अजमेर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिं. 17-10-2019 व 25-8-2022 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे । उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नही होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण कार्यवाही की जा सकेगी। योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

क्रमांक : अविप्रा/प.3/भू.उ.परि/2022/228/2311 दिनांक 29.8.22

सार्वजनिक सूचना

नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, राजस्थान सरकार के अधिसूचना क्रमांक पं. 11(8) नविवि/2020 दिनांक 24.2.2021 एवं अजमेर विकास प्राधिकरण अधिनियम 2013 के अन्तर्गत निम्नांकित भूमि का आवासीय से सामान्य व्यवसायिक प्रयोजननार्थ भू-उपयोग परिवर्तन हेतु प्रस्तावित किया गया है :-

क्र. सं.	नाम आवेदक	योजना का नाम	प्लॉट नं.	कुल क्षेत्रफल	जोनल डवलपमेंट प्लान 2033 (जोन-1) के अनुसार भू-उपयोग	स्वीकृत भू-उपयोग	चाहा गया भू-उपयोग
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
1.	श्री शिखर चन्द जैन पुत्र श्री रोशनलाल जी जैन	बी.के. कौल नगर	भूखण्ड संख्या 667	294.00 वर्गमीटर	मिश्रित	आवासीय	सामान्य व्यवसायिक

उपरोक्त भू-उपयोग परिवर्तन किए जाने पर किसी संस्था/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिवस में अपनी आपत्ति कारण/विवरण सहित अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर में दर्ज करावें अन्यथा अवधि के उपरान्त किसी भी आपत्ति या सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा

सदस्य सचिव, (भू-उपयोग परिवर्तन समिति) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक- न.नि.अ./22-23/एम.बी./1222 दिनांक: 29-8-2022

आपति सूचना

श्रीमति मधु चौहान पत्नी श्री रमेश चौहान निवासी सात पीपली बालाजी मंदिर के सामने शिव नगर बालाजी ट्रेडर्स बिहारी गंज, अजमेर द्वारा एक सम्पति जो थोक मालियान तृतीय के 8155 की भूमि में से विखडित भूमि का एक भाग है जो वाकै बालाजी मंदिर के पास बिहारीगंज, अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 124.85 व.मी. है भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानसार हैं।

पूर्व - मुख्य नसीराबाद रोड पश्चिम - नाला

उत्तर - श्री शैलेश गोरा की जायदाद दक्षिण - पुरूषोतम की जायदाद

अत: जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, जहाजपुर जिला - भीलवाडा

E-Mail: mbjahazpur@gmail.com Contact : 01485-230101

क्रमांक नपाज/2022-23/762 दिनांक : 29-08-2022

उजरदारी सूचना

एदत् द्वारा सार्वजनिक उजरदारी सूचना जारी की जाती है कि नगर पालिका जहाजपुर मे नीचे अंकित आवेदक अपनी क्रय शुदा सम्पति जो कि नगर पालिका क्षेत्र जहाजपुर में स्थित है का नामान्तरण/निर्माण स्वीकृती स्वयं के नाम से जारी किये जाने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं.	आवेदक का नाम व पता	स्थान	पडौस	प्रयोजनार्थ
1.	श्री राजकुमार पिता विश्वराम जाट निवासी ग्राम गुलाबपुरा तह. जहाजपुर (भील.)	चावंडिया जहाजपुर स्थित भूखण्ड जिसका नाप = 54X44= 2376वर्गफिट में से 1/2 हिस्सा यानि 1188 वर्गफिट, 132 वर्गफिट	भूखण्ड के पडौस निम्न प्रकार है- पूर्व - आम रास्ता पश्चिम - नारायण बारेठ की भूमि वर्तमान में उसके पुत्र बजरंग बारेठ के कब्जे में है। उत्तर - नाला व रास्ता दक्षिण - नारायण बारेठ की भूमि वर्तमान में उसके पुत्र बजरंग बारेठ के कब्जे में है।	आवासीय मकान निर्माण स्वीकृति
2.	श्री राजकुमार पिता विश्वराम जाट निवासी ग्राम गुलाबपुरा तह. जहाजपुर (भील.)	चावंडिया जहाजपुर स्थित भूखण्ड जिसका नाप = 54X44= 2376वर्गफिट में से 1/2 हिस्सा यानि 1188 वर्गफिट, 132 वर्गफिट	भूखण्ड के पडौस निम्न प्रकार है- पूर्व - आम रास्ता पश्चिम - नारायण बारेठ की भूमि वर्तमान में उसके पुत्र बजरंग बारेठ के कब्जे में है। उत्तर - नाला व रास्ता दक्षिण - नारायण बारेठ की भूमि वर्तमान में उसके पुत्र बजरंग बारेठ के कब्जे में है।	आवासीय मकान निर्माण स्वीकृति

उक्त नामान्तरण/निमार्ण स्वीकृति हेतु आवेदक के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/वारिसान को कोई आपति हो तो उक्त विज्ञप्ति के प्रकाशन दिनांक के 7 दिवस के भीतर-भीतर मय दस्तावेजो के लिखित रूप में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद गुजरने मियाद उक्त सम्बन्ध मे कोई आपति मान्य नही होगी व आवेदक के पक्ष मे नामान्तरण/निमार्ण स्वीकृति जारी की जाने की कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। सूचित रहे। अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका, जहाजपुर

कार्यक्रमों में कांग्रेस संगठन पदाधिकारियों की हो रही उपेक्षा

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व कांठोस पदाधिकारियों ने प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर अवगत करवाया कि यहां के प्रशासनिक अधिकारी उनकी सुनवाई नही करते ओर यहां तक कि जिला प्रशासन द्वारा जन-चेतना से जुडे कार्यक्रमों में कांग्रेसी पदाधिकारियों व जिला अध्यक्ष की उपेक्षा की जा रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा कांग्रेस संगठन एवं उसके पदाधिकारियों की विगत लंबे समय से जानबूझकर उपेक्षा की जा रही है तथा ऐसा कृत्य जिला प्रशासन द्वारा भाजपा के विधायकों के दबाव में किया जा रहा है। जो किसी भी दृष्टिकोण से न्याय उचित नहीं है।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष व कांठोस के पदाधिकारियों की आज के कार्यक्रम में की गई उपेक्षा को लेकर कांग्रेसी नेता व पार्षद श्याम प्रजापति, पार्षद सुनिल धानका, नरेश सत्यावना, मनीष सेठी व कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष कैलाश कोमल सहित अन्य कांग्रेसियों ने इस घटना की कड़े शब्दो में निदां की।

सीएम अशोक गहलोत को लिखे पत्र में कांग्रेसियों ने बताया कि आप द्वारा समय-समय पर सरकार के जनहित, जनचेतना कार्यक्रमों में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष को सक्रियता के साथ शामिल होने के लिये निर्देशित किया जाता रहा है, किंतु जिला प्रशासन अजमेर द्वारा निरंतर इस प्रकार के कार्यक्रमों में संगठन पदाधिकारियों की उपेक्षा की जा रही है। कांठोसियों ने यह भी बताया कि अगर हम जनसमस्याएं लेकर जाते उन्हें भी नही सुना जाता है।

संपूर्ण राजस्थान में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में कायड़ स्थित विश्राम स्थली में देश भक्ति के गीत गायन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अजमेर में भी उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें संभागीय आयुक्त, जिलाधीश एवं जिला प्रशासन के समस्त अधिकारी इसमें शामिल थे, लेकिन जन चेतना के उक्त कार्यक्रम में जिला प्रशासन द्वारा कॉन्ठोस के पदाधिकारियों एवं शहर अध्यक्ष की अनदेखी जानबूझकर की गई।

गत दिनों 15 अगस्त को पुलिस लाइन मैदान पर जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह अजमेर में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री लालचंद कटारिया की मौजूदगी में प्रशासनिक अधिकारियों, गणमान्य व्यक्तियों, समाजसेवियों इत्यादि सभी को प्रशासन द्वारा आमंत्रित किया गया। किंतु इस कार्यक्रम में भी कांठोस के शहर अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों की प्रशासन द्वारा जानबूझकर उपेक्षा की गई।

26 अगस्त 2022 को राजस्थान प्रदेश कांठोस कमेटी की ओर से अजमेर जिला शहर कांठोस कमेटी को निर्देशित किया गया कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित किए जाने वाले राजीव गांधी ओलंपिक खेलों में शहर एवं जिला अध्यक्ष प्रमुखता से शामिल होकर राज्य की जनता में खेलों के प्रति जागरूकता का प्रचार प्रसार करें। किंतु जिला प्रशासन द्वारा उक्त खेल-आयोजन में भी अधो हस्ताक्षर कर्ता की उपेक्षा करते हुए उसे कार्यक्रम से दूर रखा गया।

29 अगस्त 2022 को भी राज्य सरकार की ओर से नव स्थापित अंठोजी माध्यम स्कूल विवेकानंद स्कूल में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर में आयोजित किए जाने वाले राजीव गांधी ओलंपिक खेलों का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें प्रभारी मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय एवं आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ प्रमुख रूप से मौजूद थे। किंतु उक्त कार्यक्रम में भी कांठोस शहर अध्यक्ष को जानबूझकर उपेक्षित रखा गया। समारोह में आमंत्रित नहीं होने के कारण अधो हस्ताक्षरकर्ता मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय एवं आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ से मुलाकात कर समारोह का अघोषित बहिष्कार कर लौट आए।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर

क्रमांक - कृउमस-मदनगंज किशनगढ़ /आवंटन/मदनगंज किशनगढ़ /2022-23/474-504 दिनांक- 29/08/2022

संशोधित आवंटन सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति मदनगंज किशनगढ़ के आवंटन सूचना क्रमांक 330-59 दिनांक 21.07.2022 द्वारा निर्मित रिक्त दुकानों/चिन्हित रिक्त भूखण्डों/रिक्त सामन्य गोदामों के भूखण्डों/निर्मित ग्रामीण गोदाम एवं वेयर हाऊस कोल्ड स्टोरेज हेतु चिन्हित रिक्त भूखण्ड़ों का अचल सम्पत्ति आवंटन नीति-2005 तथा समय-समय पर जारी संशोधनों के अन्तर्गत द्वितीय एवं पश्चात्वर्ती चरणों में 99 वर्षीय लीज पर आवंटन हेतु समाचार पत्रों के अजमेर संस्करण में दिनांक 22.07.2022 को प्रकाशित आवंटन सूचना में मुख्य मण्डी प्रांगण के ब्लॉक E व F तथा फल-सब्जी गौण मण्डी के ब्लॉक H में अनुज्ञापत्रधारी वन उपज/औषधीय पादप/जड़ी बूटियों के व्यवसायियों तथा अनुसूचित जाति वर्ग की महिला कृषकों हेतु आरक्षित दुकान/भूखण्ड़ की सूचना का प्रकाशन नहीं होना पाया गया है उक्त क्रम में संशोधित आवंटन विज्ञप्ति निम्नानुसार है –

भूखण्डों का प्रयोजन	मुख्य मण्डी प्रांगण /गौण मण्डी प्रांगण	रिक्त दुकान/गोदाम/भूखण्ड का विवरण	ब्लॉक	संख्या	साईज	अनुज्ञापत्रधारी व्यापारियों हेतु भूखण्डों की संख्या: अनुज्ञापत्र धारी व्यापारी – सामान्य	नि:शक्तजन	मण्डी क्षेत्र की अनुज्ञापत्र धारी तेल मिल व अन्य कृषि जिन्स प्रसंस्कण इकाइयां – सामान्य	नि:शक्तजन	अनुज्ञापत्रधारी वन उपज/औषधि पादप/जड़ी बूटियों के व्यवसाईयों – सामान्य	नि:शक्तजन	कृषक महिलाओं हेतु आरक्षित भूखण्ड संख्या: सामान्य वर्ग महिला – सामान्य	नि:शक्तजन	विधवा महिला	एस.सी. वर्ग महिला – सामान्य	नि:शक्तजन	विधवा महिला	एस.टी. वर्ग महिला – सामान्य	नि:शक्तजन	विधवा महिला	जैविक खेती के उत्पादक कृषकों हेतु भूखण्डों की संख्या – सामान्य	नि:शक्तजन	पंजीकृत कृषक उत्पादक संगठन/कम्पनी हेतु भूखण्डों की संख्या	आवंटन दर
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
अधिसूचित कृषि जिन्सों के क्रय-विक्रय हेतु	मुख्य मण्डी प्रांगण मदनगंज-किशनगढ़	गोदाम मय प्लेटफार्म (रिक्त भूखण्ड)	E	E-21 से E-40 (20 भूखण्ड)	10'X37'6"	11	–	2	–	1	–	3	–	–	1	–	–	–	–	–	1	–	1	अचल सम्पति आवंटन नीति 2005 के प्रावधानों के अनुसार आवंटन दिनांक को प्रभावी व्यवसायिक डी.एल.सी. दर का 50%
	गौण मण्डी प्रांगण (फल-सब्जी)	दुकान मय प्लेटफार्म (रिक्त भूखण्ड)	F	F-21 से F-28 (8 भूखण्ड)	16'6'X'58'9'	2	–	1	–	1	–	1	–	–	1	–	–	–	–	–	1	–	1	
	मुख्य मण्डी प्रांगण मदनगंज-किशनगढ़	दुकान मय प्लेटफार्म (रिक्त भूखण्ड)	H	H-01 से H-20 (20 भूखण्ड)	10"2'X'36	11	–	2	–	1	–	3	–	–	1	–	–	–	–	–	1	–	1	

अत: उक्त संशोधित विज्ञप्ति के क्र म में अनुज्ञापत्रधारी वन उपज/औषधीय पादप/जड़ी बूटियों के व्यवसाइयों तथा अनुसूचित जाति महिला कृषक वर्ग के समस्त हितबद्ध पात्र फर्मों/व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि आवेदन हेतु आवेदन पत्र शुल्क 500/- रूपये कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, मदनगंज-किशनगढ़ में नकद जमा करवाकर दिनांक 30 08.2022 से कार्यालय समय में मण्डी समिति कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है। आवेदन पत्र भरकर सचिव कृषि उपज मण्डी समिति मदनगंज किशनगढ़ के नाम से देय धरोहर राशि 20000/- रूपये का बैकर्स चैक/डी.डी. सलग्न कर कृषि उपज मण्डी समिति, मदनगज किशनगढ़ के कार्यालय में दिनांक 13.09.2022 को दोपहर 02 00 बजे तक जमा करवाये जा सकते है। बिना धरोहर राशि के आवेदन फार्म मान्य नहीं होगा। अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग की महिला कृषकों को द्वितीय एवं पश्चातवर्ती चरणों के आवंटन हेतु आरक्षित दर (आवंटन तिथि को प्रभावी व्यावसायिक डी.एल.सी, दर का 50%) में 25% की छूट दी जावेगी।

शेष शर्ते व ले-आउट प्लान मण्डी समिति मदनगज किशनगढ़ में किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में देखा जा सकता है एवं विभागीय पोर्टल https://agriculture.rajasthan.gov.in/mandi पर आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

प्रशासक, कृषि उपज मण्डी समिति मदनगंज किशनगढ़ — सचिव, कृषि उपज मण्डी समिति मदनगंज किशनगढ़

शिक्षकों की लेटलतीफी से परेशान ग्रामीणों ने स्कूल पर ताला जड़ा

स्कूल में शिक्षकों पर शराब पीने का भी आरोप लगाया

चाकसू, (निसं)। स्कूल में शिक्षकों की रोज-रोज लेटलतीफी की आदत से परेशान होकर आखिर सोमवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट ही गया तथा उन्होंने स्कूल के मुख्य द्वार के ताला जड़ दिया।

मामला उपखंड क्षेत्र के अंतर्गत कोटखावदा तहसील की ग्राम पंचायत बडोदिया के ग्राम खेडा जगन्नाथपुरा स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय का है जहां समय पर शिक्षकों के विद्यालय में नहीं आने एवं पास के कुएं में खाली शराब की बोतलें मिलने से गुस्साए ग्रामीणों ने स्कूल के मेन गेट पर ताला जड़ दिया तथा धरना प्रदर्शन करने लगे। इसके साथ ही स्कूल में बच्चों के साथ अध्यापकों को भी अंदर नहीं जाने दिया। इस पर शिक्षकों ने ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि वह अब समय से स्कूल में आएंगे तब जाकर ग्रामीणों ने ताला खोला। ग्रमीणों का आरोप है कि विद्यालय के शिक्षक समय पर नहींआते है इस पर उन्होंने विद्यालय स्टाफ को खरी खोटी बातें सुनाई। अध्यापकों पर शराब पीने का आरोप लगाते हुए बताया कि स्कूल के पास में कुएं में शराब की खाली बोतल पड़ी हुई हैं, शिक्षा का स्तर भी कमजोर है। आठवीं कक्षा के बच्चे को किताब पढ़ना नहीं आता। ग्रामीणों ने बताया कि शिक्षा विभाग भी बडी लापरवाही बरत रहा है। समय-समय पर ब्लॉक के सरकारी विद्यालयों का निरीक्षण भी नहीं करते हैं और दफ्तर में बैठकर कागजी खानापूर्ति करते हैं।

चाकसू उपखंड के खेड़ा जगन्नाथपुर में ग्रामीणों ने स्कूल के मेन गेट पर ताला जड़ प्रदर्शन किया।

- ग्रामीणों ने बताया कि शिक्षा का स्तर भी कमजोर है, आठवीं कक्षा के बच्चे को किताब पढ़ना नहीं आता

मामले में चाकसू अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार तंवर ने बताया कि खेडा जगन्नाथपुरा स्कूल कोटखावदा ब्लॉक के अंतर्गत आता है फिर भी सूचना पर ग्राम पंचायत बडोदिया पीओ शंकर लाल शर्मा को अध्यापकों को स्कूल में समय पर आने के लिए पाबंद करते हुए मामले में संपूर्ण जांच के निर्देश देते हुए ग्रामीणों को समझाइश करके स्कूल खुलवा दिया है।

मालपुरा क्षेत्र में 2500 गोवंश लम्पी संक्रमण का शिकार

230 संक्रमित गायों की हुई मौत, उपखण्ड प्रशासन ने झोंकी ताकत

मालपुरा, (निसं)। गौवंश में तीव्र गति से फैल रहे लम्पी संक्रमण का प्रकोप मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र मे तीव्र गति से फैल रहा है। संक्रमण की रोकथाम को लेकर जहां उपखण्ड प्रशासन व पशु चिकित्सा अधिकारी प्रभारी क्षेत्र में जी तोड़ मेहनत कर रहे है। इन सबके बावजूद क्षेत्र के बागडी, देवल, नगर सहित लाम्बाहरिसिंह बैल्ट में लम्पी संक्रमण के बढ़ते प्रकोप व वायरस की चपेट में आने से सर्वाधिक गौवंश की मौत का आंकड़ा सामने आया है।

पशु चिकित्सा विभाग की टीमों द्वारा क्षेत्र की 38 ग्राम पंचायतों में किये गये सर्वे के आंकडों में कुल 2500 गौवंश लंपी संक्रमण की चपेट में आना पाया गया। जिनमे सर्वाधिक प्रभाव लाम्बाहरिसिंह, पचवेर बैल्ट में देखा गया। लम्पी संक्रमण से सर्वाधिक मौत आंकड़ों में 16, आंटोली में 16, मोरला व पचेवर में 12-12, गणवर व मलिकपुर में 11-11, कांटोली में 16 सहित कुल सभी ग्राम पंचायतों में 29 अगस्त तक 230 संक्रमित गौवंश की मौत होने के बाद पंचायत प्रशासन ने मृत गायों को जमीन में दफनाया गया। नोडल प्रभारी डॉ. अनिल परतानी ने बताया कि संक्रमण की रोकथाम को लेकर सभी ग्राम पंचायतों में कार्यरत पशुधन सहायकों को मुस्तैद रहकर संक्रमित पशुओं को चिन्हित कर क्वारटांईन करने व उपचार करने के निर्देश दिये है।

- बागडी, देवल, नगर बैल्ट में तीव्र गति से बढ़ते संक्रमण से सर्वाधिक मौतें
- कई पशुपालकों को मजबूरन बाजार से दवा खरीदने पर विवश होने की जानकारी भी सामने आई है

अब तक कुल संक्रमित पाई गई गायों के किये गये उपचार से 1980 गायों का समुचित उपचार किया जा रहा है तो 305 संक्रमित पशु संक्रमण से मुक्त किये जाने मे सफलता मिली है। वहीं सूत्रों से मिली जानकारी मे सामने आया कि मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र मे टोंक जिले में सर्वाधिक लम्पी संक्रमण का प्रभाव होने के बावजूद विभाग द्वारा आवश्यकता के अनुरूप उपचार कीट व दवाइयां नहीं मिलने से पशुधन सहायकों व चिकित्सकों के सामने धीरे-धीरे विकट समस्या आने लगी है।

कई पशुपालकों को मजबूरन बाजार से दवा खरीदने पर विवश होने की जानकारी भी सामने आई है। एक ओर जहां गौवंश में संक्रमण तीव्र गति से बढ़ने के बावजूद राजस्थान पशु चिकित्सा संघ के बैनर तले कार्मिकों की ओर से उनकी लम्बित मांगे पूर्ण नहीं होने पर सामूहिक अवकाश पर जाने की चेतावनी दी जा रही है वहीं क्षेत्र के पशुपालकों में उन कार्मिकों के प्रति भारी आक्रोश देखा गया।

टेक्निकल असिस्टेंट परीक्षा नकल मामले में सात गिरफ्तार

बीकानेर के तीन आरोपियों से चल रही पूछताछ

बीकानेर, (निसं)। विद्युत निगम की टेक्निकल असिस्टेंट की ऑनलाइन परीक्षा में नकल करवाने के मामले में बीकानेर के तीन लोगों से एटीएस की पूछताछ जारी है। प्रदेश में विभिन्न स्थानों से अब तक सात लोगों को गिरफ्तार कर तीन लाख रुपए और दो लैपटॉप बरामद किए गए हैं।

ऑन लाइन परीक्षा में नकल के मामले को लेकर एटीएस-एसओजी की छानबीन दूसरे दिन भी जारी रही। बीकानेर में नापासर रोड पर एक प्राइवेट कॉलेज सेंटर पर परीक्षा हुई थी। इस मामले में तीन लोगों से गहन पूछताछ की जा रही है। अलवर से तीन लाख रुपए और लैपटॉप बरामद हुआ है। इस संबंध में कैंडिडेट और एग्जाम कॉआर्डिनेटर से भी पूछताछ की गई है। एटीएस के आईजी विकास कुमार ने बताया कि बिजली विभाग की टेक्निकल असिस्टेंट की परीक्षा में ऑन लाइन नकल कराने के लिए कुछ हैकर्स ने प्रदेश में कई स्थानों पर डील की थी। कंप्यूटर हैक करके नकल कराई जानी थी। नकल कराने के लिए प्रति कैंडिडेट छह लाख रुपए में डील हुई थी। मामले में अशोक राठौड़, एसओजी एडीजी का कहना है कि जयपुर, बीकानेर, अजमेर, अलवर, कोटा समेत कई शहरों में नकल गिरोह सक्रिय था। एक टीम बनाकर कई लोगों को हिरासत में लिया गया, आगे की पड़ताल कर रहे है।

- एटीएस-एसओजी की छानबीन दूसरे दिन भी जारी रही

मोबाइल और नकदी लूटी

उदयपुर, (कासं.)। जिले के बाघपुरा थाना क्षैत्र में बाइक सवार दो बदमाश बाइक सवार को रोक उनके कब्जे से मोबाईल व नकदी लूट ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सवेरे जगनाथपुरा रोड़ पर रविवार सवेरे बाइक सवार दो बदमाश बाइक सवार वाघपुरा थाना क्षेत्र दमाणा गांव निवासी ईयवरलाल पुत्र शांतिलाल खोखरिया तथा अनिल पुत्र अम्बालाल खोखरिया को रोक धमका कर तीन मोबाईल तथा 7 हजार रूपये नकदी लूट ले गए।

ईश्वर व अनिल दोनों डीजी के बकाया किराया देने के लिए रूपये लेकर गांव से उदयपुर की तरफ आ रहे थे। जहां बीच रास्ते मिले बदमाश वारदात कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच एएसआई औकारसिंह कर रहे है।

बाड़मेर में द वीआईपी एक्सप्रेस रेल कोच रेस्टोरेंट का डीआरएम ने किया उद्घाटन

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के बाड़मेर रेलवे स्टेशन को रेल कोच रेस्टोरेंट की सौगात मिल गई है। जोन के पहले रेल कोच रेस्टोरेंट का उद्घाटन सोमवार को जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक गीतिका पांडेय ने बाड़मेर रेलवे स्टेशन पर किया। रेलवे का गैर यात्री भाड़ा आय बढ़ाने के उद्देश्य से यह एक नवाचार है और इसका अन्य स्टेशनों पर योजनाबद्ध तरीके से विस्तार किया जाएगा।

बाड़मेर रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में नव स्थापित द वीआईपी एक्सप्रेस रेल कोच रेस्टोरेंट का उद्घाटन करने के बाद डीआरएम पांडेय ने कहा कि खड़े रेल डिब्बे में पूरे परिवार के साथ बैठकर चलती ट्रेन में खाने के अनुभव का लुत्फ देने वाला रेल कोच रेस्टोरेंट भारतीय रेल का एक नवाचार है जिससे रेलवे की गैर यात्री भाड़ा आय में वृद्धि तो होगी ही अपितु इससे रेल यात्रियों के साथ-साथ आम शहरवासियों को भी सुखद अनुभूति होगी क्योंकि इस रेल कोच में प्रवेश के लिए उनके लिए टिकट की अनिवार्यता भी नही है।

उन्होंने बताया कि रेलवे की इस नीति के तहत देश के कई बड़े स्टेशनों पर रेल कोच रेस्टोरेंट थीम पर कार्यारम्भ किया गया जिसके अच्छे नतीजे मिलने पर इसका अन्य जगहों पर भी विस्तार किया जा रहा है। रेल कोच रेस्टोरेंट का फीता काटकर उद्घाटन करने के बाद डीआरएम ने कोच रेस्टोरेंट का अवलोकन किया और सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने रेस्टोरेंट के भीतर की गई सजावट और हेरिटेज लुक की प्रशंसा की। चंद्रा देवी लूणिया व सीमा ने डीआरएम का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। इससे पूर्व डीआरएम और उनके साथ बाड़मेर पहुंचे सीनियर डीसीएम जितेंद्र मीणा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक अजीत मीणा, वरिष्ठ मंडल अभियंता(वेस्ट) योगेश कुमार, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ) अनुराग मीणा, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर विजय सिंह चौधरी, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर रवि मीणा, मंडल संरक्षा अधिकारी शिखर बी मारू,वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (कैरिज) संजय शर्मा व वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (सिग्नल एंड टेलीकॉम) सुनील कुमार गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व आमजन उपस्थित थे।

- गैर यात्री भाड़ा आय में वृद्धि का रेलवे का नवाचार
- रेल यात्रियों के साथ शहरवासी भी ले सकेंगे लुत्फ

लॉरेंस गैग के दो सदस्य गिरफ्तार, एक फरार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले की ग्रामीण पुलिस ने सोमवार को चार पिस्टल और दस मैगजीन के साथ दो हथियार तसकरों को पकड़ा है। आरंभिक पड़ताल में मालूम हुआ कि हथियार पंजाब से लाए गए है। फिलहाल पुलिस इसकी तस्दीक में जुटी है। एक आरोपी मूंगफली फसल की आड़ में भाग गया। पकड़े गए आरोपी लारेंस गैंग के सदस्य है। जिनके खिलाफ काफी प्रकरण दर्ज है।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अनिल कयाल ने बताया कि पुलिस थाना लोहावट में हथियार तस्करों से अवैध रूप से परिवहन किये जा रहे 4 पिस्टल व 10 मैगजीन सहित 2 मुलजिमानों पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि सोमवार को शहीद बीरबल खीचड़ की ढाणी सरहद मूलराज लोहावट में दबिश दी गई। थानाधिकारी मय जाब्ता को बावर्दी देखकर उनके कब्जे में रखा कट्टे को वही पटक कर 3 युवक भागने लगें जिस पर पुलिस टीम द्वारा तत्परता दिखाते हुए इन मुलजिमानों का खेतों में पीछा किया गया। जिस पर दो व्यक्तियो को पकड़ कर मौके पर छोडकर भागे कट्टे सहित दस्तयाब किया। तीसरे व्यक्ति का पुलिस टीम द्वारा पीछा किया लेकिन भागने वाला व्यक्ति मूगफली के खेतो मे होकर आखों से ओझल होकर फरार हो गया।

अब आरोपी कैलाश विश्नोई निवासी शहीद बीरबल खीचड की ढाणी सरहद मूलराज पुलिस थाना लोहावट व आरजू विश्नोई निवासी राजावली पुलिस थाना भाववाला अबहोर जिला फाजिल्का पंजाब को गिरफ्तार किया जाकर उनके कब्जे से 4 पिस्टल व 10 मैगजीन सहित बरामद कर व फरार होने वाले मुल्जिम सुरेश विश्नोई खीचड की तलाश की जा रही है।

- चार पिस्टल और दस मैगजीन बरामद

यूपी पुलिस के कांस्टेबल की मौत

धौलपुर, (निसं)। बाबू महाराज के मेले में जात करने के लिए धौलपुर आए उत्तर प्रदेश के एक कांस्टेबल को जहरीले कीड़े ने काट लिया। जिससे वह अचेत हो गया। जिसे लेकर परिजन जिला अस्पताल धौलपुर लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना में विष्णु (31) पुत्र टीकम निवासी बीरई जिला आगरा की मृत्यु हुई है, जो कि उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल था। मृतक के परिजनों ने बताया कि कॉन्स्टेबल के शरीर पर सफेद दाग थे। जिस कारण परिजन धौलपुर जिले के बाड़ी क्षेत्र के कूदिन्ना गांव स्थित बाबू महाराज के धाम पर कांस्टेबल को लेकर आए थे। जहां सोमवार सुबह उसे छाती के पास किसी जहरीले कीडे ने काट लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं परिजन उसके शव को बिना पोस्टमार्टम कराए ही अस्पताल से घर ले गए। मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक विष्णु की ड्यूटी लखनऊ में चल रही थी। जहां से 2 दिन पहले ही वह बाबू महाराज की जात करने के लिए धौलपुर आया था।

हैदराबाद के श्रद्धालुओं ने भेंट किया एक किलो चांदी का छत्र

भादवा के महिने में बाबा रामदेव के दर्शनों के लिए हैदराबाद से लगातार आ रहे श्रद्धालु

नागौर, (निसं)। भादवा के महीने में बाबा रामदेव के दर्शनों के निमित्त रामदेवरा जाने वाले यात्री, प्रवासी हैदराबाद के निवासी लगातार नागौर आ रहे हैं। रामदेवरा स्थित बाबा रामदेव के दर्शनों के पश्चात हैदराबाद से आने वाले माली समाज के श्रद्धालु बंधुओं द्वारा संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज की समाधि, अमरपुरा में भी दर्शनों के निमित्त आने का क्रम लगातार जारी है।

नागौर के मूल निवासी व वर्तमान में सिकन्दराबाद व हैदराबाद में व्यवसायिक क्षेत्र में लगे हुए बंधुओं द्वारा अमरपुरा में देव मंदिर के दर्शन कर आशीर्वाद लिया गया। देव मंदिर में दर्शन के पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा संत शिरोमणि लिखमीदासजी महाराज के समाधि पर भी धोक लगाई गई। श्रद्धालुओं द्वारा अमरपुरा स्थित समाधि स्थल पर एक किलो से अधिक चांदी का छत्र भी समर्पित किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र देवडा, अजय भाटी, रामकुमार, पुरुषोत्तम मारोठिया, मुरली मनोहर सोलंकी व मनीराम सोलंकी सहित अनेक बंधु उपस्थित थे।

- नागौर जिले के मूल निवासी हैं चांदी का छत्र चढ़ाने वाले

नागौर से संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज स्मारक विकास संस्थान के कोषाध्यक्ष कमल भाटी, पापालाल सोलंकी व रामदयाल भाटी ने सभी श्रद्धालु बंधुओं को परिसर का अवलोकन करवाया तथा उन्हें यह भी जानकारी दी गई कि संस्थान द्वारा वर्तमान में स्थान परिसर के समीप ही 16 बीघा भूमि का क्रय आगामी विभिन्न योजनाएं व आवासीय व्यवस्था के प्रयोजन के निमित्त किया गया है। कोषाध्यक्ष ने अमरपुरा संस्थान की विभिन्न गतिविधियों व धार्मिक, आध्यात्मिक क्षेत्र में भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों के निमित्त श्रद्धालु बंधुओं से सक्रिय सहयोग करने का निवेदन किया।

श्रद्धालुओं ने अमरपुरा स्थित समाधि स्थल पर एक किलो से अधिक चांदी का छत्र समर्पित किया।

कन्या महाविद्यालय को करोड़ों की भूमि दान करने वाले भामाशाह का यह कैसा सम्मान?

प्रशासन बोला कि लिखकर दो कि भूमि दान करने के लिए मेरा सम्मान करो

चूरू, (कासं)। चूरू जिले के सुजानगढ़ में कन्या महाविद्यालय हेतु करोड़ों रुपए की 8 बीघा भूमि दान करने वाले भामाशाह पवन तोदी को सम्मानित करने के बजाय प्रशासन ने उनके हृदय को यह कहकर गहरी ठेस पहुंचाई है कि जिला स्तर पर सम्मानित होना है तो अर्जी लिखकर दो कि भूमि दान करने के लिए मेरा सम्मान करो।

उल्लेखनीय है कि सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल ने मास्टर भंवर लाल मेघवाल कन्या महाविद्यालय सुजानगढ़ के लिए करोड़ों रुपए की भूमि दान करने पर भामाशाह पवन तोदी को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जिला स्तर पर सम्मानित करने की चूरू कलेक्टर से अभिशंषा की थी। इस पर सुजानगढ़ उपखंड अधिकारी ने भामाशाह पवन तोदी से कहा कि सम्मानित होना है तो खुद लिखकर दो कि भूमि दान करने के लिए मेरा सम्मान किया जावे। इस पर भामाशाह पवन तोदी ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें ऐसा सम्मान नहीं चाहिए। तोदी ने कहा कि कन्या महाविद्यालय में पढ़ने वाली बेटियां ही उनका सम्मान हैं। पवन तोदी ने चूरू जिले में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अब तक सबसे ज्यादा 8 बीघा भूमि दान की है। इसके अलावा कलेंडर मैन के नाम से चर्चित अनूठी प्रतिभा के धनी पवन तोदी ने कोरोनाकाल में चूरू कलेक्टर के बुलावे पर चूरू जाकर 51 हजार रुपए खुद और 5 लाख रुपए ट्रस्ट से तुरंत जारी किए। इतना ही नहीं कोरोना काल में भामाशाह पवन तोदी ने जरूरतमंद लोगों को घर घर राहत सामग्री पहुंचाई। कोरोना महायोद्धा के रूप में कार्य करते हुए खुद भी पॉजिटिव हो गए। कोरोना को हराकर पुन: जरूरमंदों की सेवा में जुट गए। इस दौरान तोदी द्वारा प्रशासन का भी भरपूर सहयोग किया गया।

भामाशाह पवन तोदी।

- सुजानगढ़ विधायक ने की थी भामाशाह पवन तोदी को जिला स्तर पर सम्मानित करने अभिशंषा
- भामाशाह पवन तोदी बोले कि नहीं चाहिए ऐसा सम्मान

भामाशाह पवन तोदी शिविर लगाकर समाज सेवा के विभिन्न कार्य करने में हमेशा आगे रहते हैं। पुलिस विभाग को कंप्यूटर, फर्नीचर आदि सामग्री भेंट करने के अलावा थाने में प्याऊ खोलना और इंदिरा रसोई में विशेष सहयोग किया है। पवन तोदी आज भी सिनेमाघर को जीवित रखे हुए हैं। सरकार चाहे कांग्रेस की हो या भाजपा कीए तोदी के सेवा कार्य लगातार जारी रहते आए हैं। तोदी महात्मा गांधी की भूमिका निभाते हैं। इनका तो सरकार द्वारा राज्य स्तर अभिनंदन किया जाना चाहिए था। जबकि किया नहीं उप खंड स्तर पर भी। इस बात की चारों ओर निंदा होने पर कलेक्टर ने मेल करके उप खंड कार्यालय में भामाशाह पवन तोदी को अभिनंदन पत्र भेज दिया। तोदी ने वह अभिनंदन पत्र कलेक्टर को वापस भेज दिया है। कुल मिलाकर चूरू जिले की इस घटना ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले भामाशाहों को सम्मानित किए जाने की सरकार की बातों को खोखला साबित कर दिया है।

चर्चा है कि करोड़ों रुपए की जमीन मास्टर भंवर लाल मेघवाल कन्या महाविद्यालय सुजानगढ़ के लिए दान करने वाले भामाशाह पवन तोदी को सम्मानित नहीं किया जाना एक साजिश है। इससे प्रशासन की सतर्कता की पोल खुलकर सामने आई है।

तोदी ने कहा कि वे कलेक्टर को प्रशस्ति पत्र वापस भेज रहे हैं। अब देखना यह है कि शिक्षक दिवस पर शिक्षा के लिए योगदान प्रदान करने वाले भामाशाहों को राज्यपाल एवं शिक्षा मंत्री के द्वारा पुरस्कार दिया जाता है। इस सम्मान के लिए तोदी चयनित होते हैं या नहीं। विधायक मनोज मेघवाल एवं प्रशासन को तोदी के योगदान की जानकारी है तो फिर उन्हें हर बार अनदेखा क्यों किया जाता है।

हादसे में पिता-पुत्र सहित तीन की मौत

बयाना, (निसं)। बयाना पुलिस वृत्त के गढ़ी बाजना थाना इलाके में सोमवार दोपहर बाद एक अनियंत्रित बाइक दीवार से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्र सहित तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों मृतक उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के रहने वाले थे। डीएसपी अजय कुमार शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मथुरा के रहने वाले मान सिंह पुत्र लंबे ठाकुर उसका पुत्र चंद्रपाल और गांव का ही हरवंश तीनों सोमवार को गांव से एक बाइक पर सवार होकर धौलपुर जिले के बाड़ी इलाके में लोक देवता बाबू महाराज के मेले में जा देने गए थे जहां से दोपहर बाद तीनों वापस गांव लौट रहे थे।

इसी दौरान रास्ते में मुझसे का पुरा गांव के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे कूद गई और सामने दीवार से जा टकराई हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है मृतकों के मोबाइलों से उनके परिजनों को सूचना दी गई है उनके परिजन बयाना पहुंच गए हैं। परिजनों की मौजूदगी में गढ़ी बाजना थाना पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू की गई है। गढ़ी बाजना थाना अधिकारी महेंद्र शर्मा ने बताया कि तीनों शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिए गए हैं। हादसे में क्षतिग्रस्त थी मृतकों की बाइक को जप्त कर लिया गया है।

निर्माणाधीन मकान से विद्युत एवं सेनेट्री का सामान चोरी

उदयपुर, (कासं.)। शहर के सुखेर थाना क्षैत्र में स्थित निर्माणाधीन मकान से चोर विद्युत व सेनेट्री सामान चुरा ले गए। अन्यत्र सेमारी थानाक्षैत्र में दुकान से चोर नकदी व दस्तावेज चुरा ले गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुला हॉलनवरीत्न काम्प्लेक्स संस्कार टू अपार्टमेंट के सामने रहने वाले करण कुमावत पुत्र रामचन्द्र ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि मेरा मकान का नवरत्न क्षैत्र में निर्माण कार्य चल रहा हैं। जहां पर विद्युत तार, सेनेट्री सामान सहित अन्य सामान रखा है। जिसे गत दिनों चोर चुरा ले गए। इसका पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्ररकण दर्ज करवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

- पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की

इसी तरह सेमारी थाना क्षैत्र टोकर गांव निवासी महावीर प्रसाद पुत्र रोडीलाल प्रजापत की किराणा दुकान से 17 अगस्त को अज्ञात चोर दस्तावेज एवं गल्ले से 2 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। घटना वाली रात में पड़ोसी की छत से चढ़ कर मकान में घुस कर बदमाश वारदात कर फरार हो गए। इसका पता चलने पर पडताल की लेकिन सुराग नहीं लगा। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

बीसलपुर बांध से दो गेज 50-50 सेमी. खोले

टोंक, (निसं)। बीसलपुर बांध का जलस्तर 315.50 आरएल मीटर बना रहने के साथ ही सोमवार को दो गेट 50-50 सेमी देर रात को खोलकर निकासी की जा रही है। बीसलपुर बांध परियोजना के अधिकारियों के अनुसार सोमवार को बीसलपुर बांध गेट नं. 9 व 10 को अब 50-50 सेमी खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। दोपहर 3 बजे 3.80 मीटर चल रहा था।

क्यों अपने ही नेता ने भाजपा को नाले में जमीन दे दी?

भाजपा करौली जिला मुख्यालय का मामला : पहले भाजपा नेताओं ने फंसाया भाजपा का पैसा, अब नई जगह तराश रही है भाजपा

- कोष भी अटका और कार्यालय भी नहीं बना
- भाजपा नेताओं में चर्चा का विषय है कि तत्कालीन नगर परिषद सभापति राजाराम गुर्जर की पत्नी को भाजपा संगठन ने इनाम के रूप में जयपुर का महापौर बनाया है

जयपुर। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के महत्वपूर्ण फैसले का भाजपा के करौली के नेता ही मजाक बनाए हुए हैं। वहीं अभी तक शाह के आदेशों की पालना करने में पीछे रह रहे हैं। भाजपा ने 33 जिलों में कार्यालयों का निर्माण करवाना था, लेकिन अभी तक 13 जिलो में ही जिला कार्यालय बनकर तैयार हुए हैं। इसके साथ ही 9 जिलो में जिला कार्यालयों का कार्य चल रहा है। वहीं 7 जिलो में तो अभी तक भाजपा नेताओं ने जमीन ही नहीं ली। वहीं 4 जिलो में अभी तक जिला कार्यालयों की जमीन में सरकारी विवाद फंसा हुआ है। शाह की इस महत्वाकांक्षी योजना पर प्रदेश की राजधानी में भी अभी तक भाजपा जिला कार्यालय के लिए भाजपा नेताओं ने जमीन ही नहीं देखी है। अभी भाजपा कार्यालय जो जिलाध्यक्ष बनता है उन्हीं के घरों में भाजपा कार्यालय चल रहे हैं। वहीं हाल ही में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के बन रहे नवीन जिला कार्यालयों के उद्घाटन के दौरान कहा था कि किसी भी संगठन को चलाने के लिए पांच क की आवश्यकता होती है। पहले क का अर्थ कार्यकर्ता, दूसरे का कार्यक्रम, तीसरे का कार्यकारिणी, चौथे का कोष और पांचवे का अर्थ कार्यालय है।

गौरतलब है कि भाजपा के पांचवे क, कार्यालय को लेकर एक तरफ कांग्रेस कुंठित और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर हमलावर है, तो दूसरी तरफ भाजपा के नेताओं की नवीन कार्यालय निर्माण में खामियों वाली कारगुजारीयां भाजपा के लिये सिरदर्द बनी हुई है। भाजपा के नेता यूं तो पार्टी को अपनी माँ बताने की कहानियां गढ़ते रहते हैं, लेकिन मौका मिलते ही मां से चीटिंग करने से नहीं चूकते हैं। मतलब राजनीति में ईमानदार वही है, जिसे अभी तक चोरी करते पकड़ा नहीं गया है। जिसने मोदी के ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा वाले जुमले का दम निकाल कर एक पुराने प्रचलित जुमले का अनुसरण कर लिया, जिसका नारा है, ऐसा कोई सगा नहीं, जिसको हमने ठगा नहीं। दूसरी तरफ भाजपा के नेताओं ने एक जिले में ऐसा कारनामा कर दिखाया कि कार्यकर्ता कार्यालय देखेंगे, यह तो दूर की बात है, पहले तो कार्यालय बनाने के लिए खरीदी गई जमीन ही बार-बार देखने जैसी खरीद ली है। इसलिए नेताओं का दल लगातार 3 बार दौरा कर करौली जिले में कार्यालय के लिए आवंटित जमीन को देखने गया। जमीन देखते ही भाजपा नेता अचरज में पड़ गए। प्रदेश के नेताओं को समझ ही नहीं आया कि नाले में जमीन है या जमीन में नाला? हालांकि, अब आवंटित जमीन रद्द करने की बात कह दी गई है।

अब सवाल यह खड़ा होता है कि पहले जमीन किसके कहने पर आवंटित की गई? तत्कालीन नगर परिषद सभापति राजाराम गुर्जर, तब के भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश राजोरिया, करौली जिला पार्टी कार्यालय निर्माण समिति या प्रदेश नेतृत्व के या वह नेता जो भवन निर्माण समिति की मानिटरिंग कर रहे हैं? वहीं अब इस कार्यालय के लिए भाजपा की भवन निर्माण समिति दूसरी जगह जमीन तराशने में लगे हुए हैं। वहीं भाजपा नेताओं में चर्चा का विषय है कि भाजपा का पैसा फंसाने ओर जिला कार्यालय की जमीन को नाले में दिलाने के लिए भाजपा संगठन ने उन्हें इनाम के रूप में उनकी पत्नी को जयपुर के महापौर बनाया है। 11 मई को राजस्थान के हनुमानगढ़ से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नवीन जिला कार्यालयों का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस दौरान नड्डा ने संबोधन में बताया कि राजस्थान में 13 कार्यालय बनकर तैयार हो गए हैं, 9 पर कार्य चल रहा है और 7 कार्यालयों के निर्माण के लिए जमीन खरीदी जा रही है। करौली भाजपा 5 साल पहले जमीन खरीदने के बावजूद कार्यालय नहीं बना पाई। उल्टे डेढ़ करोड़ की राशि भी करौली नगर परिषद में फंसी हुई है। यह मामला सुलझने के बजाय लगातार उलझता चला जा रहा है। क्योंकि जब जमीन साल 2017 में आवंटित हुई थी, तब नगर परिषद में भाजपा का बोर्ड था। भाजपा नेता राजाराम गुर्जर नगर परिषद के सभापति थे, अब मौजूदा बोर्ड कांग्रेस का है। ऐसे में ना केवल भाजपा के कार्यालय बनाने का कांग्रेस पार्टी विरोध कर रही है, बल्कि पैसा रिफंड होने में भी राजनीतिक हितों के कारण अड़चन आ रही है।

जानकारी के मुताबिक करौली में भाजपा जिला कार्यालय बनाने की शुरुआत साल 2017 में शुरू हुई, जब करौली के तत्कालीन नगर परिषद के सभापति राजाराम गुर्जर ने आनन-फानन में 2200 वर्ग गज जमीन करौली नगर परिषद से डेढ़ करोड़ कीमत लेकर आवंटित कर दी। हालांकि सरकारी जमीन डीएलसी रेट पर दी जाती है, लेकिन जो आवंटित जमीन है वो जमीन की असल कीमत से कई गुना महंगी कीमत पर आवंटित किया गया है। कुल मिलाकर करौली जिले में भाजपा कार्यालय के लिए जमीन आवंटन का मामला संदेह के घेरे में है। अब जमीन आवंटन के 5 साल बाद भी कुछ सवालिया निशान हैं, जो तत्कालीन भाजपा जिला पदाधिकारियों से लेकर प्रदेश के उन नेताओं पर भी सवालिया निशान खड़ा करते हैं, जो पार्टी कार्यालय निर्माण समिति से जुड़े हैं। पार्टी कार्यालय निर्माण समिति करौली के जिला संयोजक हेमेंद्र वशिष्ठ ने 9 जून 2021 को पार्टी कार्यालय के लिए आवंटित जमीन प्रदेश के नेताओं को पसंद नहीं आई। इसका प्रमुख कारण रास्ता नहीं होना बताया। लेकिन मौके पर जमीन के बीच से ही नाला निकाला हुआ है। इसमें सवाल यह खड़ा होता है कि 5 साल पहले किसके कहने पर जमीन आवंटित की गई?

1 जुलाई को मौजूदा भाजपा जिलाध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया ने कहा था कि नगर परिषद ने भूमि आवंटन के बाद ना तो उस स्थान की सफाई कराई और ना ही सड़क का निर्माण कराया, 15 फीट नाले में जमीन का आवंटन किया। अगले एक माह में परिषद ने सड़क निर्माण और सफाई नहीं कराई, तो हम राशि वापस लेने की कार्रवाई करेंगे। फिलहाल प्रदेश संगठन के नेताओं ने भूमि को नापसंद किया है। प्रदेश के नेताओं ने भूमि को नापसंद किया। बड़ा सवाल यह खड़ा होता है, जब 2017 में जमीन आवंटित की गई, तब नगर परिषद के सभापति भी भाजपा नेता राजाराम गुर्जर ही थे, तो अब दोष किसको दें? वही समिति दूसरी जगह पर जमीन तलाश रही है। तब उन्होंने इतनी महंगी जमीन आनन-फानन में आवंटित की तो उसी तेजी के साथ रोड क्यों नहीं बनवाई गई? अगर वहां रोड बनना संभव नहीं तो फिर नाले पर जमीन क्यों आवंटित की? यह वह तमाम सवाल हैं, जो भाजपा नेताओं की घोर लापरवाही की तरफ साफ इशारा करते हैं।

इसी कड़ी में 9 जून 2021 को करौली धौलपुर के सांसद मनोज राजोरिया ने बताया कि पार्टी कार्यालय के लिए आवंटित भूमि की लोकेशन सही नहीं है, प्रदेश के नेताओं को भी जमीन पसंद नहीं है।

जयपुर में गणेश चतुर्थी के मेले के लिये मोती डूंगरी मंदिर के बाहर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

सिंजारा महोत्सव पर श्रीगणेशजी भक्तों को बांटी जाएगी मेहंदी

- मंगलवार को गणपति को अर्पित होगी मेहंदी

जयपुर, (का.सं.)। भाद्रपद शुक्ल तृतीया मंगलवार को सिंजारा महोत्सव मनाया जाएगा। गणेश मंदिरों में प्रथम पूज्य को मेहंदी लगाकर श्रद्धालुओं को वितरित की जाएगी। घरों में भी सिंजारा महोत्सव पर बच्चों के हाथों पर मेहंदी लगाई जाएगी। गढ़ गणेश मंदिर में महंत प्रदीप औदीच्य के सानिध्य में बाल स्वरूप पुरुषाकृति गणपति को वेद मंत्रों के साथ मेहंदी धारण कराई जाएगी।

मोतीडूंगरी श्रीगणेश मंदिर में शाम 7 बजे गणेशजी महाराज का विशेष श्रृंगार कर सिंजारे की मेहंदी धारण कराई जाएगी। महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि सभी भक्तजनों में 3100 किलो मेहंदी का प्रसाद वितरण किया जाएगा। महिलाओं और कुंवारी कन्याओं के लिए डोरा एवं मेहंदी की अलग से व्यवस्था होगी। श्रद्धालु मनौती सूत्र भी बांध सकेंगे। विशेष पोशाक धारण कर गणेशजी महाराज चांदी के सिंहासन पर विराजमान होंगे। स्वर्ण मुकुट धारण करेंगे। यह मुकुट केवल गणेश चतुर्थी पर धारण कराया जाता है। गणेशजी महाराज का पारंपरिक नौलखा श्रृंगार किया जाएगा। नोलड़ी के नोलखा हार में मोती, सोना, पन्ना, माणक आदि के भाव स्वरूप दर्शाए जाएंगे। इस बनाने में तीन महीने लगते है। सिंजारा महोत्सव पर भक्ति संध्या और रात्रि में जागरण भी होगा।

गलता गेट स्थित गीता गायत्री गणेश मंदिर में पं. राजकुमार चतुर्वेदी के सानिध्य में गायत्री गणेश मंदिर में मंदिर सोमवार को सवा लाख जप किया गया। गणपति अथर्वशीर्ष के पाठ के साथ 1008 मोदकों का भोग लगाया गया। महिला मंडल ने गणेशजी के भजन गाए। मंगलवार को सिंजारे पर गणेशजी को मेहंदी अर्पण कर महिलाओं और बालकों को मेहंदी लगाई जाएगी। प्रसाद के रूप में वितरित की जाएगी। बड़ी चौपड़ स्थित ध्वजाधीश गणेश, सूरजपोल स्थित श्वेत सिद्धी विनायक, दिल्ली बाइपास रोड स्थित लाल डूंगरी गणेश, दिल्ली बाइपास पुरानी चुंगी स्थित आत्माचारी गणेश आश्रम, आगरा रोड स्थित गंगोत्री गणेश मंदिर, चौड़ा रास्ता स्थित काले गणेश सहित अन्य गणेश मंदिरों में भी सिंजारा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

चांदपोल के परकोटा गणेश मंदिर में सिंजारा महोत्सव के उपलक्ष्य में गणेशजी महाराज का दूध और केसर जल से स्नान कराकर नवीन चोला धारण कराया जाएगा। नवीन पोशाक धारण कराई जाएगी। इसके बाद गणेशजी महाराज को सुबह 8.15 मेहंदी अर्पण कर श्रद्धालुओं में वितरित की जाएगी। दोपहर में 12 से शाम 6 बजे तक महिला मंडल की ओर से गणेशजी महाराज का गुणगान किया जाएगा। शाम को 5100 दीपों से महाआरती की जाएगी।

ब्रह्मपुरी माऊंट रोड पर स्थित दाहिनी सूंड के नहर के गणेश मंदिर में त्रिदिवसीय गणेश जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आज सिंजारा महोत्सव मनाया जाएगा। मंदिर के युवाचार्य पं. मानव शर्मा ने बताया कि महंत पं. जय शर्मा के सानिध्य में 29 अगस्त को गणपति को नवीन चोला चढ़ाकर पारंपरिक श्रृंगार किया गया। सिंजारा महोत्सव 30 अगस्त को मनाया जाएगा। मेंहदी पूजन के बाद मोदकों की झांकी सजाई जाएगी।

जयपुर में पिछले कई दिनों बाद नए करोना संक्रमितों की संख्या सौ के नीचे आई

प्रदेश में भी सोमवार को और गिरावट के बाद 218 नए संक्रमित मिले, इनमें जयपुर में 98 रोगी पाए गए हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में सोमवार को नए करोना संक्रमितों की संख्या घटकर सौ से नीचे आ गई। वहीं राज्य में भी और गिरावट के बाद 218 नए संक्रमित मिले हैं। हालांकि इस बीच प्रदेश में करोना से एक मरीज की मौत हुई है।

प्रदेश में सोमवार को 19 जिलों में 218 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को 338 रोगी पाए गए थे। हालांकि राज्य में पिछले चौबीस घंटों में केवल 3097 सैम्पल लिए गए हैं। इधर राजधानी जयपुर में कई दिनों बाद सोमवार को नए संक्रमितों की संख्या घटकर सौ के नीचे आ गई है। इस दौरान जिले में 98 नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा प्रतापगढ़ में 17, जोधपुर में 16, अजमेर में 15, पाली व डूंगरपुर में 11-11, अलवर में 7, उदयपुर व सवाई माधोपुर में 6-6, भरतपुर, चित्तौड़गढ़ व सिरोही में 5-5, झालावाड़ व राजसमंद में 4-4, टोंक, गंगानगर व बीकानेर में 2-2 और करौली व कोटा में एक-एक नया संक्रमित मिला है।

- पिछले चौबीस घंटों में करोना से दौसा में एक मरीज की मौत हुई है

प्रदेश में सोमवार को नए संक्रमितों के मुकाबले में करीब दोगुना रिकवरी हुई हैं। इस दौरान राज्य में 429 मरीज ठीक होने के साथ ही एक्टिव केस घटकर 3019 रह गए हैं। इनमें राजधानी जयपुर में 1025 लोगों का इलाज चल रहा है। इसके अलावा भरतपुर में 251, अलवर में 242, जोधपुर में 214, दौसा में 126 और अजमेर में 124 केस मौजूद है।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से दौसा में एक संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 9625 संक्रमितों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में रविवार को 31 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 23 नए मरीज सांगानेर में पाए गए हैं। इसके अलावा मानसरोवर में 12, जगतपुरा में 8, झोटवाड़ा में 6, दुर्गापुरा व मालवीय नगर में 5-5, महेश नगर में 3, बस्सी, रामगंज, त्रिवेणी नगर व विद्याधर नगर में 2-2 तथा आदर्श नगर, आमेर, बापू नगर, बरकत नगर, भांकरोटा, चांदपोल, दूदू, गंगापोल, जवाहर नगर, जौहरी बाजार, कालवाड़ रोड, एमडी रोड, मुरलीपुरा, प्रताप नगर, पुरानी बस्ती, शास्त्री नगर, सिरसी रोड, अजमेर रोड और आमेर रोड इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 9 संक्रमितों का पता गलत मिला है। जिले में 123 रोगी ठीक हुए हैं।

मोदी के कार्यकाल में विधायकों की मंडी लगा दी गई : जीतू पटवारी

- 'अगर महंगाई इसी रफ्तार से चली तो भारत के हालात भी श्रीलंका जैसे हो सकते हैं'

जयपुर, (का.प्र.)। मध्यप्रदेश के पूर्वमंत्री जीतू पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री हमारा है, देश हमारा है लेकिन दुख की बात यह है कि सबसे झूठा प्रधानमंत्री भी हमारा ही है। वहीं महंगाई को लेकर कहा कि अगर महंगाई इसी रफ्तार से चली तो भारत के हालात भी श्रीलंका जैसे हो सकते हैं। इसके बावजूद बीजेपी के अंधे लोगों को महंगाई नही दिख रही है।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए पटवारी ने कहा कि मोदी उस समय कहते थे कि अटल बिहारी वाजपेयी ने जहां महंगाई छोड़ी वहां ले आओ, तो अब हमारा सवाल है कि मनमोहन सिंह के समय महंगाई जहां थी प्रधानमंत्री उसे वहां तक तो लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि कांग्रेस आज महंगाई को लेकर आम जनता की आवाज उठा रही है। अब इसी मिशन के साथ 4 सितंबर को दिल्ली में एक बड़ी रैली करने जा रही है।

जीतू पटवारी ने कहा कि नरेंद्र मोदी के रहते इस देश में विधायकों की मंडी क्यों लग गई? आदिकाल में गुलाम खरीदे और बेचे जाते थे, उसी तरह विधायकों की मंडी लगा दी। आदिकाल में इंसान खरीदे बेचे जाते थे, बाद में सभ्य समाज में इंसानों की खरीद बिक्री पर रोक लगानी पडी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता जनप्रतिनिधियों को चुनकर भेजती है, विधायक और सांसद इसलिए चुने जाते हैं कि वे श्रेष्ठ होते हैं।

बारह बीघा भूमि पर तीन नई अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-14 में निजी खातेदारी की करीब 12 बीघा कृषि भूमि पर अवैध रूप से बसाई गई तीन नवीन कॉलोनियों को पूर्णत: ध्वस्त किया गया।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि जोन-14 के क्षेत्राधिकार डिग्गी रोड पर अविस्थत ग्राम डाबला खुर्द में करीब 3 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर बिना भू-रूपान्तरण कराये श्याम एन्कलेव के नाम से नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयोजनार्थ बिना जेडीए की अनुमति व स्वीकृति के विगत दिवसों में मौका पाकर रातो-रात बनायी जा रही मिट्टी-ग्रेवल की सड़के बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण की सूचना प्राप्त होते ही आज अविलम्ब जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से पूर्णत: ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

जेडीए द्वारा जोन-14 में डिग्गी रोड पर ही अवस्थित ग्राम डाबला बुजर्ग, बलाईयों की ढाणी में करीब 5 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर बिना भू-रूपान्तरण कराये श्याम एन्कलेव के नाम से नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयोजनार्थ बिना जेडीए की अनुमति व स्वीकृति के विगत दिवसों में मौका पाकर रातो-रात बनायी जा रही मिट्टी-ग्रेवल की सड़के बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण की सूचना प्राप्त होते ही आज अविलम्ब जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से पूर्णत: ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

इसी प्रकार जोन-14 में ही डिग्गी रोड पर ही अविस्थत ग्राम डाबला बुजर्ग में ही तीसरी करीब 04 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर बिना भू-रूपान्तरण कराये श्याम एन्कलेव के नाम से नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयोजनार्थ बिना जेडीए की अनुमति व स्वीकृति के विगत दिवसों में मौका पाकर रातो-रात बनायी जा रही मिट्टी-ग्रेवल की सड़के बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण की सूचना प्राप्त होते ही आज अविलम्ब जोन-14 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से पूर्णत: ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-14 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाब्ता, लेबर गार्ड एवं जोन 14 में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

डॉ. पूनिया 31 को करेंगे जनसुनवाई

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया की कोविड रिपोर्ट सोमवार को नेगेटिव आई। इसके बाद अब भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां 31 अगस्त को जनसुनवाई करेंगे। जिसमें प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं व आमजन से मुलाकात करेंगे। डॉ. सतीश पूनियां 31 अगस्त को सुबह 9 बजे से 11 बजे तक जयपुर स्थित अपने जनसंवाद केंद्र पर जनसुनवाई करेंगे तथा साथ ही प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के नवनिर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों से जनसंवाद केन्द्र पर मुलाक़ात कर उनका अभिनंदन करेंगे। डॉ. पूनियां 31 अगस्त को दोपहर 3:15 बजे आमेर के घाटी दरवाज़े पर गणेश चतुर्थी पूजा अर्चना करेंगे। डॉ. पूनियां पिछले दिनों कोविड पॉजिटिव होने के कारण चिकित्सकों के परामर्श से स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे। इससे पहले दोनों कोविडकाल में डॉ. पूनियां सेवा कार्य करते हुए दोनों बार कोरोना पॉजिटिव हो गये थे।

लॉटरी निकाली

जयपुर, (का.सं.)। नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल की मंशानुरूप जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जयपुर शहर में कच्ची बस्तियों को पुनर्वास करने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसी क्रम में माननीय विधायक एवं राजस्थान राज्य अल्पसंख्यक बोर्ड के चेयरमैन रफीक खान ने बगराना कच्ची बस्ती के 1052 परिवारों के पुनर्वास हेतु बीएसयूपी आवासों की जयपुर विकास प्राधिकरण के नागरिक सेवा केंद्र में सोमवार को जेडीए अधिकारियों की उपस्थिति में रेण्डम प्रणाली से लॉटरी निकाली।

'अभी जो हालत है उसमें पायलट को सीएम बनाना चाहिए, यह सबकी भावना है'

अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी बैरवा बोले, "आज का युवा, उनकी जाति हण्ड्रेड पर्सेंट उसके साथ है"

- सोनिया गांधी ने कहा था कि पार्टी ने जिन नेताओं को बहुत कुछ दिया है, अब लौटाने का वक्त है, राजस्थान में अभी तक ऐसी स्थिति नहीं दिखी कि जिन्हें पार्टी ने सब कुछ दिया वे लौटाना चाहते हैं
- बैरवा ने चेतावनी देते हुए कहा कि जनभावना का आदर नहीं करके मनमानी की गई, तो पार्टी को नुकसान होगा

जयपुर, (का.प्र.)। लंबे समय से राज्य सरकार के खिलाफ नाराजगी जताते रहे अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा ने अब खुलकर सचिन पायलट को जन भावनाओं के अनुरूप मुख्यमंत्री बनाने की मांग करते हुए कह दिया है कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो पार्टी को बड़ा नुकसान होगा। बैरवा ने कहा कि सचिन पायलट को मानेसर जाने के बाद वादों के साथ वापस लाया गया था, अभी जो हालत है उसमें सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए, यह सबकी भावना है। मैं भी उसी भावना की बात कर रहा हूं। बैरवा ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इस जनभावना का आदर नहीं करके मनमानी की गई तो पार्टी को नुकसान होगा।

बैरवा ने राजस्थान में मुख्यमंत्री बदलने को लेकर कहा कि बदलाव तो होते रहना चाहिए। आलाकमान तय करता है, चर्चा जोरों पर है, सब लोगों को विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत मुख्यमंत्री बने थे, सचिन पायलट डिप्टी सीएम थे। बीच में पायलट मानेसर गए, पार्टी में पायलट को वादों के साथ वापस लाए। अभी जो हालत चल रही है, उसमें सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाते हैं तो क्या दिक्कत है? आज का युवा, उनकी जाति हण्ड्रेड पर्सेंट उसके साथ है। आज जितना सोशल मीडिया है, लोगों की आवाज है उन सबमें मिलाकर यही भावना आती है। मै। भी उसी भावना के बारे में बता रहा हूं। एससी आयोग का अध्यक्ष होने के नाते भावनाओं को बता रहा हूं। जनता की भावनाओं के अनुसार काम करेंगे तो फायदा होगा और अपनी मनमानी करेंगे तो नुकसान होगा। बैरवा ने कहा कि अशोक गहलोत पुराने नेता हैं, 40 साल से राजनीति कर रहे हैं, बड़े पदों पर रहे हैं। आज जो हालत हैं उसमें बदलाव की बात हो रही है तो गहलोत खुद इतने बड़े नेता हैं, उन्हें खुद सैकंड लाइन को तैयार करके आगे भेजना चाहिए। हम मीडिया के माध्यम से सुन रहे हैं, गहलोत को सम्मान के हिसाब से अध्यक्ष बनने की बात आ रही है तो उन्हें बनना चाहिए। बड़ा पद है। आज जो हालत है उसमें कोई एक व नेता सत्ता लाने में सक्षम नहीं है। मेरी राय हे कि विभिन्न जातियों के लोग जिनमें गुर्जर, मीणा, एससी, ब्राह्मण, जाट, राजपूत में से एक एक नेता को आगे लाकर फ्रंट लाइन तैयार करनी चाहिए। इनमें से एक सीएम, दो डिप्टी सीएम, चार को कमेटियों में मेंबर, एक पीसीसी चीफ इस तरह कॉम्बिनेशन बैठाकर काम करेंगे तो कांग्रेस को सत्ता में आने से कोई नहीं रोक सकता।

बैरवा ने कहा कि चिंतन शिविर हुआ उसमें सोनिया गांधी ने रुखे शब्दों में कहा था कि पार्टी ने जिन नेताओं को बहुत कुछ दिया है, अब आपको लौटाने का वक्त है। राजस्थान में अभी तक ऐसी स्थति नहीं दिखी कि जिन्हें पार्टी ने सब कुछ दिया वे लौटाना चाहते हैं। जो चीज अध्यक्ष ने मांगी थी उस पर तत्काल फैसला होना चाहिए था। गांधी परिवार का त्याग बेमिसाल है, आज उसके ही खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। इस परिवार का त्याग बलिदान ऐसा है कि उनका फैसला मंजूर करना चाहिए। इसी के साथ बैरवा ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि जब राहुल गांधी ने कह दिया कि गांधी परिवार से बाहर से अध्यक्ष बनना चाहिए तो उनकी इच्छा का सम्मान करना चाहिए। इसकी जगह फैसला बदलने के लिए दबाव बनाना उचित नहीं है।

भाजपा का मिशन 2023 और 2024 की तैयारियां शुरु

जयपुर। भाजपा की ओर से देश में 2022 के अन्त और 2023 और 2024 के चुनावों के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके लिए भाजपा ने हर कार्यकर्ता को एक नई जिम्मेदारी देकर चुनावी मोड में ला रही है। इसी को देखते हुए भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व के द्वारा देश के करीब 700 जिलों में मोदी 20 किताब पर प्रबुद्यजनों से चर्चा के लिए केन्द्रीय मंत्री या केन्द्रीय पदाधिकारियों को लगाया है। इसके साथ ही भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह का 10 सितम्बर को जोधपुर में एक दिवसिय कार्यक्रम बन रहा है।

इस दौरान शाह जोधपुर में भाजपा के बूथ सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे और बाद में ओबीसी मोर्चे की राश्टीय कार्य समिति की बैठक को संबोधित करेंगे। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आने का भी कार्यक्रम है। हालांकि अभी तक नड्डा के कार्यक्रम की अधिकारिक सूचना नहीं मिली है। प्रदेश में लगातार भाजपा के केन्द्रीय नेताओं के दौरे हो रहे हैं। भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व प्रदेश में 2023 और 2024 के चुनावों में प्रदेश से कोई कमी नही छोडना चाहता है इसके लिए लगातार केन्द्रीय नेताओं के दौरे किए जा रहे हैं। इसके साथ ही भाजपा कांग्रेस के परम्परागत वोट बैंक आदिवासी और ओबीसी में सैध लगाकर भाजपा के पक्ष में कर रही है। इसके लिए भाजपा ने आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनाया है। वही ओबीसी के नेताओं को भी बडे पदो पर बिठाया है। इसके लिए भाजपा ने ओबीसी समुदाय से आने वाले उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ को बनाया है। वही दक्षिण भारत से ओबीसी के बड़े नेता के लक्ष्मण तेलंगाना से आते हैं। उनको हाल ही मे उनको भाजपा के संसदीय बोर्ड में लगाया गया है।

पशुपालकों ने मुआवजे की मांग को लेकर जिला कलक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

लम्पी रोग से पीड़ित पशुपालकों ने मुआवजा देकर राहत देने की मांग की

श्रीगंगानगर, (निसं)। भारतीय जनता मजदूर मंच जिलाध्यक्ष हेमराज चौधरी के निर्देशानुसार तथा जिला महामंत्री प्रदीप पंडित 'कश्मीरी' के नेतृत्व में लम्पी रोग से प्रभावित पशुपालकों को न्याय दिलाने के लिए राजस्थान गौ एवं अन्य दुग्ध पशुपालक संघ तथा पशु क्रुरता निवारण संघ के पदाधिकारियों, सदस्यों तथा पशुपालकों ने आज जिला कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

तत्पश्चात् जिला कलक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री व पशुपालन मंत्री को ज्ञापन भेजकर लंपी रोग से भारी संख्या में गौवंश की मृत्यु के कारण प्रभावित अल्पसंख्यक मुस्लिम गौपालकों सहित जिले के पशुपालकों को हुए नुकसान का मुआवजा देकर राहत प्रदान करने की माँग की। इस मौके पर राजस्थान गौ एवं अन्य दुग्ध पशुपालक संघ तथा पशु क्रुरता निवारण संघ अध्यक्ष हाजी माहरम खान, महामंत्री सलीम खान भाटी, नूरा खान, जुनेद खान, शम्मी खान, निजाम खान सहित भारी संख्या में महिला-पुरूष पशुपालक उपस्थित थे।

भारतीय जनता मजदूर मंच जिला महामंत्री प्रदीप पंडित कश्मीरी ने बताया कि पशुपालकों में राज्य सरकार के उदासीन रवैये के प्रति भारी आक्रोश देखने को मिला तथा जल्द मुआवजे की माँग को लेकर कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन तथा नगर परिषद/नगर पालिकाओं एवं ग्राम पंचायतों की उदासीनता के कारण जिले में पशुपालकों को खुले में मृत पशु फैंकने के लिए मजबूर किया जा रहा है, क्योंकि मृत पशुओं को दफनाने नहीं दिया जा रहा है। मृत पशु उठाने के लिए 3-5 हजार रूपये की माँग की जाती है। प्रशासन द्वारा मृत पशुओं को दफनाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है, इस कारण खुले में मृत पशुओं के कारण बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है। इसलिए जिला प्रशासन जल्द से जल्द प्रभावी कार्यवाही करते हुए मृत पशुओं के दफनाने की समुचित व्यवस्था करे तथा खुले में पड़े मृत पशुओं को भी शीघ्रातिशीघ्र दफनाया जाए, ताकि बीमारियों से बचाव हो सके।

राजस्थान गौ एवं अन्य दुग्ध पशुपालक संघ तथा पशु क्रुरता निवारण संघ अध्यक्ष हाजी माहरम खान एवं महामंत्री सलीम खान भाटी ने कहा कि गौवंश में फैले लंपी रोग के कारण श्रीगंगानगर जिले में गौवंश की भारी संख्या में मृत्यु हुई है। श्रीगंगानगर जिले में अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज के एक वर्ग का मुख्य पेशा गौपालन है तथा दूध एवं उससे बने उत्पादों की बिक्री करके ही परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

लंपी रोग के कारण अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज के गौपालकों सहित समस्त पशुपालकों को भारी आर्थिक एवं मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा भारी संख्या में गौवंश की मृत्यु के कारण परिवार का पालन-पोषण करना मुश्किल हो गया है। पशुपालकों के पास अब इतना पैसा नहीं है कि दुबारा गौवंश खरीदकर डेयरी व्यवसाय कर सके, क्योंकि इनकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त दयनीय है।

कलेक्ट्रेट पर मांगों को लेकर प्रदर्शन करते पशुपालक।

■ प्रशासन की उदासीनता के कारण पशुपालकों को मृत पशुओं को खुले में फेंकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है

पूर्ण हो चुके विकास कार्यों के लिए मांगी निविदाएं नगरपरिषद ने निरस्त की

निविदा खुलनी थी 16 अगस्त को निरस्त की 17 अगस्त को

सुजानगढ़, (निसं)। नगरपरिषद द्वारा जो विकास कार्य पूर्ण हो चूके हैं, उनके निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद निविदा आमंत्रित करने, जी शेड्यूल जारी करने के आरोप लगाते हुए भाजयुमो के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र गुर्जर ने बताया कि इस सम्बंध में जिला कलेक्टर, स्वायत शासन विभाग एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में शिकायत की जायेगी।

गुर्जर ने बताया कि नगरपरिषद द्वारा तीन अगस्त को निविदा क्रमांक 5219 जारी की थी, जिसमें 26 विकास कार्य किए जाने प्रस्तावित थे तथा निविदाएं 16 अगस्त को खुलनी थी। नरेन्द्र ने बताया कि एक ओर नगरपरिषद विकास कार्यों की निविदाएं आमंत्रित करती है। वहीं दूसरी ओर निविदा में प्रस्तावित करीब 15-16 कार्य मौके पर पूर्ण हो चूके हैं। जब विकास कार्य पूर्ण हो चूके हैं, तो फिर उनकी निविदा कैसे जारी हो सकती है। गुर्जर ने करीब आठ विकास कार्यों के मौके पर पूर्ण होने के गुगल मैप के माध्यम से समय व दिनांक सहित ली गई फोटो मीडिया को उपलब्ध करवाई। नरेन्द्र ने नगरपरिषद पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए बताया कि निविदा में क्रमांक 11 पर अंकित वार्ड नं. 59 में महेन्द्र नाई के नोहरे के पास सी.सी. रोड निर्माण कार्य, जिसकी अनुमानित लागत 1.56 लाख रूपये प्रस्तावित है। जबकि पूरे वार्ड में इस नाम का ना तो कोई आदमी है, और ना ही इस नाम के किसी व्यक्ति का वार्ड में नोहरा है।

■ भाजयुमो के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र गुर्जर ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

गुर्जर ने बताया कि निविदा में क्रमांक 17 पर वार्ड नं. 41 में दुलिया स्कूल से बशीर खां की गली तक सडक निर्माण, लागत 3.07 लाख रूपये प्रस्तावित है, वहीं इसी निविदा में क्रमांक 21 पर यही कार्य अनुमानित लागत 2.92 लाख रूपये के साथ अंकित है। एक ही विकास कार्य के लिए एक ही निविदा में दो अलग-अलग अनुमानित लागत को दर्शाना तथा एक ही कार्य के लिए अलग-अलग निविदाएं आमंत्रित करना खुलेआम भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रहा है।

नरेन्द्र ने बताया कि भंवरलाल पाण्डर के घर से मोहनलाल के घर तक नाली निर्माण, कैलाश चीनिया के घर से मोहन प्रजापत की दुकान तक नाली निर्माण, लाडनूं पुलिया पर नाला रिपेयर एवं जाली लगाने का कार्य, किशन गुलेरिया के घर से कुन्दन सारण के घर तक जाट भवन के पीछे सी.सी. रोड, कुंजडा भवन से साबिर की दुकान तक, लालचंद रैगर के घर से शिवदयाल फलवाडिया के घर तक सी.सी. सडक, भंवरलाल राईन के घर से मदन साउण्ड, रमजान मैनेजर के घर तक सी.सी. सडक सहित अनेक विकास कार्य हैं, जो कि पूर्व में पूर्ण हो चूके हैं और नगरपरिषद द्वारा उनकी अब निविदाएं आमंत्रित की गई है। गुर्जर ने बताया कि उसे जानकारी मिली है कि नगरपरिषद ने निविदा को निरस्त कर दिया है। निविदा निरस्त करने का एक प्रोसेस है, जिसे नगरपरिषद द्वारा फॉलो नहीं किया गया है। गुर्जर ने बताया कि नगरपरिषद द्वारा अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए पूर्व में हो चूके विकास कार्यों के लिए जारी की गई निविदा को निरस्त किया गया है।

गुर्जर के आरोपों के सम्बंध में आयुक्त कमलेश कुमार मीणा से बात करने पर उन्होने बताया कि निविदाएं आमंत्रित की गई थी, लेकिन संवेदकों द्वारा शर्तों के अनुसार दस्तावेज संलग्न नहीं करने के कारण निविदा निरस्त कर दी गई। विकास कार्यों के पूर्ण होने को लेकर किए गए सवाल के जवाब में आयुक्त ने बताया कि इस सम्बंध में उन्हे कोई जानकारी नहीं है। इस सम्बंध में सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार संबंधित संवेदकों को निविदा आवेदन में तकनीकी एवं दस्तावेजी कमी के सम्बंध में कोई नोटिस नहीं दिया गया।

खूनी संघर्ष में दो पक्षों के छह लोग घायल

हिंडौन, (कासं)। हिंडौन के पास गांव खेड़ा जमालपुर में दो पक्षों में टिन शेड डालते समय अस्थाई लकड़ी के खोखे की दुकान को हटाने के विवाद को लेकर झगड़ा हो गया। जिसमें दोनों पक्षों के 6 लोग घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल हिंडौन में भर्ती कराया है।

जिला अस्पताल हिंडौन के सर्जन डॉक्टर जेपी मीणा ने बताया कि गांव खेड़ा जमालपुर में दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। जिनमें दोनों पक्षों के 6 लोग घायल हो गए। जिसमें पहले पक्ष के विष्णु, उसकी मां हरपंखी दोनों घायल हुए हैं। वहीं दूसरे पक्ष के राजेश, बने सिंह, पिंकेश, मान सिंह घायल हुए हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। प्रथम पक्ष के घायल विष्णु ने बताया कि वह अपने घर की दुकान के ऊपर टीन शेड डाल रहे थे और दुकान के सामने दूसरे पक्ष के लोगों से उनकी

■ टीन शेड डालने और दुकान हटाने को लेकर हुआ विवाद

अस्थाई लकड़ी दुकान (खोका) को हटाने के लिए बोला गया। इतने में उन लोगों ने मुझ पर हमला बोल दिया।

बीच-बचाव में आई मेरी मां को भी मारपीट कर घायल कर दिया। वहीं दूसरे पक्ष के घायल राजेश ने बताया कि बिनासूचना दिए दुकान के खोका को हटाया जा रहा था। जिस पर मना करने पर प्रथम पक्ष के लोगों ने मुझ पर हमला कर दिया। बीच बचाव में आए मेरे परिवार जन बने सिंह, पिंकेश, मानसिंह को भी मारपीट कर घायल कर दिया। सदर थाना अधिकारी बाल कृष्ण ने बताया कि दोनों पक्षों की तरफ से किसी भी पक्ष द्वारा कोई भी परिवाद थाने में दर्ज नहीं करवाया है। मामला दर्ज होते ही कार्रवाई शुरू की जाएगी।

पुष्कर सरोवर में फिसलने से दो श्रद्धालु गंभीर घायल

पुष्कर, (निसं)। सोमवार सुबह वराह घाट पर फिसलने से उतर प्रदेश जिला हापुड़ की वृद्ध महिला शशिप्रभा(60) स्नान करने जैसे ही घाट पर पहुँची और पैर फिसलने से गिर गई। गिरने से सिर में गंभीर चोट लगने से खून बहने लगा। उसी समय यात्रियों की सुरक्षा के लिए घाटों पर तैनात सिविल डिफेंस टीम की सुमित्रा चौहान एवं एसडीआरएफ की सुनीता ने महिला को संभालते हुए सिर में कपड़ा बांधकर घाट से ऊपर लेकर आये और सिविल डिफेंस के किशन गोपाल जाट व एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही 108 बाइक एंबुलेंस मोके पर पहुँची।लेकिन सिर में बड़ा घाव होने व खून बहने के कारण महिला को किशन गोपाल जाट व सुनील उपाध्याय ने बिना देर करे तुरंत अपने स्कूटर पर बैठाकर हॉस्पिटल लेकर पहुँचे जंहा उपचार के दौरान चार टांके आये।साथ में महिला के पुत्र आनन्द के कहने पर की महिला ने अभी स्नान व दर्शन नही किया है हम लोग जैसे ही घाट पर आए और यह घटना हो गई।

इसी तरह गऊ घाट पर एक चार वर्षीय हिमांशू निवासी अजमेर के भी फिसलने से सिर में चोट आई है।सिविल डिफेंस के राकेश,पूनम व एसडीआरएफ के अशोक ने पट्टी बांधकर टीम के अमर सांखला व श्यामसुंदर मारोठिया की सहायता से हॉस्पिटल लेकर गए जंहा सिर में दो टांके लगे है।दोनों यात्रियों को वापिस प्राथमिक उपचार के बाद सरोवर पर छोड़ दिया गया।

विधायक पूनिया ने आईजीएनपी के प्रथम चरण के सिंचाई पानी पर व्यक्त की चिंता

'कांग्रेस-भाजपा ने आईजीएनपी के प्रथम चरण को उजाड़ने की योजना बना डाली है'

अनूपगढ़, (निसं)। अखिल भारतीय किसान सभा द्वारा अनूपगढ़ के गांव बांडा में एक सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में विधायक बलवान पूनिया ने किसानों को संबोधित करते हुए कि आप कांग्रेस और भाजपा को बारी-बारी से जिताने का कार्य कर रहे है। उधर, दोनों पार्टियों ने मिलकर आईजीएनपी के प्रथम चरण को उजाड़ने की योजना बना डाली है। उन्होंने आईजीएनपी के प्रथम चरण के सिंचाई पानी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2004 में इसी लाल झंडे ने घड़साना, रावला की आंदोलनकारी धरती पर संघर्ष कर इस क्षेत्र की खेती को बचाया था। यही लाल झंडा हमेशा इन नहरों के पानी की हिफाज़त करता रहेगा।

बलवान पूनिया ने अनूपगढ़ की जनता से अपील करते हुए कहा कि यदि आप थोड़ा प्रयास करेंगे तो हम एक और एक ग्यारह हो जाएंगे। पूनिया ने कहा कि देश का सबसे बड़ा उद्योग खेती है, वहीं खेती बड़े संकट से गुजर रही है। विधायक बलवान पूनिया ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी-शाह की जोड़ी अंबानी अडानी की कठपुतली बने हुए है। उन्हें किसान मजदूर की चिंता नहीं है बल्कि कॉपीरेट घरानों के लिए पूरा देश भी बेच सकते है।

पूनिया ने कहा कि हम विश्वास दिलाते है कामरेड आम आदमी के लिए सड़क मांगेंगे, बिजली पानी मांगेंगे, स्कूल और रोजगार मांगेंगे, लेकिन बिकेंगे नहीं, झुकेंगे नहीं। केंद्रीय किसान कौंसिल के सदस्य कॉमरेड श्योपत मेघवाल ने कहा कि नहरों में पानी, फसलों के भाव और फसल खराबे का क्लेम से लेकर, मनरेगा का रोजगार और पीने के पानी तक के लिए बॉर्डर के इलाके में समस्या बनी रहती है। उन्होंने कहा कि केवल सरकारें बदलती है हालात नहीं। इन हालातों के बदलाव के लिए लाल झंडा ही सही विकल्प है। मेघवाल ने कहा कि हमारी पार्टी के योगेंद्रनाथ हांडा व शोपत सिंह मक्कासर जैसे नेताओं ने अपने घरों को फूंककर इस क्षेत्र को बसाया है। इसी को याद रखकर इस क्षेत्र में खुशहाली को कायम करेंगे।

पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ ने किया कार्य बहिष्कार

11 सूत्री मांगों को लेकर पशुचिकित्सालय संस्थानो में की तालाबंदी

करौली, (निसं)। राजस्थान पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ के प्रदेश आव्हान पर अपनी 11 सूत्री मांगों के वादाखिलाफी के विरोध में सरकार व शासन प्रशासन के खिलाफ संपूर्ण राजस्थान में सोमवार से पशु चिकत्सा कर्मचारी संघ सामूहिक अवकाश व पशु चिकित्सा संस्थाओ में तालाबंदी व पूर्ण रूप से कार्य बहिष्कार किया जा रहा है।

राजस्थान पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ के प्रदेश मुख्य सलाहकार राजेश शर्मा,जिला संघर्ष संयोजक नीरज काचौरा ने एक संयुक्त विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पशु चिकित्सा कर्मचारी पिछले कई वर्षों से अपनी न्यायोचित मांगों के लिए संघर्षरत है उन्होंने बताया कि मार्च -अप्रैल 2022 माह में 1 माह तक निदेशालय पशुपालन विभाग पर आमरण अनशन व सभी जिलों के लगातार क्रमिक अनशन, क्रमिक अनशन चला गत 11 अप्रेल को मांगों के संबंध में राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव,मुख्यमंत्री के निजी सचिव, आईएस आरती डोगरा, पशुपालन सचिव डॉ. आरुषि मलिक, शासन उपसचिव कश्मीर कौर व संघ के प्रतिनिधि मंडल के बीच वार्ता हुई जिसमें समझौता होकर सैद्धांतिक सहमति बनी 3 माह के अंदर सभी जायज मांगों के प्रशासनिक आदेश निकाल दिए जाएंगे परंतु 3 माह निर्किलने के बाद भी एक भी आदेश की क्रियान्वित नहीं हुई 1 माह तक लगातार शासन प्रशासन से संपर्क में रहे परंतु कोई भी आदेश नहीं निकलने पर 22 अगस्त से सामूहिक अवकाश पर पूर्ण कार्य बहिष्कार का निर्णय का नोटिस सरकार को दिया उसके बाद 20 अगस्त को पशुपालन मंत्री, शासन सचिव पशुपालन के बीच मंडल से वार्ता हुई उन्होंने लिखित में 7 दिवस का समय मांगा संघ के प्रतिनिधि मंडल ने अपनी सहमति दी परंतु 7 दिवस निकल जाने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई ना आदेश निकले इसी वादाखिलाफी के विरुद्ध कर्मचारी सोमवार से संपूर्ण जिले में सामूहिक हड़ताल पर चले गऐ व संस्थाओं में ताले लग गऐ हैं जिला मुख्यालय पर एक बैठक आयोजित की गई जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाएं अवकाश पर रहेंगे करौली जिले के नोडल करौली, मासलपुर, मण्डरायल, सपोटरा, हिंडौन, सूरौठ, महावीरजी, टोडाभीम, बालघाट, नादौती में शत प्रतिशत पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ सोमवार से सामूहिक अवकाश पर रहेंगे व जिन संस्थाओं में पशु चिकित्सक नही हैं उनमें ताले लग गये व पशुपालक बहुत परेशान हो रहे है।

एमएसपी के लिए बड़ा आंदोलन करेंगे : टिकैत

बीकानेर, (कासं)। नरेन्द्र मोदी सरकार के सामने किसानों के लिए लड़ने वाले राकेश टिकैत ने कहा है कि न्यूनतम खरीद मूल्य (एमएसपी) के लिए देशभर में बड़ा आंदोलन होगा। उन्होंने विपक्ष की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए केन्द्र सरकार पर हमला बोला। टिकैत यहां पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी के यहां उनकी माताजी के निधन पर शोक व्यक्त करने आये थे। बाद में पत्रकारों से बातचीत में टिकैत ने कहा कि किसान को फसल खरीद के लिए न्यूनतम खरीद मूल्य तय करना ही होगा। केन्द्र सरकार को एमएसपी के लिए नए सिरे से नियम बनाने होंगे ताकि किसान को उचित मूल्य मिल सके।

वर्तमान एमएसपी से किसान का शोषण हो रहा है। बाजरा, मूंगफली, सरसों की खरीद एमएसपी पर होनी चाहिए। व्यापारी पहले फसल खरीदकर उसे होल्ड करता है, फिर बड़ी कीमत पर बेचता है। सरकार ने हाईवे निकालते हुए दो सौ मीटर में कोई दुकान नहीं खोलने की शर्त के खिलाफ लड़ना होगा। छोटे दुकानदार भी खतरे में है, उन्हें भी अपनी लड़ाई लड़नी होगी। उन्होंने कहा कि आने वाला समय छोटे दुकानदारों के एकजुट होने का है। सबसे ज्यादा खतरा इन्हीं दुकानदारों पर आने वाला है।

पिस्तौल और 11 कारतूस के साथ हिस्ट्रीशीटर को पकड़ा

श्रीगंगानगर, (निसं)। बाइक पर पिस्तौल और 11 कारतूस लेकर आ रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से कुछ रुपए भी मिले हैं। एक चला कारतूस और उसका खोल भी मिला है। पुलिस को शक है कि, लूट की वारदात करने का प्लान था। मामला श्रीगंगानगर के सादुलशहर थाने का है। पुलिस ने सादुलशहर इलाके में ढ ाणी खीचड़वाली के पास नाका लगाया हुआ था। इसी दौरान बाइक पर दो युवक वहां पहुंचे। बाइक गांव दलियांवाली का राजासिंह पुत्र बवलदेव सिंह चला रहा था। जबकि उसके पीछे गांव ग्यारह जैड का सतपाल पुत्र गणपत बैठा हुआ था।

पुलिस की नाकाबंदी देखकर बाइक सवार घबरा गया। उसने बाइक को घुमाया। तेजी से बाइक घुमाने के दौरान यह फिसल गया और

■ पुलिस को देखकर भागा तो बाइक फिसली, दोस्त भी गिरफ्तार

दोनों आरोपी जमीन पर गिर गए। इन्हें पुलिस ने घेरा डालकर पकड़ लिया। इनकी तलाशी ली गई तो इनके पास 11 कारतूस और एक चला हुआ कारतूस और इसका खोल बरामद हुआ। इनके पास 8350 रुपए और एक बिना नंबर की बाइक भी बरामद की गई है। राजासिंह लालगढ़ थाने का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस इनके अन्य वारदातों में शामिल होने के बारे में जानकारी जुटा रही है। इनके के पास रुपए मिलने और बिना नंबर का बाइक बरामद होने से इनके हाल ही में किसी लूट की वारदात को अंजाम देने की आशंका है।

घड़साना पूर्व बार संघ अध्यक्ष ने किया सुसाइड

अनूपगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर के अनूपगढ़ विधानसभा की तहसील घड़साना में सोमवार को घड़साना बार संघ के पूर्व अध्यक्ष विजय सिंह झोरड़ ने अपने घर पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर सामाजिक संगठन, समाजसेवी और बार संघ घटनास्थल पर पहुंचा।

बार संघ के पूर्व अध्यक्ष विजय सिंह झोरड़ की पत्नी सोमवार सुबह ड्यूटी करने के लिए स्कूल चली गई थी। घर पर विजय सिंह झोरड़ अकेले ही थे। पत्नी के जाने के बाद विजय सिंह झोरड़ अपने घर की तीसरी मंजिल पर गए और पानी की टंकी के पास बनी लोहे की सीढ़ी में रस्सी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। कुछ समय बाद नजदीक के ही स्कूल के अध्यापकों के द्वारा विजय सिंह झोरड़ को रस्सी के फंदे पर लटकता देखा, तो उन्होंने इसकी सूचना अपने प्रिंसिपल को दी। प्रिंसिपल ने विजय सिंह झोरड़ के पड़ोसियों को मामले की सूचना दी।

सूचना मिलने पर पड़ोसी और काफी लोग मौके पर पहुंचे और फंदे पर झूल रहे विजय सिंह झोरड़ को नीचे उतारा। मामले की सूचना के बाद घड़साना थाना पुलिस के एसआई पृथ्वी सिंह, पुलिस उपाधीक्षक जयदेव सियाग मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी।

■ लोहे की सीढ़ी पर फंदा बनाकर झूले विजय सिंह झोरड़

■ नशे के खिलाफ किया था आंदोलन

पुलिस उपाधीक्षक जयदेव सियाग ने बताया कि परिजनों के द्वारा शव को मोर्चरी में रखवाने के लिए मना कर दिया गया है और घर की तलाशी लेने के लिए भी मना कर दिया गया है। मृतक की पत्नी ने कहा कि उनकी बेटी जयपुर में पढ़ती है। उसके आने के बाद ही घर की तलाशी ली जाएगी। घर की तलाशी लेने के बाद ही सुसाइड नोट मिल सकता है। फिलहाल पुलिस मौके पर मौजूद है और मामले की जांच में जुटी हुई है।

बता दें कि कुछ समय पूर्व घड़साना में बढ़ रहे नशे को लेकर विजय सिंह झोरड़ ने आंदोलन किया था। आंदोलन के दौरान पुलिस ने विजय सिंह झोरड़ को काफी पीटा था। जिसका लोगों ने विरोध भी किया था। उसके बाद से ही विजय सिंह झोरड़ मानसिक तनाव में चल रहे थे।

चोरी की वारदात का खुलासा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की बडलियास थाना पुलिस ने सोपुरा गांव से ट्रक चोरी की वारदात का खुलासा करते हुये एक आरोपित को गिरफ्तार कर चोरी गया ट्रक बरामद कर लिया है।

बडलियास थाना प्रभारी शिवचरण ने बताया की, 28 अगस्त को सोपुरा के शंकर लाल गुर्जर ने रिपोर्ट दी कि, वह अपने परिवार सहित गोवटा माताजी स्थान पर घुमने गया था। वापस घर आने पर घर के बाहर खडा ट्रक गायब मिला। परिवादी ने आस-पडौस से मालुम किया तो किसी ने बताया कि सोपुरा का महावीर पुत्र लादु गुर्जर ट्रक बीगोद की तरफ लेकर गया है । परिवादी ने काफी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। पुलिस ने ट्रक चोरी का मामला दर्ज करवाया।

डीएसपी कोटडी प्रमोद शर्मा के सुपरविजन में टीम गठित की। टीम ने हाईवे पर स्थित होटल ढाबों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज लिये। जांच कर आरोपी के संबंध में सूचना एकत्रित कर उसे डिटेन कर ट्रक बरामद की। जुर्म प्रमाणित पाये जाने पर आरोपित महावीर पुत्र लादूलाल गुर्जर निवासी सोपुरा को गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में थाना प्रभारी शिवचरण, दीवान दिलीप कुमार, युसूफ मोहम्मद, कांस्टेबल भंवर लाल, रामसुख, अजय कुमार व अनिल कुमार शामिल थे।

'ग्रामीण ओलम्पिक प्रतियोगिताओं से गांव में छिपी प्रतिभाएं आगे आएंगी'

राजीव गाँधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का शुभारम्भ

बीदासर, (निसं)। निकटवर्ती गांव दूंकर के खेल स्टेडियम में सोमवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर चार दिवसीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का शुभारम्भ समारोहपूर्वक हुआ। समारोह की अध्यक्षता ग्राम पंचायत दूंकर की सरपंच ज्ञानू देवी भामू ने की तथा समारोह के मुख्य अतिथि विधायक मनोज मेघवाल व विशिष्ठ अतिथि उपखण्ड अधिकारी श्योराम वर्मा, तहसीलदार द्वारका प्रसाद शर्मा, सीबीईओ संदीप कुमार व्यास, विकास अधिकारी हंसराज मीणा, एसीबीईओ सुखदेवाराम प्रजापत, रूपाराम भामू थे।

इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि विधायक मनोज मेघवाल ने ध्वजारोहण कर खिलाड़ियों को शपथ दिलाकर खेलकूद प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर मेघवाल ने कहा कि ग्रामीण ओलम्पिक प्रतियोगिताओं से गाँव मे छूपी प्रतिभाएँ आगे आऐगी तथा खेल भावना से आपसी सौहार्द व भाईचारा को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ फिट राजस्थान हिट राजस्थान का सपना साकार होगा। मेघवाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा खेलो का बजट 20 करोड़ से बढाकर 40 करोड़ करने व आयोजन पर मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। पंचायत कार्यक्रम के पीईईओ व प्रधानाचार्य रामनारायण पूनियाँ ने बताया कि इस प्रतियोगिता मे 268 खिलाड़ी व कुल 22 टीमें भाग ले रही है। खेलकुद प्रतियोगिता मे कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, हॉकी, वॉलीबॉल, शूंटिग बॉल मे महिला व पुरूष वर्ग के भाग लेंगे।

ग्रामीण ओलंपिक खेलों की शुरूआत में कबड्डी के दमखम दिखाते खिलाड़ी।

■ खेलकूद प्रतियोगिता समापन एक सितम्बर को होगा

खेलकुद प्रतियोगिता समापन 01 सितम्बर 22 को होगा। ब्लॉक बीदासर के खेल नॉडल ऑफिसर सरदार सिंह रेवाड़ ने बताया कि ब्लॉक की 27 ग्राम पंचायतों मे एक साथ खेलों का उद्घाटन हुआ। समारोह मे एसीबीईओ चरण सिंह घोटड़, आरपी गुलाबचंद मेघवाल, रचना पारीक, सुरेश जानू, पूर्व संरपच रामनिवास भामू, पूनाराम मेघवाल, मांगीलाल भामू, चौनाराम भामू, दूलनाथ सिद्ध सहित अनेक ग्रामीण व विद्यार्थी व खिलाड़ी उपस्थित थे।

मैं हर भारतीय से अपील करता हूं कि वह खेले, आप हमेशा सक्रिय रहे और स्वस्थ रहे। आइये भारत को एक महान खेल राष्ट्र बनाये।
- नीरज चोपड़ा

भारतीय एथलीट, खेल दिवस पर देशवासियों से अपील करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नसीम साह

पाकिस्तान के युवा तेज गेंदबाज के जज्बे को पूरी दुनिया सलाम कर रही है। क्रैम्प के दर्द से परेशान नसीम ने अपने कोटे का आखिरी ओवर कितने दर्द में फेंका, ये तो पूरी दुनिया ने देखा, लेकिन इसके बाद जब वह मैदान से लौटे, तो किस तरह रोते हुए लौटे, यह बहुत कम लोग देख पाए। नसीम ड्रेसिंग रूम तक रोते हुए गए थे और इस बीच उन्हें जब पानी दिया गया, तो वह पानी तक लेने से मना करते नजर आए। डीबीटीवी स्पोर्ट्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से यह वीडियो क्लिप शेयर की गई है।नसीम मैदान से जब लौट रहे थे, तब हाथ से मुंह ढके हुए दिखे।

क्या आप जानते हैं ?... एक टैस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

नेमार के गोल से पीएसजी ने मोनाको के खिलाफ खेला ड्रॉ

पेरिस, 29 अगस्त। नेमार जूनियर ने पहले पेनल्टी हासिल की और फिर उसे गोल में बदला जिससे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने फ्रांसीसी फुटबॉल लीग के एक मैच में अधिकतर समय पिछड़ने के बावजूद मोनाको से 1-1 से ड्रॉ खेला। नेमार ने रविवार को खेले गए इस मैच में लियोनेल मेसी के पास पर मोनाको के डिफेंडर गुलेर्मो मरिपन की गलती से पेनल्टी हासिल की। रेफरी ने पहले पेनल्टी नहीं दी थी लेकिन वीडियो रिव्यूके बाद उन्होंने पीएसजी को पेनल्टी दे दी जिसे गोल में बदलने में नेमार ने कोई गलती नहीं की।नेमार का यह फ्रांसीसी लीग में छठा गोल और कुल मिलाकर पिछले पांच मैचों में आठवां गोल है। पीएसजी के अब 10 अंक हो गए हैं और वह अपने चिर प्रतिद्वंद्वी मार्सेली और लेंस से गोल अंतर में आगे हैं। मोनाको का भाग्य ने साथ नहीं दिया तथा 20वें मिनट में गोल करने के बावजूद उसे अंक बांटने पड़े।

फ्रेंड्स यूनाइटेड और रेंजर्स का उलटफेर

नयी दिल्ली, 29 अगस्त। फ्रेंड्स यूनाइटेड ने कप्तान अजय सिंह की शानदार तिकड़ी की मदद से सोमवार को प्रीमियर लीग में बड़ा उलटफेर करते हुए सुदेवा दिल्ली एफसी को 4-2 से परास्त किया। फ्रेंड्स यूनाइटेड के मैन ऑफ द मैच अजय ने सुदेवा के युवा रक्षकों को सहजता से छकाते हुए बेहतरीन गोल किए। एक गोल नितिन शर्मा के नाम रहा। सुदेवा के गोल रोशन और बासित ने बांटे। दिन के दूसरे मुकाबले में, रेंजर्स स्पोर्ट्स क्लब ने एक और उलटफेर में गढ़वाल एफसी को 2-0 से मात दी। रेंजर्स की ओर से अमित कुमार और माइकल लकी ने गोल जमाए। गढ़वाल ने मध्यांतर के बाद कई आसान मौके गंवाए। गोलकीपर तुषार चोपड़ा ने आधा दर्जन अवसरों पर सुंदर बचाव कर मैन ऑफ द मैच का खिताब पाया।

हॉकी इंडिया के नये संविधान मसौदे से संतुष्ट एफआईएच ने कहा, विश्व कप ड्रॉ पर खतरा नहीं

नयी दिल्ली, 29 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने सोमवार को हॉकी इंडिया चुनावों पर अपनी स्थिति साफ करते हुए कहा कि मौजूदा समय में देश में इस खेल का संचालन करने वाली प्रशासकों की समिति द्वारा भेजा गया संशोधित मसौदा संविधान पूरी तरह से उसके नियमों के मुताबिक है। एफआईएच ने यह भी कहा कि अगले साल 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले पुरुष हॉकी विश्व कप का ड्रॉ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आठ सितंबर को होगा।

खेल दिवस पर निकाली गई प्रभात फेरी, प्रदर्शन हॉकी मैच में हॉकी अकादमी जीती

जयपुर, 29 अगस्त। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् द्वारा दषकों से हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद का जन्मदिवस मनाया जाता है। सवाई मानसिंह स्टेडियम सहित प्रदेष भर में क्रीड़ा परिषद् द्वारा उनका जन्मदिन मनाया गया। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में सवाई मानसिंह स्टेडियम में मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर प्रभात फेरी निकाली गई। इसमें खिलाड़ियों, प्रषिक्षकों सहित खेल अधिकारियों ने भाग लिया। यह प्रभात फेरी अमर जवान ज्योति से होती हुई विधानसभा, नगर निगम मुख्यालय, लाल कोठी, अर्जुन गेट के सामने, अम्बेडकर सर्किल और यूथ हॉस्टल की ओर से होते हुए वापस मुख्य स्टेडियम में समाप्त हुई। खेल दिवस के उपलक्ष्य में प्रात: काल में हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान पर प्रदर्शन हॉकी मैचों का आयोजन किया गया। हॉकी अकादमी और एस.एम.एस. क्लब के बीच खेले गये मैच में हॉकी अकादमी ने एस.एम.एस.क्लब को 1-0 गोल से हराया। जयपुर सहित राज्य के समस्त 33 जिलों जिलों में भी खिलाड़ियों की प्रभात फेरियां निकाली गईं और हॉकी मैचों का आयोजन भी किया गया।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् अब सोशल मीडिया पर भी

जयपुर, 29 अगस्त। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् को अब ट्वीटर, इंस्टग्राम, फेसबुक पेज और यू-टयूब चैनल पर भी सर्च कर सकते है। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् के मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया ने बताया कि खेल परिषद् आर.एस.एस.सी 1957 सर्च करके लेटेस्ट जानकारी प्राप्त कर सकते है। यू-टूबय पर राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउन्सिल से सर्च कर सकते है। सोषल मीडिया के इन लिंक्स के माध्यम से आप राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् की लेटेस्ट न्यूज प्राप्त कर सकते हो।

राजस्थान को हराकर मुंबई डूरंड कप के क्वार्टरफाइनल में

कोलकाता, 29 अगस्त। इंडियन सुपर लीग की पूर्व चैम्पियन टीम मुंबई सिटी एफसी ने डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में सोमवार को यहां राजस्थान यूनाइटेड को 5-1 से करारी शिकस्त देकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की। मुंबई सिटी एफसी पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है। कोच डेस बकिंगघम की टीम ने ग्रेग स्टीवर्ट (10वें मिनट), लियानज़ुआला छांगटे (18वें मिनट) और मेहताब सिंह के गोल से शुरुआती 36 मिनट में 3-0 की बढ़त हासिल कर ली। मैच के दूसरे हाफ में अहमद जाहौह (63वें) और स्थानापन्न विक्रम प्रताप सिंह (90 2) ने गोल दागे। आई-लीग की टीम राजस्थान यूनाइटेड के लिए ज्ञानमर निकुम ने मैच के 67वें मिनट में टीम का इकलौता गोल किया।

विनेश, सरिता, सोनम ने विश्व चैम्पियनशिप में जगह बनायी

लखनऊ, 29 अगस्त। तीन बार की राष्ट्रमंडल खेल गोल्ड मेडलिस्ट विनेश फोगाट ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के महिला ट्रायल में सोमवार को विश्व अंडर-20 चैंपियन अंतिम पंघाल को मात दी। विनेश ने युवा पहलवान अंतिम को 53 किग्रा भार वर्ग मुकाबले में 7-0 से हराकर विश्व चैंपियनशिप के लिये क्वालीफाई किया।

राष्ट्रमंडल खेलों के महिला दल से विनेश एकलौती पहलवान थीं जिन्होंने विश्व चैंपियनशिप में जगह बनायी, जबकि दिव्या काकरान, अंशू मलिक, साक्षी मलिक, पूजा सिहाग और पूजा गहलोत ने विभिन्न कारणों से ट्रायल में हिस्सा नहीं लिया। विश्व की नंबर एक पहलवान सरिता मोर ने पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने के प्रयास में 59 किग्रा से 57 किग्रा में प्रवेश किया और ट्रायल मैच में ललिता को 4-0 से मात दी।

मानसी अहलावत ने विश्व की कांस्य पदक विजेता पूजा ढांडा को 2-0 से हराकर 59 किग्रा वर्ग में जगह बनाई। अंडर-20 विश्व में रजत पदक जीतने वाली ओलंपियन सोनम मलिक ने 62 किग्रा वर्ग में मनीषा को 2-1 से हराया। एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता सुषमा शौकीन ने पिंकी को हराकर 55 किग्रा में जगह हासिल की। दोनों पहलवानों ने 3-3 से बराबरी हासिल की थी, लेकिन सुषमा को बाउट का आखिरी अंक जीतने का मौका मिला।

विश्व चैंपियनशिप में भारत की स्क्वाड : अंकुश (50किग्रा),विनेश फोगट (53किग्रा),सुषमा शौकीन (55 किग्रा), सरिता मोर (57 किग्रा), मानसी अहलावत (59 किग्रा), सोनम मलिक (62 किग्रा), शेफाली (65 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा), रीतिका (72 किग्रा) और प्रियंका (76 किग्रा)। विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 10-18 सितंबर के दौरान सर्बिया के बेलग्रेड में आयोजित होगी।

सुदीरमन कप से शुरू होगी पेरिस ओलंपिक 2024 क्वालीफिकेशन

कुआलालम्पुर, 29 अगस्त। विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ) ने साल 2023 और 2024 के लिये बैडमिंटन कैलेंडर की सोमवार को घोषणा की, जिसके अनुसार पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफिकेशन सुदीरमन कप 2023 से शुरू होकर कॉन्टिनेन्टल चैंपियनशिप 2024 तक जारी रहेगी।

बीडब्ल्यूएफ ने बताया कि सत्र की शुरुआत नये सुपर 1000 मलेशिया ओपन और 750 इंडिया ओपन से होगी, जो अगले दो सालों के लिये नियुक्त सीजन ओपनर हैं। खेल के विश्व शासी निकाय ने कहा कि 31-आयोजनों के नये वर्ल्ड टूर कैलेंडर में पहले से अधिक सुपर 1000, सुपर 750 और सुपर 500 टूर्नामेंट खेले जाएंगे। 2023 के सभी कार्यक्रम चीन में सुदीरमन कप फ़ाइनल और डेनमार्क में विश्व चैंपियनशिप के इर्द-गिर्द घूमेंगे, जबकि खिलाड़ी पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफिकेशन को प्राथमिकता देंगे। पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन एक मई 2023 को शुरू होगा। सुदीरमन कप फाइनल 2023 उस अवधि के भीतर पहला योग्य रैंकिंग टूर्नामेंट है।

क्वालीफिकेशन प्रक्रिया 28 अप्रैल, 2024 तक चलेगी और 30 अप्रैल 2024 को पेरिस रैंकिंग सूची के आधार पर खिलाड़ी ओलंपिक में जगह बनायेंगे। बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि सत्र के अंत में होने वाले वर्ल्ड टूर फ़ाइनल के लिए मेज़बान स्थल की घोषणा बाद में की जाएगी। बीडब्ल्यूएफ टूर सुपर 100 के मेजबानों की घोषणा भी अलग से की जाएगी। बीडब्ल्यूएफ के महासचिव थॉमस लुंड ने कहा, अधिक सुपर 1000, सुपर 750, और सुपर 500 वर्ल्ड टूर टूर्नामेंट से हम उच्च पुरस्कार राशि, खिलाड़ियों के अवसरों में वृद्धि, टेलीविजन और ऑनलाइन पर अधिक कवरेज और शानदार प्रस्तुति दे सकते हैं।

उन्होंने कहा, हमें यह भी लगता है कि हमें अब पहले से शुरू किए गए क्लस्टर टूर्नामेंट की आवश्यकता नहीं है, जो कोविड-19 यात्रा की जटिलताओं को नकारने के लिए शुरू किए गए हैं। इससे खिलाड़ियों और टीमों पर कुछ तनाव कम करने में मदद मिलेगी,जिससे उन्हें पेरिस ओलंपिक की क्वालीफिकेशन की तैयारियों में अपने द्वारा खेले जाने वाले आयोजनों को चुनने की अधिक स्वतंत्रता मिलेगी।

पैरा बैडमिंटन चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले हुए सम्मानित

देहरादून 29 अगस्त। उत्तराखंड के देहरादून में सोमवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में हर्षल फाउंडेशन ने राष्ट्रीय पेरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को प्रमाणपत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह पुंडीर ने पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर हर्षल फाउंडेशन की अध्यक्ष रमा गोयल ने अपने आगामी दिव्यांग शिविर की जानकारी देते हुए सभी को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। इस अवसर पर, पेरा स्पोर्ट्स के अध्यक्ष प्रेम कुमार, उनकी पत्नी, प्रिया गुलाटी, आशिमा रतूड़ी, प्रवीण भारती, कुसुम भारती, बबीता गुप्ता आदि सदस्य उपस्थित रहे।

महामुकाबले में पाकिस्तान को हराने के बाद बोले रोहित शर्मा, ऐसी जीत पसंद है मुझे

दुबई, 29 अगस्त। चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में पांच विकेट से हराकर एशिया कप में जीत के साथ आगाज करने वाले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उन्हें एकतरफा जीत की बजाय इस तरह के मैच जीतना अधिक पसंद है। जीत के लिए 148 रन का लक्ष्य भारत ने दो गेंद बाकी रहते पांच विकेट खोकर हासिल किया।रोहित ने मैच के बाद कहा, 'हमें पारी आधी होने के बाद भी भरोसा था। इसी तरह का भरोसा हम इस टीम को देना चाहते हैं कि मैच में किस तरह वापसी की जाती है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सभी को अपनी भूमिका पता है।'

रोहित ने मैच के बाद कहा, 'हमें पारी आधी होने के बाद भी भरोसा था। इसी तरह का भरोसा हम इस टीम को देना चाहते हैं कि मैच में किस तरह वापसी की जाती है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सभी को अपनी भूमिका पता है।' हरफनमौला प्रदर्शन करके मैच जिताने वाले हार्दिक पंड्या के बारे में उन्होंने कहा, 'हार्दिक ने टीम में वापसी के बाद से शानदार प्रदर्शन किया है। उसने आईपीएल भी बहुत अच्छा खेला। उसकी बल्लेबाजी के बारे में हम जानते हैं और वह बेहतरीन फॉर्म में है।' पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम ने कहा कि उनकी टीम 10.15 रन पीछे रह गई। उन्होंने कहा, 'हमने मैच में अपने तेज गेंदबाजों के दम पर वापसी भी की लेकिन हम 10-15 रन पीछे रह गए थे। हार्दिक ने बेहतरीन प्रदर्शन करके भारत को जीत दिलाई।'

पाटिल ने 10 मीटर एयर राइफल में तोमर को हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया

भोपाल, 29 अगस्त। रुद्राक्ष पाटिल ने राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल स्पर्धा में सोमवार को यहां पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल 'टी 6' स्पर्धा में तोक्यो ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर को शिकस्त दी। अठारह वर्षीय पाटिल और तोमर ने आठ खिलाड़ियों के सेमीफाइनल चरण में क्रमश:: 261.9 और 261.3 के स्कोर के साथ पहले और दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल का टिकट कटाया था। जूनियर विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता पाटिल ने यहां राज्य निशानेबाजी अकादमी परिसर में जूनियर विश्व कप के स्वर्ण पदक विजेता तोमर को 16-6 से मात दी। राजस्थान के यशवर्धन ने भी दिन में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने जूनियर और युवा वर्ग के 10 मीटर एयर राइफल 'टी 6' ट्रायल में दोहरी सफलता हासिल की। यशवर्धन ने जूनियर वर्ग के फाइनल में रुद्राक्ष को 17-7 जबकि युवा वर्ग के फाइनल में आंध्र प्रदेश के मदिनेनी उमामहेश को करीबी मुकाबले में 17-15 के से हराया। दिल्ली में डॉ करणी सिंह निशानेबाजी परिसर में हरियाणा के कशिश मेहरा ने पुरुषों की 25 मीटर वर्ग में जीत दर्ज की।

उम्मीद है कि पांड्या टी20 विश्व कप में भी ऐसा ही खेलेंगे : भुवनेश्वर

दुबई, 29 अगस्त। भारत के तेज़ गेंदबाज़ भुवनेश्वर कुमार ने हार्दिक पांड्या के ऑलराउंड प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा है कि वह टी20 विश्व कप में भारत के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे। भारत ने रविवार को एशिया कप 2022 में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया। बाबर आज़म की टीम ने भारत को 148 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उन्होंने 19.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। मैन ऑफ द मैच पांड्या ने गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिये, जबकि बल्ले से 17 गेंदों पर 33 रन का बहुमूल्य योगदान दिया।

भुवनेश्वर ने मैच के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''हमारी पारी के 10 ओवर गुज़रने के बाद यह मैच फंस गया था। इस स्थिति में यह किसी भी ओर जा सकता था। हार्दिक और जडेजा ने उस स्थिति में बहुत अच्छी बल्लेबाजी की।''

उन्होंने कहा, ''सच कहूं तो जब तक हार्दिक ने रन नहीं बनाये थे तब तक मैच 50-50 था। हम आशा कर रहे थे कि हार्दिक रन बनायें। मैं उम्मीद करता हूं कि हार्दिक अपना प्रदर्शन जारी रखें और (टी20) विश्व कप में भी इसी फॉर्म में रहें, यह हमारे लिये बहुत महत्वपूर्ण होगा।'' भुवनेश्वर ने स्वयं भी धारदार गेंदबाज़ी करते हुए चार विकेट निकाले थे, जिसमें पाकिस्तान के कप्तान बाबर आज़म का विकेट भी शामिल था।

भुवनेश्वर ने बाबर के विकेट के बारे में सवाल पूछे जाने पर कहा, ''एक बार जब बाबर आउट हो गये तो हमने यह नहीं सोचा कि आधी पाकिस्तान टीम आउट हो गयी है। वह अच्छे खिलाड़ी हैं लेकिन पाकिस्तान के नौ और बल्लेबाज बाकी थे।'' उन्होंने कहा, ''एक टीम के रूप में हम यह नहीं सोचते कि सबसे अच्छा बल्लेबाज आउट हो गया तो आधी टीम आउट हो गयी, लेकिन हां, एक बार वह आउट हो गये तो हम समझ गये थे कि उनकी योजना अस्तव्यस्त होगी क्योंकि एंकर की भूमिका निभाने वाला बल्लेबाज आउट हो गया है।'' भारत का अगला एशिया कप मुकाबला हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ 31 अगस्त को है।

आखिरी ओवर में 15 रन भी चाहिये होते तो मैं कर सकता था : पांड्या

दुबई, 29 अगस्त। भारतीय टीम के विस्फोटक बल्लेबाज़ और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने एशिया कप 2022 में रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाने के बाद कहा कि अगर टीम को अंतिम ओवर में 15 रन भी चाहिये होते तो वह सफलतापूर्वक लक्ष्य तक पहुंच सकते थे। गेंद से तीन विकेट झटकने के बाद 33(17) रन की पारी खेलकर मैन ऑफ द मैच चुने गये पांड्या ने कहा, ''गेंदबाजी में ज़रूरी है कि आप स्थिति का आंकलन करें और अपने मज़बूत पहलुओं का इस्तेमाल करें। छोटी गेंद और अच्छी लेंथ की गेंद मेरी मज़बूती रहे हैं। आपको इन्हें ठीक तरह से प्रयोग करते हुए बल्लेबाज़ से गलती करवानी होती है।'' उन्होंने कहा, ''इस तरह की चेज़ में आप हमेशा ओवर-दर-ओवर योजना बनाते हैं। मुझे पता था कि अभी एक युवा गेंदबाज और एक बाएं हाथ का स्पिनर बाकी है। हमें आखिरी ओवर में सिर्फ सात रन चाहिये थे लेकिन अगर 15 रन भी चाहिये होते तो मेरे अनुसार मैं सफलतापूर्वक लक्ष्य को हासिल कर सकता था।''

रिहैब के लिये लंदन पहुंचे शाहीन

दुबई, 29 अगस्त। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को बताया कि घुटने की चोट से जूझ रहे युवा तेज़ गेंदबाज़ शाहीन शाह अफ़रीदी अपना रिहैब पूरा करने के लिये लंदन रवाना हो गये हैं। पीसीबी के मुख्य चिकित्सीय अधिकारी डॉ नजीबुल्लाह सूमरो ने कहा, शाहीन शाह अफ़रीदी को घुटना उपचार विशेषज्ञ की चिकित्सा की आवश्यकता है और लंदन में दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ खेल चिकित्सीय एवं रिहैब सुविधाएं उपलब्ध हैं। हमने शाहीन के हित में उन्हें वहां भेजने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, शाहीन के लंदन में रहने के दौरान चिकित्सीय विभाग रोज़ उनकी प्रगति की खबर लेगा, और हमें विश्वास है। शाहीन आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप से पहले पूर्णत: स्वस्थ हो जाएंगे। पीसीबी ने कहा कि शाहीन लंदन में पीसीबी चिकित्सीय सलाहकार समिति की निगरानी में रहेंगे, जिसमें लंदन के रहने वाले डॉ इम्तियाज़ अहमद और डॉ ज़फ़र इक़बाल शामिल हैं।

धरमवीर को हराकर अजहर बने डब्ल्यूबीसी भारत चैम्पियन

गुरुग्राम, 29 अगस्त। दिल्ली के मुक्केबाज़ मोहम्मद अज़हर बड़े उलटफेर में धरमवीर सिंह को हराकर सुपर फेदरवेट श्रेणी के डब्ल्यूबीसी इंडिया चैंपियन बन गये हैं। सातवीं वरीयता प्राप्त अज़हर ने रविवार को आठ राउंड के बाउट में तीसरी वरीयता प्राप्त धरमवीर को सर्वसम्मत निर्णय से मात देकर विश्व मुक्केबाज़ी परिषद का भारतीय खिताब जीता। धरमवीर ने 32 मिनट चले मुकाबले में पहला राउंड अपने नाम किया था, लेकिन इसके बाद अज़हर ने एकतरफा रूप से सभी सात मुकाबले जीतकर बाउट जीता। अज़हर अब तक अपने आधिकारिक करियर में चार नॉकआउट सहित पांच मैच जीत चुके हैं, जबकि पांच में उन्हें हार मिली है।

उन्होंने जीत के बाद कहा, मैं मुकाबले में सहज था और बस वही कर रहा था जो मैं सर्वश्रेष्ठ कर सकता हूं। योजना यह थी कि मैं मुक्के मारूं और उनके मुक्कों से बचूं। वह अपने सबसे अच्छे प्रयासों से भी मुझे नहीं मार सके।''

अज़हर ने कहा, ''मेरे परिवार को लगता है कि मैं मुक्केबाजी में अपना समय व्यर्थ कर रहा हूं, लेकिन मैं उन्हें गलत साबित करना चाहता हूं और अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ बनना चाहता हूं। मुझे पता है कि आज के बाद से मेरे लिये बहुत कुछ बदलने वाला है।'' दूसरी ओर, धरमवीर ने कहा, ''मुझे लगा कि मुकाबला बहुत करीबी था। मुझे कुछ बदलाव करने होंगे और भविष्य में फिर कभी उनका सामना करूंगा। आज उन्होंने (रेफरी ने) फैसला अज़हर के पक्ष में दिया लेकिन मुझे उम्मीद है कि जब हम दोबारा आमने-सामने होंगे तो ऐसा नहीं होगा।''

श्रीलंका को बांग्लादेश के खिलाफ बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीद

शारजाह, 29 अगस्त। पहले मैच में अफगानिस्तान से हारी श्रीलंका को बांग्लादेश के खिलाफ मंगलवार को एशिया कप के दूसरे मुकाबले में अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। पहले मैच में अफगानिस्तान के तेज गेंदबाजों के सामने श्रीलंकाई बल्लेबाज टिक नहीं सके थे।

दूसरी ओर टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेल रही शाकिब अल हसन की अगुवाई वाली बांग्लादेशी टीम इस प्रारूप में अपना रिकॉर्ड बेहतर करना चाहेगी । पिछले साल विश्व कप के बाद से उसने इस प्रारूप में 13 में ये दो ही मैच जीते हैं । श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका को उम्मीद है कि बांग्लादेशी गेंदबाजी आक्रमण अफगानिस्तान की तरह खतरनाक नहीं होगा।

उन्होंने पहले मैच में मिली हार के बाद कहा ,'' अफगानिस्तान के पास विश्व स्तरीय गेंदबाजी आक्रमण है । हमें पता है कि मुस्ताफिजूर रहमान अच्छा गेंदबाज है और शाकिब भी । लेकिन उनके अलावा बांग्लादेश के पास कोई विश्व स्तरीय गेंदबाज नहीं है । अफगानिस्तान की तुलना में बांग्लादेश की चुनौती आसान है ।'' अफगानिस्तान के तेज गेंदबाजों फजलहक फारूकी और नवीनुल हक ने श्रीलंकाई पारी की कमर तोड़ दी थी।

श्रीलंका क्रिकेट ने 553 रन बनाने वाले युवा को किया सम्मानित

कोलंबो, 29 अगस्त। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने अंडर-15 स्कूल मैच में 553 रन की पारी खेलने वाले डनिडू सेलापेरुमा को क्रिकेट किट देकर सम्मानित किया। एसएलसी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अनुराधापुर के सेंट जोसेफ स्कूल में पढ़ने वाले डनिडू ने हाल ही में एसएलसी द्वारा आयोजित अंडर-15 स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट 553 रन की असाधारण पारी खेली थी। खिलाड़ी को उनके स्कूल टीम के कप्तान पामुला लोकुलियाना और स्कूल कोच अथुला रोहाना की उपस्थिति में 'क्रिकेट किट' सौंपी गयी। इस किट में डनिडू को तीन बल्लों और दो हेलमेट सहित बल्लेबाजी ग्लव और पैड भी दिये गये।

मनप्रीत, सविता ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर दी बधाई

नयी दिल्ली, 29 अगस्त। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह और महिला टीम की कप्तान सविता ने सोमवार को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद की जयंती पर उन्हें याद किया और देश को राष्ट्रीय खेल दिवस की बधाई दी।

मनप्रीत ने देश को खेल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा, राष्ट्रीय खेल दिवस खुद को स्वस्थ जीवन जीने के महत्व को याद दिलाने का एक शानदार अवसर है। विश्व स्तर पर विभिन्न विषयों में हासिल होने वाली उपलब्धियां बच्चों को सक्रिय जीवन शैली अपनाने और प्रतिस्पर्धी खेलों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

उन्होंने कहा, हमें देश में एक अच्छी खेल संस्कृति का पोषण करना चाहिए। मुझे लगता है कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स जैसे नियमित आयोजनों के साथ हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाले भारतीय पुरुष अब एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-23 के आगामी सत्र की तैयारी शुरू करेंगे, जिसमें भारत इस साल अक्टूबर और नवंबर में अपने घरेलू मैचों का पहला चरण खेलेगा।

मनप्रीत ने टीम के अगले लक्ष्य के बारे में कहा, हम सीडब्ल्यूजी में अपने प्रदर्शन का विस्तार से विश्लेषण करेंगे। प्रतियोगिता में कुछ अच्छे निष्कर्ष निकले। दबाव में प्रदर्शन करने के लिए हमें और भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है और अपने अगले अभियान के लिए तैयारी करते हुए हम इन्हीं चीजों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इसी बीच, भारतीय महिला टीम को बर्मिंघम 2022 में ऐतिहासिक कांस्य पदक जिताने वाली सविता ने कहा, मैं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देती हूं। मैं यह देखकर अभिभूत हूं कि ज्यादा से ज्यादा युवतियां खेलों में करियर बनाना चाहती हैं। पिछले हफ्ते हरियाणा में घर वापस आने के बाद से मैंने एक भी खाली खेल का मैदान नहीं देखा।

उन्होंने कहा, बच्चे कोई न कोई खेल खेल रहे थे और यह बहुत उत्साहजनक है। मुझे लगता है कि देश ने ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेलों जैसे अन्य खेलों में कई पदक जीते हैं, जिससे अधिक बच्चे सक्रिय जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

जोधपुर जिले के पाल में हुआ राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह

मुख्यमंत्री ने की शहर ओलंपिक खेलों की घोषणा

जोधपुर/जयपुर, 29 अगस्त। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक-2022 के उद्घाटन के अवसर पर राज्य में खेलों का माहौल बनाने व खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए शहरी ओलंपिक खेल के आयोजन की महत्वाकांक्षी घोषणा की। साथ ही उन्होंने ग्रामीण ओलंपिक खेलों को हर वर्ष आयोजित करने की भी घोषणा की, ताकि ग्रामीण अंचल में खेलों के प्रति रूचि बनी रहे। राजस्थान में खेलों के महाकुंभ के रूप में राष्ट्रीय खेल दिवस पर पहली बार आयोजित राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक-2022 का राज्यस्तरीय शुभारंभ जोधपुर से हुआ। मुख्यमंत्री ने सोमवार को लूणी पंचायत समिति अन्तर्गत पाल गांव के पशु मेला मैदान में आयोजित भव्य समारोह में इन खेलों का उद्घाटन किया। गहलोत ने खेल ध्वजारोहण किया और मार्च पास्ट की सलामी लेकर वहां उपस्थित जन समूह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक का प्रदेशव्यापी आयोजन अभूतपूर्व है। आज का दिन राजस्थान के लिए ऐतिहासिक है। खेलों के इस महाकुंभ में हर आयु और वर्ग का व्यक्ति अपनी खेल प्रतिभा से रूबरू करा रहा है। इस दौरान राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल-2022 की मशाल मुख्यमंत्री द्वारा खिलाड़ियों को सौंपी गई।

एएफसी ने प्रशंसकों के मैदान में आने पर एआईएफएफ पर लगाया जुर्माना

नयी दिल्ली, 29 अगस्त। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के कोलकाता में खेले गए मैचों के दौरान दर्शकों के खिलाड़ियों के करीब आने पर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) पर सोमवार को 18,000 डॉलर (लगभग 14 लाख रुपये) जुर्माना लगाया। भारतीय टीम ने जून में अफगानिस्तान और हांगकांग के खिलाफ अपने मुकाबले खेले थे। इस राशि का बड़े हिस्से को हालांकि निलंबित कर दिया गया है। जुर्माने से फिलहाल 13,500 डॉलर की रकम को निलंबित कर दिया गया है। अगले दो साल में इस तरह की घटना फिर से होने पर एआईएफएफ को यह इस रकम को चुकाना होगा।

ओलंपिक में भारत के पदक बढ़ाने के लिए आईआईटी-मद्रास मुक्केबाजी विश्लेषण सॉफ्टवेयर विकसित करेगा

चेन्नई 29 अगस्त। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के शोधार्थियों ने कर्नाटक में बेल्लारी के इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोटर्स के साथ साझेदारी में प्रभावी कीमत और आधुनिक मुक्केबाजी विश्लेषण सॉफ्टवेयर विकसित करेगा जो कि 2024 ओलम्पिक में भारत के पदक बढ़ायेगा। 'स्मार्टबॉक्सर' नाम का यह एक प्रभावी लागत का विश्लेषणात्मक मंच है। यह पहनने योग्य सेंसर और वीडियो कैमरों का उपयोग मुक्केबाजों के प्रदर्शन मूल्यांकन के चार प्रमुख लक्षणों पर करेगा जिनका मूल्यांकन मुक्केबाजी में स्कोरिंग के लिए किया जाता है।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स पहनने योग्य सेंसर और वीडियो कैमरों का उपयोग करके प्रतिक्रिया और प्रदर्शन आकलन प्रदान करेगा। आईआईएस में मुक्केबाजों के प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए 'स्मार्टबॉक्सर' को लगाया जाएगा। आईआईटी-एम की एक विज्ञिप्त में आज कहा गया कि आईआईएस से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर बदलावों को 'स्मार्ट बॉक्सर' विश्लेषात्मक मंच में शामिल किया जाएगा। इस सॉफ्टवेयर का उपयोग प्रशिक्षकों और मुक्केबाजों को प्रभावी ढंग से सहायता करेगा। आईआईटी मद्रास में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्पोर्ट्स साइंस एंड एनालिटिक्स द्वारा बहु-संस्करण सॉफ्टवेयर के रूप में विकसित किया जा रहा स्मार्टबॉक्सर भारतीय एथलीटों को एक समान प्रतिस्पर्धा में बढ़त प्रदान करेगा।

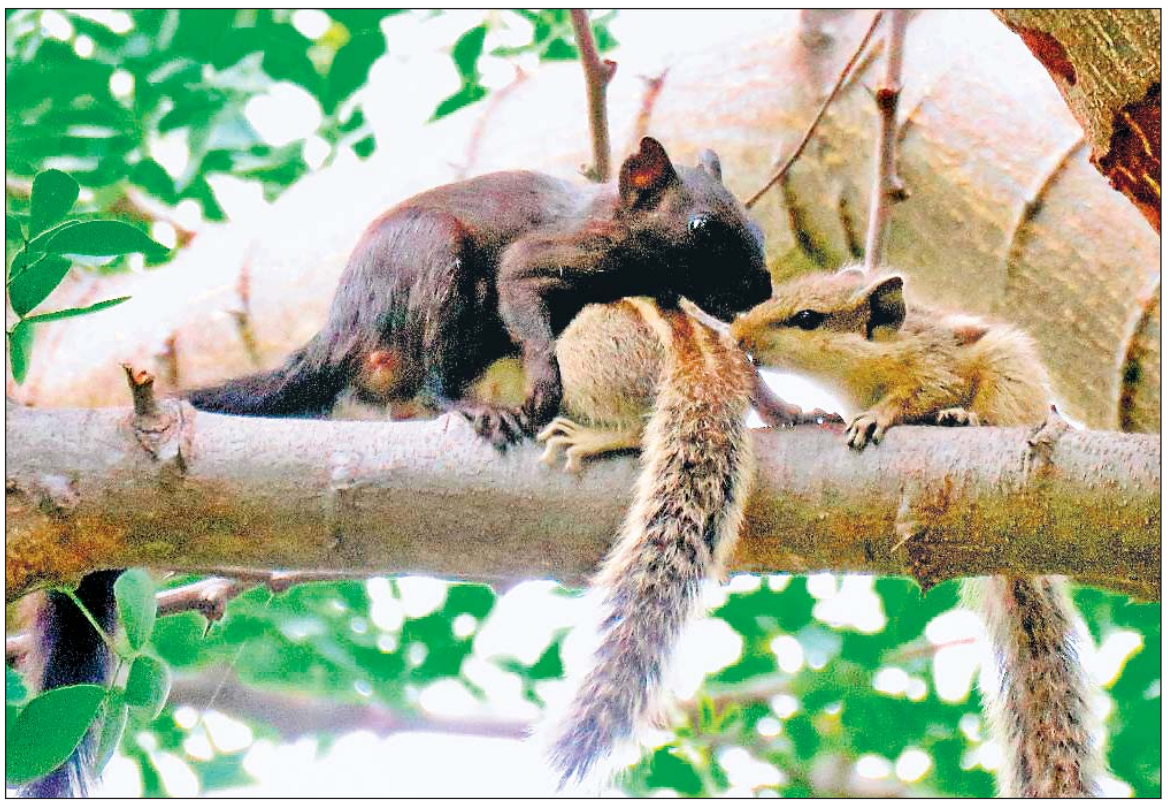

उदयपुर के सागवाड़ा क्षेत्र में अत्यंत दुर्लभ एवं अनोखी काली गिलहरी दिखाई दी है। नेचर एक्टिविस्ट मुकेश पंवार ने इस गिलहरी की तस्वीरें ली हैं। उन्होंने बताया कि, राजस्थान में इस तरह की गिलहरी मिलने की यह पहली घटना है।

उदयपुर संभाग के सागवाड़ा में दिखी काली गिलहरी

वागड़ नेचर क्लब के तितली विशेषज्ञ मुकेश पंवार ने गिलहरी की तस्वीरें ली हैं

- **यह असल में सामान्य गिलहरी है, जो दुर्लभ आनुवंशिक स्थिति ''मैलनिज़्म'' से ग्रस्त है, जिसमें त्वचा व फर में ब्लैक पिगमैंट की मात्रा बढ़ जाती है, इसी कारण यह गिलहरी काले रंग की है।**
- **इससे पहले उदयपुर संभाग में ''ल्युसिस्किट कॉमन किंगफिशर'' देखा गया था। यह भी एक आनुवंशिक स्थिति है इसमें त्वचा व फर में पिगमैंट नहीं होता है।**

उदयपुर, 29 अगस्त (कासं)। उदयपुर संभाग के सागवाडा शहर के समीप दुर्लभ काली गिलहरी दिखाई दी है। राजस्थान में अपनी तरह की ऐसी पहली काली गिलहरी को खोजने, क्लिक करने और पुष्टि करने का श्रेय वागड नेचर क्लब के सदस्य ख्यातनाम तितली विशेषज्ञ मुकेश पंवार को जाता है।

पंवार ने बताया कि मैलानिस्टिक गिलहरी अक्सर मिलती है लेकिन एकदम गहरी काली गिलहरी मिलना बेहद दुर्लभ होता है। उन्होंने कहा इस गिलहरी के रोएं, आंखे, पूंछ सब काला है। ज्ञातव्य है कि शहर के दो अलग-अलग स्थानों पर काली गिलहरी देखी है। पहले तो लगा कि यह गिलहरी जैसा कोई अन्य जीव है पर चार दिन तक उसके व्यवहार को देखा तो यकीन हो गया कि यह गिलहरी है। इस मादा गिलहरी के दो बच्चे भी हैं जो सामान्य हैं।

सर्प विशेषज्ञ धर्मेन्द्र व्यास ने बताया कि सामान्यतया समस्त जीवों की त्वचा का रंग आनुवांशिक रूप से निर्धारित रहता है परन्तु लाखों में एक जीव मैलानिस्टिक (गहरे या काले रंग) में हो सकता है। इसमें त्वचा में या फर में ब्लैक पिगमैंट "मैलनिन" की मात्रा बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि उड़ीसा के जंगल में ब्लैक टाईगर तथा कर्नाटक, महाराष्ट्र आदि में ब्लैक पैंथर दिख चुके हैं। ठीक उसी तरह ये काली गिलहरियां भी सागवाडा क्षेत्र में दिखी हैं। इस दुर्लभ जीव की साईटिंग पर वागड नेचर क्लब के डॉ. कमलेश शर्मा, वीरेन्द्रसिंह बेडसा, रुपेश भावसार, विनय दवे सहित अन्य सदस्यों सहित संभागभर के प्रकृति व पर्यावरण विशेषज्ञों ने खुशी जताई है।

प्रसिद्ध पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. सतीश शर्मा ने बताया कि राजस्थान में काली गिलहरी की साईटिंग का कोई आधिकारिक रिकार्ड उपलब्ध नहीं है, संभवत: राजस्थान का यह पहला मामला है। उन्होंने कहा कि समृद्ध जैव विविधता के कारण वागड-मेवाड अंचल दुर्लभ प्रजातियों के जीवों के लिए बेहद अनुकूल दिखाई दे रहा है। हाल ही में यहां ल्युसिस्टिक किंग फिशर भी दिखा था। इस तरह का किंग फिशर विश्व में तीन बार ही दिखा है। उनमें से एक उदयपुर है। यह भी एक तरह की आनुवंशिक स्थिति है इसमें त्वचा, फर आदि में मैलनिन पिगमैंट का अभाव होता है।

प्रदेश में कांग्रेस के 3 अग्रिम संगठन हुए बेघर, सामान रखने की भी जगह नहीं

जिन भवनों में इनके मुख्यालय थे, उन्हें खाली करवा लिया गया है

- **अस्पताल रोड स्थित जिस बंगले को प्रदेश मुख्यालय बनाया जाना था, वह अब बनेगा वॉर रूम।**
- **राजस्थान में, 2018 में कांग्रेस की सरकार आने के बाद से पार्टी का नया प्रदेश मुख्यालय बनाए जाने की बात हो रही है, पर अभी तक ऐसा नहीं हो पाया है।**

जयपुर, 29 अगस्त (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस की अपनी सरकार होते हुए भी पार्टी अपने लिए नया भवन नहीं बना पाई है। यह बात चर्चाओं में हमेशा रहती है, लेकिन अब इससे भी बड़ी बात यह है कि कांग्रेस के राज में कांग्रेस के अग्रिम संगठनों के पास जो प्रदेश कार्यालय था,वह भी खाली करा लिया गया है। अब कांग्रेस के तीन प्रमुख अग्रिम संगठन, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई और कांग्रेस सेवादल बिना कार्यालय के हो गए हैं। हालात यह है कि अब इन तीनों कार्यालयों के अध्यक्षों के पास बैठने की जगह नहीं है और बैठने की बात तो दूर इनके पास अपना फर्नीचर रखने का स्थान भी नहीं है।

दरअसल राजस्थान में 2018 में कांग्रेस की सरकार आने के बाद से कांग्रेस का नया प्रदेश मुख्यालय ढूंढा जा रहा था। उसी दौरान अस्पताल मार्ग पर एक बंगला कांग्रेस ने अपने अधीन किया और कहा गया कि इसे प्रदेश मुख्यालय बनाया जाएगा। बाद में कई लोगों ने आपत्ति जताई और कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल का लगातार विस्तार हो रहा है और यदि यहां कांग्रेस मुख्यालय बनाया गया तो भीड़भाड़ के चक्कर में यहां कई एंबुलेंस फंसेगी और यदि कोई अनहोनी हो गई तो वह कांग्रेस के सिर आएगी। ऐसे में यहां कांग्रेस मुख्यालय बनाने के विचार को स्थगित कर दिया गया। लेकिन तय किया गया कि अस्पताल रोड वाले बंगले में वॉर रूम बनाया जाएगा।

यह बंगला कांग्रेस ने अपने नाम आवंटित करवा लिया था। सवाई जयसिंह हाईवे स्थित सरकारी बंगला जिसमें कि पिछले 30 से ज्यादा सालों से कांग्रेस के अग्रिम संगठन युवक कांग्रेस, एनएसयूआई और कांग्रेस सेवादल के प्रदेश मुख्यालय चल रहे थे, उसे खाली किया जाना भी जरूरी था। ऐसे में सोमवार को तीनों अग्रिम संगठनों को कार्यालय खाली करने के लिए कह दिया गया। अब समस्या यह रही कि तीनों कार्यालयों का फर्नीचर और अन्य सामग्री आखिरकार कहां रखी जाए। तीनों संगठनों के अध्यक्षों ने इसे लेकर प्रदेश कांग्रेस से चर्चा की तो प्रदेश कांग्रेस की ओर से कहा गया कि उन्हें बैठने के लिए स्थान देने में चार-पांच दिन का समय लग जाएगा। वे सामान रखने की व्यवस्था अपने स्तर पर कर ले, लेकिन यह व्यवस्था सोमवार दोपहर बाद तक नहीं हो पाई। अत: ऐसे में थोड़ा बहुत सामान प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में रखवाया गया। वहीं कागजात तीनों अग्रिम संगठनों के कार्यकर्ता अपनी गाड़ियों में लेकर घूमते रहे।

मजेदार बात यह है कि वर्ष 1998 के बाद से अशोक गहलोत सरकार अपना तीसरा कार्यकाल पूरा करने जा रही है, लेकिन अभी तक ना तो प्रदेश कांग्रेस खुद के लिए नया मुख्यालय और ना ही अपने अग्रिम संगठनों के लिए कोई स्थान चिन्हित कर पाई है। हालांकि कहा जा रहा है कि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के लिए मानसरोवर में स्थान चिन्हित किया गया है। इसके बारे में कहा जा रहा है कि जब बीच शहर में स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में ही लोग नहीं पहुंच पा रहे हैं, तो मानसरोवर में कितने लोग पहुंचेंगे, क्योंकि वह स्थान शहरी क्षेत्र से बहुत दूर है।

इसके बाद तय किया गया कि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में ही तीनों अग्रिम संगठनों को कमरे आवंटित किए जाएंगे,लेकिन यहां भी समस्या यह है कि प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में भी कमरों की संख्या सीमित है। ऐसे में यदि इन तीनों अग्रिम संगठनों को कमरे आवंटित भी कर दिए जाते हैं, तो बैठने की जगह नहीं बचेगी। खुद कांग्रेस के लोग कह रहे हैं कि यह बड़ी विडंबना है कि कांग्रेस की सरकार होते हुए भी ना तो प्रदेश कांग्रेस के पास अपना खुद का बड़ा मुख्यालय बनाने की जमीन तय की गई और अब जब अग्रिम संगठनों से मुख्यालय खाली करवा लिया गया है, तो उनके लिए भी स्थान की कोई व्यवस्था नहीं है।

तमिलनाडू में मंदिरों के मैनेजमैंट पर काबिज...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिया गया था। उस समय, चिदम्बरम जिले के इस प्राचीन एवं प्रख्यात मंन्दिर के पुजारी समुदाय (ब्राहमण) के बचाव के लिये, अन्नामलाई तुरन्त आगे आ गये थे। सुब्रमन्यम स्वामी, जो तमिलनाडु के निवासी है तथा स्वयं को हिन्दू-अधिकारों के प्रबल हिमायती के रूप में प्रस्तुत करते हैं, ने अपनी इस ताजा मुहिम के जरिये, मन्दिरों को सरकार के नियन्त्रण से बाहर रखने की लड़ाई को अब अपने हाथों में ले लिया है। जहाँ तक दूसरे मुद्दे-गैर ब्राहमण पुजारियों की नियुक्ति का प्रश्न है, इसे मद्रास उच्च न्यायालय करीब-करीब तय कर ही चुका है। न्यायालय ने पुजारियों की नियुक्ति के लिये कुछ प्रतिबन्ध एवं शर्ते तय कर दी हैं। मद्रास उच्च न्यायालय ने, जहाँ गैर-ब्राहमणों को पुजारी नियुक्त किये जाने के सरकारी निर्णय पर रोक लगा दी है, वहीं अदालत ने सरकार को उन मन्दिरों में पुजारी नियुक्त किये जाने पर भी रोक लगा दी है, जिन मन्दिरों का निर्माण "आमा शास्त्रों" के अनुसार हुआ है। उच्च न्यायालय ने कह दिया है कि सरकार राज्य के अन्य सभी मन्दिरों में किसी भी जाति के लोगों को पुजारी के रूप में नियुक्त कर सकती हैं। लेकिन राजनैतिक विश्लेषक सुमन्त सी.रमन. का मानना है कि मन्दिर और धर्म से सम्बन्धित इस प्रकार के मुद्दों, जो ब्राहमण समुदाय के पक्ष में दिखाई देते हैं, को उठाने से भाजपा को कोई मदद मिलने की कोई खास सम्भावना नहीं है।

इन्ही विचारों को दोहराते हुये, मद्रास विश्वविद्यालय के प्रौ. रामू मणिवन्नन का कहना है कि वस्तुत: इस प्रकार के मुद्दों को उठाकर, भाजपा डी.एम.के. को राजनैतिक लाभ पहुँचा रही हैं। अब, सर्वोच्च न्यायालय पहुँचकर, भाजपा तथा उसके समर्थकों ने, एक समुदाय विशेष का पक्ष लेकर, इस बहस को जीवित रखा है तथा इससे तमिलनाडु में पार्टी को कोई मदद नहीं मिलने वाली है क्योंकि वहाँ ब्राहमण बहुत कम संख्या में हैं।

प्रौ. मणिवन्नन ने आगे कहा, "इसने (भाजपा) ने इस बहस को जीवित रखा है तथा इस प्रकार इसने डी.एम.के. को एक अवसर दे दिया है कि वह सभी समुदायों के लोगों को पुजारी बनाने के अपने प्रयासों को और तेज कर सके क्योंकि ऐसा किया जाना उसकी विचारधारा से तो मेल खाता ही है, उसके वोट बैंक को भी माफिक आता हैं।"

'गुलाम नबी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्हें अंधाधुंध तरीके से इन्टरव्यू देकर पार्टी को बदनाम करने का काम दिया गया है, जिससे वो अपने आप को और नीचे गिरा रहे हैं।"

क्या गुलाम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी के पास एक ही तरीका है कि नैशनल कॉन्फ्रैंस को घाटी में एकतरफा जीत दर्ज करने से रोका जाए। जहां तक जम्मू क्षेत्र का सवाल है, परिसीमन के बाद भाजपा की स्थिति और सुरक्षित हो गई है क्योंकि नए विधानसभा क्षेत्रों के वोटर भाजपा के पक्ष के प्रतीत होते हैं। जम्मू में हिन्दू भावनाओं का संचार अधिक है, इसलिए आज़ाद की पार्टी के यहां भाजपा का हितसाधन करने की उम्मीद नहीं है, लेकिन फिर भी यदि आज़ाद घाटी में मुस्लिम मतदाताओं को तोड़ने में सफल हो जाते हैं तो इससे भाजपा को बहुमत का आंकड़ा पार करने में मदद मिल सकती है। आज़ाद जहां "धर्म-निरपेक्ष विचार धारा" का समर्थन करने पर कायम हैं, वहीं यह बात भी गौर करने लायक हैं कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति सोमवार को फिर उत्साहपूर्ण अंदाज में बोला और "मानवीय संवेदनाओं" को लेकर उनकी प्रशंसा की।

पौंडरिक पार्क से पार्किंग प्रोजैक्ट वापस लिया सरकार ने

- **राज्य सरकार ने हाई कोर्ट को सूचित किया कि, पौंडरिक पार्क से पार्किंग प्रोजैक्ट वापस ले लिया गया है।**
- **हाई कोर्ट में पार्किंग प्रोजैक्ट के खिलाफ दायर कई याचिकाओं पर सुनवाई हो रही थी, जिन्हें अब निस्तारित कर दिया गया है।**

जयपुर, 29 अगस्त (का.सं.)। राज्य सरकार की ओर से सोमवार को हाईकोर्ट को जानकारी दी गई कि शहर के पौंडरिक पार्क में बनाए जा रहे पार्किंग प्रोजेक्ट को वापस ले लिया गया है। अब पार्क में पार्किंग के नाम पर किसी तरह का निर्माण नहीं किया जाएगा।

सरकार ने यह भी बताया कि, पार्किंग के लिए अन्य उचित स्थान की तलाश की जा रही है। राज्य सरकार के प्रार्थना पत्र को रिकॉर्ड पर लेते हुए एक्टिंग सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस वीके भारवानी ने पौंडरिक पार्क विकास समिति व पूर्व विधायक सुरेन्द्र पारीक सहित अन्य की जनहित याचिकाओं को निस्तारित किया।

जनहित याचिका में कहा गया था कि, पौंडरिक पार्क शहर की विरासत है और आमजन की भावनाएं इससे जुडी हुई हैं। ब्रहमपुरी रिहायशी क्षेत्र है और वहां पर किसी पार्किंग जगह की जरूरत ही नहीं है। लोगों का पार्क की जमीन पर अधिकार है। यदि नगर निगम को पार्किंग बनानी भी है तो पास के नाले के ऊपर बनाई जा सकती है। पूर्व महापौर ने इस पार्क को किड्स जोन बनाने के लिए कहा था, लेकिन अब मौजूदा राज्य सरकार ने वह प्लान ही बदल दिया है। जबकि सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट कई मामलों में कह चुके हैं कि पार्क व ओपन स्पेस के स्वरूप में बदलाव नहीं किया जा सकता। यदि सरकार ने पार्क या ओपन स्पेस के मौजूदा स्वरूप में बदलाव भी कर दिया है तो उसे वापस पुरानी स्थिति में ही लाना होगा। ऐसे में राज्य सरकार और नगर निगम को पौंडरिक पार्क में पार्किंग निर्माण की मंजूरी नहीं दी जा सकती।

गौरतलब है कि, राज्य सरकार ने मार्च 2021 में हाइकोर्ट को बताया था की, पार्किंग प्रोजेक्ट का निर्माण रोक दिया गया है और आगामी सुनवाई तक निर्माण नहीं किया जाएगा।

'ऑपरेशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

काम आने वाले एक गैर कानूनी सॉफ्टवेयर का पता चला हैं। ये दलाल सीट और बर्थ की माँग और पूर्ति के अन्तर का नाजायज़ फायदा उठाया करते थे। यह रैकेट आरक्षित सीटों को घेरने तथा जरूरतमंदों को अतिरिक्त पैसा (प्रीमियम) लेकर बेचने का काम करता था। ये लोग इस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके, ऑनलाइन हुये कन्फर्म रेलवे आरक्षणों का पता लगाते थे तथा आम ग्राहकों को टिकटों की उपलब्धता पर नज़र रखते थे।

रेल मन्त्रालय की एक प्रैस विज्ञप्ति में कहा गया हैकि 43,44,750 रू कीमत की 688 रेलवे टिकट जब्त की गईं है। ये अपराधी टिकटें खरीद कर, 28.14 करोड़ रू. में बेच चुके थे तथा इस पर उन्होंने बहुत बड़े कमीशन की कमाई की थी। इससे बहुत बड़ी मात्रा में कालाधन सृजित हुआ था, जो अन्य अनैतिक कार्यो में काम आ सकता था

विज्ञप्ति में कहा गया है कि वॉट्सऐप तथा इन्स्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया के जरिये गैर कानूनी सॉफ्वेयर तैयार करने तथा बेचने के काम में लिप्त ये लोग आई.आर.सी.टी.सी. के नकली यूजर आई.डी. तथा नकली वर्चुअल नम्बर उपलब्ध कराया करते थे। उनके पास नकली आई.पी. पते सृजित करने वाले सॉफ्टवेयर थे ताकि वे उन प्रतिबन्धों को बाइपास कर सकें तथा प्रत्येक आई.पी. नम्बर पर सीमित संख्या में टिकट प्राप्त कर सकें। ये लोग डिसपोजेबल मोबाइल नम्बर तथा ई-मेल भी बेचा करते थे जो आर.सी.टी. सी. को नकली यूजर आई.डी. सृजित करने हेतु, ओ.टी.सी. सत्यापन के काम आते हैं।

राफेल डील...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को कहा कि "कोर्ट के हस्तक्षेप का कोई केस नहीं बनता है।" ज्ञातव्य है शर्मा हर मुद्दे पर याचिका दायर करने के आदी है।

अपनी याचिका स्वीकार करने के लिए कोर्ट को प्रभावित करने के लिए शर्मा ने कहा, "एक दिन आएगा जब हरेक व्यक्ति बेबस महसूस करेगा और कोई भी भ्रष्टाचार पर सवाल करने के लिए कोर्ट नहीं आएगा।

सी.जे.आई. ने शर्मा से कहा कोर्ट याचिका खारिज करने का आदेश दे चुका है। बाद में शर्मा याचिका वापस लेने के लिए मान गए जिसके लिए कोर्ट ने उन्हे अनुमति भी दे दी।

शर्मा ने कहा कि वे इस मामले में सी.बी.आई. के पास जाएंगे। कोर्ट ने कहा "आपको कोई भी नहीं रोक रहा है।"

मीडिया पार्ट, फ्रैंस ऑनलाइन जर्नल, की रिपोर्ट, जो माह के आरंभ में छपी थी।

इसमें दावा किया गया था कि उनके पास ऐसे दस्तावेज है जो बताते हैं कि राफेल निर्माता कम्पनी दसॉल्ट और उसके पार्टनर ने डील के संबंध में एक मिलियन यूरो का सीक्रेट कमीशन दिया था।

'' भेड़िया आया, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वर्तमान बाढ़ से गहरी आर्थिक क्षति होगी। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या चीन की फण्डिंग वाले बैल्ट एण्ड रोड इनिशिएटिव (बी.आर.आई.) के अन्तर्गत नए बने नए इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजैक्ट्स भी प्रभावित हुए हैं, लेकिन यदि व्यापक विध्वंस पर गौर किया जाए तो इनका बचना भी मुश्किल है। निर्मित हो चुके गारगांतुआन बी.आर.आई. प्रोजैक्ट्स की पुनर्भुगतान जवाबदेहियों को लेकर पाकिस्तान पहले से ही जबरदस्त दबाव में हैं। इनमें कई प्रोजैक्ट्स सफेद हाथी हैं जो अपने ऋणों की अदायगी करने लायक प्रॉफिट भी नहीं कमा सके। अब जबकि ये इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं बाढ़ से तबाह हो चुकी है तो देश पर अलाभकारी एवं अनुपयोगी प्रोजैक्ट्स का भार और आ जाएगा। ये पाकिस्तान के बजट और सार्वजनिक वित्त को भी प्रभावित कर सकता है। फिर भी, शाहबाज़ शरीफ सरकार पर पानी में फंसे लोगों के लिए राहत सामग्री लाने का दबाव है। बाढ़ के कारण बेघर हुए लोगों में भोजन को लेकर आपाधापी मची है। बच्चे भी भोजन और पीने के पानी से महरूम हैं। पानी के तेज बहाव से कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इसलिए जब पानी उतार पर आना शुरु होगा तब उन उच्च स्थलों पर पहुंचना एक बड़ी चुनौती होगी जहां लोगों ने शरण ले रखी है। बिल्कुल पड़ोस में स्थित भारत इस संकटग्रस्त देश को अहम राहत पहुंचा सकता है, लेकिन राहत देने के लिए भारतीयों का सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचना होगा जिसे पाकिस्तानी रक्षा मंत्रालय पसंद नहीं करेगा। भारत सिर्फ इतना ही कर सकता है कि वह राहत सामग्री को पाकिस्तानी अधिकारियों के सुपुर्द कर दे और उम्मीद करे कि यह पीड़ित जनता के पास पहुंच जाए।

मणप्पुरम गोल्ड लोन कम्पनी में डकैती 12 करोड़ रू. का सोना व 11 लाख रू. नकद लूटा

शहर के सुंदरवास क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई वारदात

- **सीसीटीवी कैमरे में पिस्तौल की नोंक पर स्टाफ को डराते दिखे लुटेरे।**
- **दो बाइक पर आए थे पांच लुटेरे।**

उदयपुर 29 अगस्त, (निसं)। शहर के मुख्य मार्ग पर स्थित सुंदरवास क्षेत्र में सोमवार सुबह बाइक पर आए पांच लुटेरे एक बड़ी वारदात को अंजाम दे गए। क्षेत्र में मण्णप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी में घुस इन लूटेरों ने पहले पिस्टल की नोंक पर कर्मचारियों को बंधक बनाया और उसके बाद कंपनी में रखा चौबीस किलो सोना जिसकी कीमत 12 करोड़ रूपए आंकी गई है वहीं कंपनी में रखे 11 लाख रूपए नकद लूट ले गए। वारदात के बाद पुलिस ने लुटेरों को पकड़ने के लिए संभागभर में नाकेबंदी करवाई लेकिन लुटेरे अभी तक पुलिस गिरफ्त से दूर है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सवेरे प्रतापनगर थानाक्षत्र के सुन्दरवास मुख्य मार्ग पर स्थित मण्णप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी में घुसते ही नकाबपोश बदमाशों ने बैंक में मौजूद एक महिला सहित छ: कर्मचारियों को पिस्टल दिखा बंधक बना मारपीट शुरू कर दी। यह पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। लुटेरों ने वहां बने लॉकर से करीब चौबीस किलो सोना व ग्यारह लाख रूपये की नकदी लूट ले गए। पांच बदमाश दो बाइक पर सवार होकर चेहरे को नकाब से ढ के हुए वारदात करने पहुंचे थे। कंपनी खुलते ही अंदर घुसे दो इन लुटेरों ने कर्मचारियों को पिस्टल दिखा एक जगह इकठ्ठा कर नीचे बिठा दिया तथा उनके हाथ बांध दिए। इस दौरान बदमाशों के शेष साथियों ने पिस्टल की नोक पर लॉकर से नकदी व सोना लेकर फरार हो गए।

सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर चन्द्रशील ठाकुर ने मय जाप्ता मौके पर पहुंच कर उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। इस पर रेंज के आईजी प्रफुल्ल कुमार, जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा ने भी मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारियों ने इस संबंध में बैंक कर्मचारियों से पूछताछ की और मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए रेंज में नाकाबंदी करवाई है। पुलिस की विभिन्न टीमे बदमाशों की तलाश में जुटी है।

गुलाम नबी ने राहुल गांधी की धज्जियां उड़ाने का क्रम...

- **राहुल समर्थक यह भी आरोप लगा रहे हैं कि, जब भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को बार-बार ''पप्पू'' कह कर अपमानित करते हुए कटाक्ष किया, तब कोई भी वरिष्ठ नेता, जिसमें गुलाम नबी भी शामिल हैं, राहुल के पक्ष में नहीं बोला। क्या यह वरिष्ठ, पुराने नेताओं की जिम्मेवारी नहीं थी।**
- **जब राहुल गांधी ने यूथ कांग्रेस में चुनाव करवाने का बीड़ा उठाया, इन वरिष्ठ, बुजुर्ग नेताओं ने राहुल को ''नासमझ'' अनुभवहीन कह कर खिल्ली उड़ाई और अब ये लोग पार्टी में चुनाव कराने के लिये अभियान सा चला रहे हैं।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा अपनी नई छवि बनाने के लिये राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम चला रही है, आज़ाद ने पार्टी से इस्तीफा देकर राहुल की कमियाँ गिनाना शुरु कर दिया है।

आज़ाद के अनुसार, राहुल गांधी ने मीटिंग में कहा था कि जिन लोगों ने प्रचार के दौरान उनके इस नारे को काम में लिया हो, वे हाथ उठायें। उस समय मीटिंग में मनमोहन सिंह, ए.के. एन्टनी, पी. चिदम्बरम तथा आज़ाद जैसे वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

आज़ाद ने कहा, "उन्होंने (राहुल) उन सभी लोगों से हाथ उठवाये, जिन्होंने कहा था, "चौकीदार चोर है।" वहाँ कई वरिष्ठ नेता थे, जो मुख्यमंत्री तथा इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, पी.वी. नरसिम्हा राव के साथ मंत्री रह चुके थे- आप ऐसे नेताओं से ऐसी अपेक्षा कैसे कर सकते हैं कि वे सार्वजनिक स्थलों पर ऐसी भाषा बोलें। हम किसी का दाँये, बाँये तथा किसी भी दिशा से विरोध कर सकते हैं लेकिन किसी व्यक्ति पर व्यक्तिगत हमला नहीं कर सकते।"

आज़ाद ने कहा कि उन जैसे राजनेता ऐसा सोच भी नहीं सकते कि वे अपने विरोधियों पर इस प्रकार व्यक्तिगत हमले करें। लेकिन आज़ाद पूर्व पार्टी नेता संजय गांधी के साथ गुज़ारे अपने उन दिनों को कितनी आसानी से भूल गये, जब संजय गांधी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं तथा अपने राजनैतिक विरोधियों पर हमले बोलते हुये, निर्लज्जता की सीमा पार कर जाते थे।

आज़ाद ने कहा, "हमने इंदिरा गांधी से राजनैतिक शिक्षा एवं संस्कार पाये हैं। जब मैं वरिष्ठ मंत्री था, तो उन्होंने एम.एल. फोतेदार और मुझे बुलाया था और कहा था कि आप लोग अटल बिहारी वाजपेयी से मिलते रहा करें। नेता और नेता के बीच फर्क देखिये। उन्होंने कहा था कि अटल जी राजनेता हैं, वे भी निश्चित रूप से चाहेंगे कि काम हो। वे मुझसे बात करने में संकोच करेंगे। इसलिये, आप लोग उनसे पूछते रहा करो। इस प्रकार, हमको ऐसी शिक्षा मिली थी कि हम अपने बड़ों का, वरिष्ठ लोगों का सम्मान करें तथा विपक्षी नेताओं को भी उतना ही सम्मान दें। हमें यह नहीं सिखाया गया था कि हम जनता के बीच जाकर कहें कि प्रधानमंत्री चोर है। लेकिन क्या यह इस्तीफा देने का कारण है।

उन्होंने कहा, "हम मोदी पर हर तरफ से हमला कर सकते हैं, लेकिन हम उन पर इस प्रकार से व्यक्तिगत हमले नहीं कर सकते। क्या वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री रह चुके लोगों को ऐसी भाषा का प्रयोग करना चाहिये?"

आज़ाद के इस्तीफे में राहुल गांधी की एक अत्यन्त तीखी टिप्पणी, उनके द्वारा 2013 में सबके सामने एक अध्यादेश को फाड़कर फैंक देने वाली घटना से संबंधित थी। आज़ाद ने इस कार्य को उनका बचकाना व्यवहार तथा उनकी अपरिपक्वता का जबरदस्त नमूना बताया था।

आज़ाद ने कहा, "इस कार्य से प्रधानमंत्री (मनमोहन सिंह) तथा पूरे मंत्रिमण्डल के अधिकार एवं गौरव का क्षरण हुआ था। मैं नहीं जानता कि राहुल जी को आज तक भी मालूम है या नहीं कि अध्यादेश कैसे जारी किये जाते हैं। जो चीज सरकार के प्रमुख एवं राष्ट्र प्रमुख के नेतृत्व में पारित हुई है- आप उसे सबके सामने फाड़कर फैंक रहे हैं।"

आज़ाद ने अपने इस्तीफे में जो यह आरोप लगाया था कि "महत्वपूर्ण निर्णय राहुल गांधी द्वारा यहाँ तक कि उनके सिक्योरिटी गार्ड्स तथा पी.ए. (पर्सनल असिस्टैन्ट्स) द्वारा लिये जाते हैं, इसके बारे में उन्होंने कहा कि मेरे पास सबूत है। उन्हें पूछा कि ऐसा नेता किस प्रकार का अध्यक्ष होगा..... कांग्रेस पार्टी में हर व्यक्ति जानता है कि वे लोग कौन हैं, जिनके जरिये लोग राहुल गांधी तक पहुँच पाते हैं।" आर.एस.एस. द्वारा लगाये जाने वाले "मदर-सन सिन्ड्रोम" के आरोप का अनुसरण करते हुये, आज़ाद ने कहा कि सोनिया गांधी अच्छी तरह जानती हैं कि उनका बेटा क्या कर रहा है, लेकिन वे (सोनिया) उन पर पूरी तरह निर्भर होकर रह गई हैं।

"सभी माँ ऐसी ही होती है। सभी माँ-मेरी माँ, आपकी माँ- उनके बच्चे उनकी कमजोरी होते हैं।"

आज़ाद ने मीडिया के साथ हुई इस बातचीत में चयनित घटनाओं या बातों का ही जिक्र किया है। लेकिन राहुल को अपने हमले का निशाना बनाते हुये, वे इस बात को भूल गये कि उन जैसे वरिष्ठ नेता ने राहुल गांधी को "पप्पू" के रूप में चित्रित करने के आर.एस.एस.-भाजपा के संयुक्त अभियान की न तो कभी निन्दा की और न कभी आलोचना की। वे उस समय भी मौन रहे थे, जब नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में राहुल के लिये अभद्र शब्दों का प्रयोग किया था। क्या यह वरिष्ठ नेताओं का दायित्व नहीं था कि वे उस समय अपने पार्टी-साथियों के बचाव में आगे आते, जब उनके वैचारिक प्रतिद्वंदी उन पर अनुचित एवं अशोभनीय प्रहार कर रहे थे?

राहुल का समर्थन उस समय न तो आज़ाद ने या पार्टी छोड़कर चले जाने वाले अन्य नेताओं ने किया और न उनमें से बहुत से नेताओं ने किया, जो इस समय पार्टी में हैं, जब राहुल ने चुनाव करके भारतीय युवा कांग्रेस को लोकतांत्रिक रूप देने की कोशिश की थी। इसके बजाय, इन लोगों ने राहुल की हँसी उड़ाते हुये, चुनाव कराये जाने का एक बचकानी कोशिश बताया था, अब वे ही सब पार्टी में चुनाव कराने के लिये दबाव बना रहे हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908